ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एसआईटी ने राज्यपाल से कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने का ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 21 अगस्त, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-233

डॉक्टर दुष्कर्म-हत्या मामले में शीर्ष अदालत के तेवर कड़े
राज्य सरकार को सुनाई खरी-खरी

एससी ने 22 तक मांगी रिपोर्ट राष्ट्रीय कार्य बल का किया गठन

- कोर्ट की निगरानी में काम करेगी टास्क फोर्स, चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा और बेहतरी के बताएगी उपाय
- पीड़िता की पहचान उजागर करने पर जताई नाराजगी आरजी कर अस्पताल में सीआईएसएफ की तैनाती
- पुलिस जांच से लेकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका पर भी उठाए सवाल
- हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि राज्य सरकार अस्पताल में हुई तोड़फोड़ मामले को कैसे नहीं संभाल पाई

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले की मंगलवार को स्वत: संज्ञान सुनवाई करते हुए चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर एक राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार के लिए 10 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्य बल का गठन किया। जो मेडिकल प्रोफेशनल्स की सुरक्षा, वर्किंग कंडीशन और उनकी बेहतरी के उपायों की सिफारिश करेगी। टास्क फोर्स में केंद्र सरकार के पांच अधिकारी भी शामिल किए गए हैं। कोर्ट ने सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट और राज्य सरकार से घटना की रिपोर्ट मांगी है। आरजी कर अस्पताल की सुरक्षा का जिम्मा सीआईएसएफ को दिया गया। केस की अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा शामिल रहे। बेंच ने इस मामले में पीड़िता की पहचान उजागर होने पर चिंता जाहिर की। साथ ही केस में पुलिस जांच से लेकर आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष की भूमिका तक पर सवाल उठाए।

सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने कहा कि ये सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। हमें डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता है। बेंच ने कहा कि महिलाएं सुरक्षा से वंचित हो रही हैं।

▶10 पर

रेप पीड़िता पर

कलकत्ता हाईकोर्ट की टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नाबालिग से रेप के आरोपी की सजा बहाल कर दी। साथ ही कलकत्ता हाईकोर्ट की उस टिप्पणी को भी खारिज कर दिया, जिसमें

हाईकोर्ट ने कहा था- लड़कियां यौन इच्छाओं पर काबू रखें, दुष्कर्म के आरोपी की सजा बहाल

कहा गया था कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर काबू रखना चाहिए। वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की बेंच ने कहा- निचली अदालतों को

▶10 पर

स्कूल में बच्चियों से यौन उत्पीड़न के खिलाफ ठाणे में जबरदस्त बवाल
घटना को लेकर स्कूल ने माफी मांगी

आक्रोशित लोग सड़कों पर उतरे ट्रेनें रोकीं, स्कूल में तोड़फोड़

सीएम शिंदे ने पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने के दिए निर्देश

ठाणे, 20 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे में स्थित बदलापुर के एक स्कूल में बच्चियों के कथित यौन उत्पीड़न के मामले में जबरदस्त बवाल शुरू हो गया है। यहां भारी संख्या में लोगों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किया है। कई लोगों ने लोकल ट्रेनों को भी रोक दिया है। भीड़ ने पहले स्कूल में तोड़फोड़ की, उसके बाद बदलापुर रेलवे स्टेशन पर ट्रेनें रोकीं। पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए आंसू गैस के गोले दागे, जिसके बाद लोगों ने पथराव शुरू कर दिया। घटना में कई लोग घायल हुए हैं।वहीं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पुलिस को निर्देश दिया है कि ठाणे जिले के बदलापुर में एक स्कूल में दो छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले में गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास का मामला दर्ज किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मामले की जांच तेजी से की जाएगी और एक विशेष सरकारी वकील नियुक्त की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, मैंने ठाणे के पुलिस आयुक्त से बात की है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मैंने मामले की जांच तेजी से करने और आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म के प्रयास और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज करने को कहा है।

सीएम शिंदे ने अभिभावकों से संयम बरतने की अपील की, क्योंकि रेल नाकेबंदी से लोकल ट्रेनों का संचालन बाधित हो रहा है। ठाणे जिले के संरक्षक मंत्री शंभुराज देसाई ने इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ठाणे जिला कलेक्टर से मामले की जांच करने को कहा है। दो जांच की जाएंगी - एक शिक्षा विभाग द्वारा और दूसरी क्षेत्रीय पुलिस उपायुक्त द्वारा, ताकि यह पता लगाया जा सके कि अभिभावकों द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार अपराध दर्ज करने में देरी क्यों हुई।

बताया गया है कि इस घटना के सामने आने के बाद स्कूल के प्रबंधन ने प्रिंसिपल और स्टाफ के दो और सदस्यों को निलंबित कर दिया।

▶10 पर

सीरम इंस्टीट्यूट ने मंकीपॉक्स वैक्सीन बनाने का किया ऐलान

हम एक वैक्सीन विकसित कर रहे हैं उम्मीद है कि एक साल के अंदर इसे बना लेंगे : अदार पूनावाला

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। कोरोना वैक्सीन कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ने मंकीपॉक्स वैक्सीन बनाने का ऐलान किया है। कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला ने बताया- मंकीपॉक्स के ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित होने के बाद लाखों लोगों की मदद करने के लिए हम एक वैक्सीन विकसित कर रहे हैं। उम्मीद है कि एक साल के अंदर हम इसे बना लेंगे।

केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को मंकीपॉक्स के बढ़ते मामलों के बीच देश के सभी पोर्ट और एयरपोर्ट के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश बॉर्डर पर अलर्ट जारी किया था। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अधिकारियों को बाहर से आने वाले यात्रियों में मंकीपॉक्स के लक्षणों को लेकर सतर्क रहने के लिए कहा है। फिलहाल भारत में अभी मंकीपॉक्स से कोई संक्रमित नहीं है। आखिरी मामला मार्च 2024 में सामने आया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 19 अगस्त को दिल्ली में केंद्र के तीन बड़े अस्पतालों- राम मनोहर लोहिया, सफदरजंग और लेडी हार्डिंग में नोडल सेंटर्स बनाए हैं। इन अस्पतालों में मंकीपॉक्स के मरीजों के इलाज और देखभाल के लिए आइसोलेशन वार्ड बनाए गए हैं।

केंद्र ने सभी राज्य सरकारों को उनके राज्य के अस्पतालों में मंकीपॉक्स के मरीजों के लिए जरूरी व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक के आकलन के मुताबिक, मंकीपॉक्स के बड़े पैमाने पर फैलने का खतरा कम है। इसे शॉर्ट में एमपॉक्स कहते हैं। भारत में 2022 के बाद अब तक मंकीपॉक्स के 30 मामले सामने आए हैं। आखिरी मामला मार्च 2024 में सामने आया था। भारत में मंकीपॉक्स की जांच के लिए 32 लेबोरेटरी हैं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, 2022 के बाद से वैश्विक स्तर पर 116 देशों में मंकीपॉक्स के 99,176 मामले और 208 मौतें दर्ज की गई हैं। इस साल अब तक 15,600 से अधिक मामले और 537 मौतें दर्ज की गई हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 14 अगस्त को मंकीपॉक्स को ग्लोबल पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया था। यह 2 साल में दूसरी बार है, जब इस बीमारी को हेल्थ इमरजेंसी बताया गया है।

▶10 पर

100 से ज्यादा छात्राओं के साथ दुष्कर्म का मामला, 32 साल बाद मिला इंसाफ

अजमेर ब्लैकमेल कांड में शेष छह आरोपियों को उम्र कैद की सजा

अजमेर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। देश के बहुचर्चित अजमेर ब्लैकमेल कांड पर मंगलवार को विशेष न्यायालय कोर्ट संख्या-2 ने अपना फैसला सुनाया है। आज से करीब 32 साल पहले 1992 में हुए इस मामले से राजस्थान के साथ देश भी कांप उठा था और तत्कालीन सरकार हिल गई थी। कोर्ट ने इस मामले के बचे हुए छह आरोपियों को लेकर आज अपना फैसला सुनाया, जिसमें छह आरोपियों को दोषी मानते हुए धारा- 376, 376 डी और 120 बी के तहत 208 पेज के फैसले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। इसमें एक आरोपी की तबियत खराब होने के चलते उसे एंबुलेंस में लाया गया था। वहीं, इससे पूर्व कोर्ट में बड़ी संख्या में पुलिस का जाब्ता मौजूद रहा और आरोपियों के दोषी साबित होते ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हालांकि, कोर्ट ने अपना फैसला दो बजे के बाद सुनाया। राजस्थान के अजमेर जिले में साल 1992 में स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं की नग्न तस्वीरें खींचकर उनको ब्लैकमेल करने के मामले में

▶10 पर

केंद्र सरकार ने उच्च पदों पर लैटरल नियुक्ति की प्रक्रिया की निरस्त

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। केन्द्र सरकार ने शासन में कुछ उच्च पदों पर अधिकारियों की सीधी (लैटरल) नियुक्ति की पिछले सप्ताह घोषित प्रक्रिया को रद्द करने के लिये संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) से आग्रह किया है। केन्द्रीय कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के मंत्री जितेन्द्र सिंह ने यूपीएससी के अध्यक्ष प्रीती सूदन को पत्र लिखा है। केंद्र सरकार के पत्र के बाद सचिव हमशा रविशंकर ने यूपीएससी की तरफ से विज्ञापन को निरस्त करने की सूचना जारी की। उन्होंने साफ किया कि 45 पदों पर लेटरल भर्ती के लिए निकाले गए विज्ञापन संख्या 54/2024 को निरस्त करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों से मिले अनुरोध पत्र के आधार पर 17 अगस्त को जारी विज्ञापन को रद्द किया जाता है।

डॉ. सिंह ने अपने पत्र में लिखा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृढ़ मत है कि लैटरल नियुक्तियों की प्रक्रिया निश्चित रूप से संविधान, विशेष रूप से संविधान में आरक्षण के विषय में समानता और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के

▶10 पर

जम्मू-कश्मीर में विस चुनाव के पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी

श्रीनगर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत चुनाव आयोग ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए अधिसूचना जारी की। अधिसूचना के मुताबिक अनंतनाग, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम, डोडा, रामबन और किश्तवाड़ जिलों में कुल 24 विधानसभा क्षेत्रों में पहले चरण में मतदान होगा। कश्मीर संभाग में 16 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं जिनमें पंपोर, त्राल, पुलवामा, राजपोरा, जैनापोरा शोपियां, डी.एच. पोरा, कुलगाम, देवसर, डूरू, कोकरनाग (एसटी), अनंतनाग पश्चिम, अनंतनाग, श्रीगुफवारा-बिजबेहरा, शांगस- अनंतनाग पूर्व और पहलगाम तथा जम्मू संभाग में इंद्रवाल, किश्तवाड़, पद्दर, नागसेनी, भद्रवाह, डोडा, डोडा पश्चिम, रामबन और बनिहाल विधानसभा क्षेत्रों में

▶10 पर

दिल्ली में एंबिएंस, चाणक्य समेत कई शॉपिंग मॉल को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न शॉपिंग मॉल को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिला है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, चाणक्य मॉल, सेलेक्ट सिटीवॉक, एंबिएंस मॉल, डीएलएफ, सिने पोलिस, पैसिफिक मॉल, प्राइमस हॉस्पिटल और यूनिटी ग्रुप को धमकी भरा मेल मिला। जिसमें कहा गया, कुछ घंटों में विस्फोटक फट जाएगा।

दिल्ली पुलिस ने कहा कि मेल के संज्ञान में आते ही मॉल अधिकारियों ने दिल्ली पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलने के तुरंत बाद दिल्ली पुलिस ने जांच शुरू की। मौके पर बम निरोधक दस्ता और दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं। समाचार लिखे जाने तक कोई बम नहीं मिला है। गत 12 मई को इसी तरह कोर्ट ग्रुप नामक आरोपियों ने दिल्ली के कई बड़े अस्पतालों को इसी तरह ईमेल कर धमकी दी थी।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,280/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 87,525/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 29°

न्यूनतम : 21°

विकसित राष्ट्र के लिए खनिज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना जरूरी : मुर्मू

श्रीमती मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2023 प्रदान किए

राष्ट्रपति ने कोलकाता में राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की स्थापना पर जताई खुशी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए खनिज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है। श्रीमती मुर्मू ने यहां राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2023 प्रदान किए।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए खनिज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि सरकार राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा रिपोजिटरी पोर्टल के माध्यम से भूवैज्ञानिक डेटा के एकीकरण, खनिज संसाधनों की खोज और खनन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग जैसे कई कदम उठा रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ये कदम हमें प्राकृतिक संपदा को बेहतर ढंग से समझने और उसका उचित उपयोग करने में सक्षम बनाएंगे।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि सतत विकास की ओर बढ़ते हुए भारत नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने के प्रयास इसी लक्ष्य के अनुरूप हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरित परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण खनिजों और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों जैसे खनिजों पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन की स्थापना से भारत को आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक विकास तथा हरित क्रांति के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों की मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रपति ने कोलकाता में राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की स्थापना पर खुशी जतायी जो सभी भूस्खलन-संभावित राज्यों के लिए प्रारंभिक चेतावनी बुलेटिन जारी करेगा। उन्होंने इस प्रणाली को इतना फुलप्रूफ और सटीक बनाने पर जोर दिया कि भूस्खलन और बाढ़ जैसी आपदाओं से कम से कम नुकसान हो।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि भारत का भूवैज्ञानिक इतिहास इसकी चट्टानों, मैदानों, जीवाश्मों और समुद्री तलों में दर्ज है और इसे भूवैज्ञानिक विरासत कह सकते हैं।

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

विधि विधान के साथ हुआ जाप कमरे का उद्घाटन

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मास विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी की पावन प्रेरणा और सानिध्य में मंगलवार सुबह प्रवचन के पश्चात वज्ररत्न सागरजी ने जप कमरे के बारे में सम्पूर्ण जानकारी देते हुए विधि विधान के साथ जाप कमरे का विधिवत उद्घाटन करवाया। इस अवसर पर राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना, संघ के ट्रस्टी निर्भयलाल हुंडिया, गौतमचंद कवाड़, धीरज बाफना, निर्मल पारेख, विनोद फोलामुथा, राजेश श्रीश्रीमाल, राजेंद्र कोठारी, बाबूलाल खिवेंसरा, महेंद्र बंदा समेत संघ के सदस्य उपस्थित थे।

संयम जीवन के विशुद्ध धारक थे गुरुदेव राजेन्द्रसूरीश्वरजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री आदिनाथ जैन श्वे.संघ चिकपेट के तत्वावधान में श्री संभवनाथ जैन मंदिर वी.वी.पूरम (दादावाडी) के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित श्री हेमेन्द्र सुरीश्वरजी के समुदायवर्तिनी व गच्छाधिपति श्री जयानंद सूरीश्वरजी के आज्ञानुवर्तिनी, सेवाभावी श्री संघवण श्री जी की सुशिष्या विदुषी श्री मणिप्रभा श्री जी की निश्रा में चातुर्मास दरम्यान दीक्षित होने वाले आहोर रत्न गच्छाधिपति श्री जयानंद सूरीश्वरजी का आलंबन लेकर

बेंगलूरु नगर में प्रथम बार राजेन्द्र कोष निर्माता, विश्वपूज्य श्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी के जीवन प्रसंग विरल विभूति की जीवन यात्रा का आयोजन किया गया। सूरत से पधारे निमेश सवानी ने सभी को गुरुदेव मय बना दिया। अक्षत संघवी ने संगीत के माध्यम से गुरु गीतों में सभी को मग्न कर दिया। गुरुदेव श्री विकट परिस्थितियों में भी विचलित नही हुए और न ही संयम जीवन से समझौता किया। निर्मल संयम जीवन के पालक गुरुदेव को उस समय राजा-महाराजाओं से छड़ी, चामर, पालखी आदि अनेक राजचिह्न प्राप्त होने के बावजूद वे हमेशा शांत रहें। गुरुदेव विशुद्ध संयमी के साथ साथ अनेक प्रकार कि विद्यायों के भी पारगामी थे। उन्होंने अपने जीवन में एक ही समय एक ही मुहूर्त में आहोर नगर में 900 जिनबिम्बों तो भीनमाल नगर में भी अनेक जिनबिम्बों की अंजनशलाका करवायी थी।

साधु साध्वीवृंद के दर्शन वंदन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राजाजीनगर संघ के सदस्यों द्वारा सात दिवसीय गुरु दर्शन यात्रा में सूरत में विराजित आचार्य डॉ शिवमुनि, दिल्ली में विराजित उपाध्याय रविंद्रमुनि, उपाध्याय रमेशमुनि, उपाध्याय राजेंद्रमुनि, उत्तर भारतीय प्रवर्तक सुभद्रमुनि, सोजत में विराजित प्रवर्तक सुकनमुनि, भीम में विराजित उप प्रवर्तक विनयमुनि एवं गौतममुनि गुणाकर, रानीया में विराजित सलाहकार दिनेशमुनि, शर्दूलगढ़ में विराजित सुमतिमुनि एवं तप सिद्ध योगिनी साध्वी सुमित्रा, मुंबई में विराजित साध्वी कुमुदलता, उदयपुर में विराजित साध्वी संयमलता, साध्वी उमरावकंवर, सूरत में विराजित साध्वी इन्दुप्रभा, साध्वी मनीषा व अन्य साधु साध्वीवृन्द के दर्शन का लाभ लिया। इस अवसर पर राजाजीनगर संघ से महामंत्री नेमीचंद दलाल, पूर्व उपाध्यक्ष शांतिलाल चाणोदिया, किशोरकुमार दलाल, पूर्व मंत्री ज्ञानचंद लोढ़ा व अन्य उपस्थित रहे।

समभाव की साधना ही सामायिक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हनुमंतनगर स्थित मरुधर केसरी दरबार में धर्मसभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को सम्बोधित करते हुए साध्वी स्नेह प्रभा जी ने गतिमान सप्त दिवसीय कार्यक्रम के तहत मंगलवार को सामायिक दिवस पर सामायिक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समभाव की साधना ही सामायिक हैं। सच्चा साधक वही है जो लाभ या हानि, और सुख या दुःख सभी परिस्थितियों में समभाव की साधना करता है। समभाव ही सामायिक है। अतः जो भी कषाययुक्त है उनकी सामायिक विशुद्ध नहीं है।

समभाव से ही शांति का उद्धव होता है। समत्व की साधना का विकास करने वाला ही आत्म उत्थान के मार्ग पर अग्रसर हो सकता है। जब तक हम प्रतिकूल व्यवहार को नहीं भूलते हैं, तब तक समता की साधना का विकास असंभव है।

उन्होंने कहा कि प्रतिकूल व्यवहार को भूलना भोलापन या मूर्खता नहीं है, बल्कि धार्मिकता की निशानी है।

जब हम दूसरों के मनोभावों से प्रभावित होकर अपने मनोभाव को व्यक्त नहीं करेंगे तब ही ह्रदय में समस्त भाव समता भाव प्रकट होगा। तब ही साधक को सच्चे आत्मिक शांति की प्राप्ति होगी। जितनी भी आत्माएं मोक्ष में गयी हैं और जायेगी वो सब सामायिक, समभाव के कारण ही संभव हैं। श्रावक के बारह व्रतों में भी सामायिक नौंवा व्रत प्रमुख है। इस व्रत में ही शेष वाकी व्रत शामिल हैं और उनकी प्रधानता हैं।

प्रजापति समाज कॉटनपेट श्रीयादेवी मन्दिर में नारायणलाल का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
प्रजापति समाज कॉटनपेट श्रीयादेवी मन्दिर में मारवाड़ से पधारे समाज सेवी

नारायण लाल प्रजापति का समाज की ओर से सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में मदनलाल कपुरपरा, जीवाराम घोडेला, नाथुराम बाबरिया, हीरालाल कवाडिया, डायाराम बेरा, श्रवण कुमार साचोरा, आनंदा राम रावरिया, मदनलाल रावरिया, राजुराम बेतेडिया, कुनाराम सारडीवाल ने नारायणलाल का माला साफा पहनाकर सम्मान किया। सभा को संबोधित करते हुए नारायण लाल ने कहा कि समाज में एकता की बात पर चर्चा हुई, जो मारवाड़ में माटी

कला बोर्ड का हक प्रजापति को नही मिल रहा है, यह विरोध अभी शुरू हुआ हैं। इसको लेकर हमे संघर्ष करना होगा और राजस्थान सरकार को ज्ञापन सौंपना होगा।

उन्होंने कहा कि आगामी प्रदर्शन दिल्ली से लेकर जयपुर तक करना है। इसके लिए प्रजापति समाज के तमाम सभी भाईयों को एकजुट होना चाहिए। इस मौके पर मांगीलाल बेतेडिया, ओम प्रकाश गाढुणीया, धेवर राम रेडवाल, मगाराम कवाडीया, सुरेन्द्र प्रकाश मेहराणिया उपस्थित रहे। समाज की सेवा भावी डॉ. प्रमिला ने समाज भवन में एक्युप्रेशर शिविर लगाया। शिविर में काफी लोगों का इलाज किया गया।

श्रावण पुनम मेला में भक्तों का तांता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अरसीकेरे क्षेत्र के निकटतम जाजुर स्थित दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ मध्ये निर्माणाधीन पार्श्व भैरव धाम में श्रावण पुनम मेला में भक्तों का तांता लगा रहा।

सुबह से ही कुंभ स्थापना के पश्चात आयोजित राखी पुनम के लाभार्थी बेंगलूरु के हुक्मीचंद, नितेश कुमार राठोड़ परिवार ने रेल यात्रा द्वारा संघ का आयोजन कर धाम पहुंचकर पूरे दिन बड़े ही हर्षोल्लास से तुषार गुरु द्वारा पढाई पुजन का लाभ लिया। बेंगलूरु के प्रख्यात जैन संगीतकार सुर सम्राट दिलखुश बाफणा के साथ रिंकु बाफणा एवं कुमारपाल कवाड ने भक्तों को भक्ति गीतों से नाचने पर मजबूर किया।

इस अवसर पर विकास पारेख, राजेश बंदामुथा, सुरेश लुंकड, विजयराज विनायकिया, महावीर पीपाडा, रमेश लुंकड, विनोद मुणोत सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। आरती के पश्चात ट्रस्ट अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने मेला लाभार्थी परिवार का स्वागत किया।

विमल कटारिया को किया सम्मानित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के अभूतपूर्व अध्यक्ष और परामर्शक विमल कटारिया के लिए गुरुदेव आचार्य श्री महाश्रमण जी के आशीर्वाद से अभातेयुप के सर्वोच्च अलंकरण युवा गौरव की घोषणा होने के बाद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन माण्डोत के नेतृत्व और प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरणा की उपस्थिति में अभातेयुप बेंगलूरु परिवार और तेयुप एचबीएसटी द्वारा उनको सम्मानित किया गया। विमल ने विजयनगर परिषद में एक कार्यकर्ता के रूप में जुड़ कर परिषद अध्यक्ष के दायित्व का निर्वहन करते हुए कई कीर्तिमान स्थापित किये और देश कि प्रथम एटीडीसी की स्थापना की। उन्होंने राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, महामंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में निःस्वार्थ सेवाए प्रदान की।

22 अगस्त को आचार्य महाश्रमण जी के पावन सानिध्य में सूरत चातुर्मास में विमल कटारिया युवा गौरव अलंकरण से अलंकृत होंगे। इस अवसर पर अभातेयुप परिवार एचबीएसटी के अध्यक्ष कमलेश झाबक और उनका प्रबंध मण्डल उपस्थित रहा।

ऊंचा वह जिसके गुण अच्छे: राजेशमुनि जी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में प्रवचन में राजेश मुनि जी ने फरमाया कि यदि किसी को रूप का मद आ जाता है तो उसे कई भवों तक ऐसे रूप की प्राप्ति नहीं होती। भगवान महावीर को भी पिछले जन्मों में कुल का मद आ गया था तो उन्हें नीचे कुल में जन्म लेना पड़ा और सजा भुगतनी पड़ी। मुनि ने फरमाया कि जैन धर्म जात पांत को नहीं मानता और किसी की जाति जन्म से नहीं, बल्कि कर्म से तय होती है।

जिसमें अच्छे गुण हैं वह ऊंचा और जो गुणों से हीन है वही नीचा है। इन्हीं कषायों के कारण हम आत्मगुणों का सर्वनाश कर रहे हैं। अपने जीवन को परमार्थ से जोड़कर, अहिंसा को अपना कर, सभी प्राणियों को अपने समान समझकर और नैतिकता को अपनाकर हम इन कषायों को पतला अवश्य ही कर सकते हैं। सदगुरु के सानिध्य में पूर्ण विश्वास और श्रद्धा के साथ हमें सच्ची शिक्षा मिलती है और उसी से हमें सही राह मिलती है और हमारा जीवन संवरता है। सभा का संचालन संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने किया।

महासभा के पदाधिकारी का सम्मान

होसुर/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सीरवी समाज होसुर बडेर में होसुर बडेर की तरफ से महासभा के लिए मनोनीत सदस्य का सीरवी समाज महासभा कर्नाटक संस्था में उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने के उपलक्ष में स्वागत समारोह आयोजित किया गया। थानाराम गहलोत के स्वागत समारोह में अध्यक्ष बाबुलाल बर्फा, सचिव भुंडाराम सैणचा, सह सचिव उमाराम सैणचा, कोषाध्यक्ष भरतलाल बर्फा, तिलोकचंद परिहारिया, रुपाराम सैणचा, तुलसाराम चावंडिया, मगाराम सैणचा, हेमाराम गहलोत, हकाराम सोलंकी सहित समाज के अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। समारोह का शुभारंभ मां आईजी के जयकारे से हुआ। समारोह की जानकारी लक्ष्मणराम परिहारिया ने दी।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारुति मेडिकल द्वारा संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत मागड़ी रोड स्थित गुरुकुल शिक्षण संस्थान के बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस मौके पर महेंद्र मुणोत समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बच्चों में नोटबुक्स का वितरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद् राजराजेश्वरी नगर ने अपने सामाजिक दायित्व का निर्वाहन करते हुए एनके डूडी सरकारी प्राइमरी स्कूल रामनगर में पढ़ रहे बच्चों में हनुमानमल, संजय कुमार, मनोज कुमार बैद परिवार नोखा बेंगलूरु के सहयोग से नोट बुक्स का वितरण किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सामूहिक नमस्कार महामंत्र के संगान के साथ हुआ। परिषद अध्यक्ष बिकाश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि स्कूल में पढ़ रहे बच्चों के पास नोट बुक्स की कमी थी, जिसे हमने प्रायोजक परिवार के सहयोग से उपलब्ध करवाया। स्कूल प्राध्यापक ने बुक्स उपलब्ध करवाने के लिए तेयुप आर आर नगर का धन्यवाद व्यक्त किया। इस अवसर पर परिषद् से निवर्तमान अध्यक्ष विकाश छाजेड़, कार्यसमिति सदस्य समिक दुगड़, ने अपने समय का विसर्जन कर सेवा कार्य में सहयोग किया।

सिद्धरामैया मुख्यमंत्री बने रहेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री का समर्थन करते हुए कहा कि वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायालय पर भरोसा है। हम न्यायालय का सम्मान करते हैं। हम इस देश के कानून का सम्मान करते हैं। उच्च न्यायालय हमें राहत देगा। मुख्यमंत्री ने कुछ भी गलत नहीं किया है। अभियोजन की कोई आवश्यकता नहीं है। जांच की जाएगी। सभी कागजात वहां (उच्च न्यायालय) जमा किए जाएं। सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की भाजपा की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा इस्तीफा देने का कोई सवाल ही नहीं है। वह मुख्यमंत्री बने रहेंगे और राज्य और देश के हित में काम करेंगे। इसी बीच पूज्य दोदप्पा अप्पा इंजीनियरिंग कॉलेज, कलबुर्गी ने सभागार में राजीव गांधी

पंचायत राज फेलोशिप कार्यक्रम के तहत लाभार्थियों को विभिन्न सुविधाएं वितरित कीं। इस अवसर पर शिवकुमार के साथ मंत्री प्रियांक खड़गे, सांसद राधाकृष्ण दोड्डामणि और कई अन्य उपस्थित थे। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सोमवार को संबंधित ट्रायल कोर्ट से कहा कि वह मुडा घोटाले में राज्यपाल की मंजूरी के आधार पर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ उच्च न्यायालय के समक्ष सुनवाई की अगली तारीख तक कोई जल्दबाजी में कार्रवाई न करे। न्यायमूर्ति एम. नागप्रसन्ना की पीठ ने सिद्धरामैया द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 29 अगस्त को तय की है। याचिका में मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूमि आवंटन घोटाले में राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी को चुनौती दी गई है। सिद्धरामैया की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि राज्यपाल ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी दिए जाने का एक भी कारण नहीं बताया। सिंघवी ने कहा कि राज्यपाल ऐसे मामलों में कैबिनेट के फैसले से बंधे होते हैं। हालांकि, उन्होंने मामले की खूबियों पर विचार किए बिना दो पन्नों के छोटे आदेश में मंजूरी जारी कर दी।

सामायिक आराधना करने वालों का पुण्य का उदय संभव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश बाग में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने आवश्यक सूत्र की विवेचना करते हुए कहा कि सामायिक आराधना भले दो घड़ी की होती है, इसको करने बालों के महापुण्य का उदय तथा पुनः नया पुण्योपार्जन के साथ साथ दुर्भाग्य का क्षयीकरण होता है। तीर्थकरों ने सामायिक व्रत यावत् जीवन धारण कर संसार के लिए आदर्श स्थापित किया है। सामायिक व्रत क्या है। इसकी बड़ी महिमा जैनाचार्य क्यों करते है? किसी भी प्राणी को मन, वचन और काया से दुःख नहीं देना। पूर्ण सत्य बोलना असत्य त्याग देना। चोरी- अब्रह्मचर्य का त्याग करना चाहिए। क्रोध-मान-माया-लोभ-मोह-कलह-अभ्याख्यान पर निंदा अनेकों दोषों को दो घड़ी के लिए छोडकर ध्यान मौन- सत्संग श्रवण-धर्मकथा जाप आदि में प्रभु स्मरण करते हुए एक स्थान में रहकर, बैठकर धर्म आराधना में चित्त को जोड़े रखने वाला परम पवित्र अनुष्ठान है। सामायिक आराधना के अन्य नाम शास्त्रों में दिए गए है। इस मौके पर चेन्नई से नारायण सिंह राठोड, वडपलनी से श्रीपाल भंडारी, ललित-भरत-वसंताबाई-शैला बाई मूथा, दिलीप खारीवाल, ऊटी से सविताबाई-वसंताबाई कटारिया, शोभा अपार्टमेंट से ताराबाई बांठिया चिदम्बरम से इन्दिराबाई मरलेचा, बिन्नी मिल रोड चंचल बाई देवडा आदि उपस्थित थे। महामंत्री संपतराज मांडोत ने आभार व्यक्त किया।

एसआईटी ने राज्यपाल से कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल करने का किया अनुरोध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए राज्यपाल द्वारा अभियोजन की अनुमति दिए जाने के बाद केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी बड़े खतरे में हैं।

एचडी कुमारस्वामी पर पहले मुख्यमंत्री रहते हुए बेल्लारी जिले के संदूर में खनन के लिए साई वेंकटेश्वर मिनरल्स नामक बंद हो चुकी कंपनी को अवैध रूप से जमीन देने का आरोप है। लोकायुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी), जिसने अब अपनी जांच पूरी कर ली है, ने कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के लिए राज्यपाल को एक प्रस्ताव सौंपा है। आरोप था कि राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उस प्रस्ताव को अनुमति नहीं दी, जिसमें पहले कुमारस्वामी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल से अनुरोध किया गया था। अब एसआईटी ने दस्तावेजों के साथ पत्र लिखकर कुमारस्वामी के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के लिए राज्यपाल की सहमति मांगी है, जो कि एक नया

घटनाक्रम है। कर्नाटक लोकायुक्त की विशेष जांच टीम (एसआईटी) के एडीजीपी चंद्रशेखर ने राज्यपाल को व्यक्तिगत पत्र लिखकर एचडी कुमारस्वामी पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी है। 21 नवंबर 2023 को अनुमति मांगी गई थी। लेकिन राज्यपाल की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। कुमारस्वामी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में केंद्रीय इस्पात और भारी उद्योग मंत्री हैं। 6.10.2007 को श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स नामक एक निष्क्रिय कंपनी को खनन के लिए 550 एकड़ जमीन अवैध रूप से पट्टे पर देने का आरोप है, जब एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे। पट्टा प्रदान करते समय खनिज रियायत नियमों के नियम 59(2) को मंजूरी दी गई थी। यह आरोप लगाया गया है कि एचडी कुमारस्वामी ने उलानसी वाणिज्य और उद्योग और खान और भूविज्ञान विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर विनोद गोयल को संदूर तालुक के एनईबी रेंज में 550 एकड़ जमीन आवंटित की है, जिन्होंने एमसीआर नियमों के तहत गलत दस्तावेज बनाया था। एसआईटी अधिकारियों ने इस मामले में विनोद गोयल को पहला आरोपी बनाया है। दूसरा आरोपी एचडी कुमारस्वामी को बनाया गया है। पता चला है कि तीसरे और चौथे आरोपी के तौर पर वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के उपनिदेशक के जयचंद्र और खान एवं पृथ्वी विज्ञान विभाग के प्रथम श्रेणी सहायक बी टी जवारे गौड़ा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इस अवैधानिकता को लेकर एफआईआर दर्ज की गई और लोकायुक्त की एसआईटी ने जांच की। जांच के बाद लोकायुक्त को यकीन हो गया कि कुमारस्वामी दोषी हैं और आरोप पत्र दाखिल किया गया। बताया जाता है कि बाद में लोकायुक्त एडीजीपी ने राज्यपाल से मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। एसआईटी को पता चला कि लोकायुक्त ने जिस मामले में कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने की इजाजत मांगी थी, उससे फायदा उठाने वाली कंपनी फर्जी थी। श्री साई वेंकटेश्वर मिनरल्स लिमिटेड नामक कंपनी पर एचडी कुमारस्वामी को अवैध रूप से मदद करने का आरोप लगाया गया है। इसके मालिक होने का दावा करते हुए सोमनाथ.वी सकारे नामक व्यक्ति ने 2004 में खान विभाग में आवेदन किया था। उन्होंने संदूर तालुक के उक्त क्षेत्र में 550 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आवेदन किया था क्योंकि उनकी कंपनी खनन और इस्पात उत्पादन में शामिल थी। खनन घोटाले की जांच करने वाले लोकायुक्त ने अपनी रिपोर्ट में इन बिंदुओं का विस्तार से जिक्र किया है। भ्रष्टाचार नियंत्रण अधिनियम 1988 में 2018 में संशोधन किया गया था। तब तक, निर्वाचित प्रतिनिधियों या पद छोड़ने वाले सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप दायर करने के लिए किसी पूर्व मंजूरी की आवश्यकता नहीं थी। 2018 के संशोधन के अनुसार, संशोधन के बाद अदालत में आरोप पत्र प्रस्तुत करने के लिए सक्षम प्राधिकारी की अनुमति आवश्यक है, भले ही अपराध पहले ही किया जा चुका हो। इसी वजह से प्रस्ताव राज्यपाल को सौंपा गया है।

राज्यपाल को धमकी देने के आरोप में जमीर अहमद की हो गिरफ्तारी: मंजूनाथ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सीमेंट मंजूनाथ ने कहा कि मंत्री जमीर अहमद ने राज्यपाल को धमकी देने का काम किया है, जो कि सख्ती से निंदनीय है। उन्होंने मंगलवार को उप्पारापेट पुलिस स्टेशन का दौरा करने और शिकायत दर्ज कराने के दौरान मीडिया से बात की। उन्होंने कहा राज्यपाल का पद एक संवैधानिक पद है। उन्होंने 3 लोगों की शिकायत के आधार पर कानूनी विशेषज्ञों की सलाह लेने के बाद जांच की अनुमति दे दी। जिसके बाद कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल के पोस्टर पर तमाचा मारा। ऐसे में मैं जानना चाहता हूं कि क्या वह संविधान का सम्मान करते हैं। विधान परिषद सदस्य प्रतापसिम्हा नाइक ने आपत्ति जताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं के बयानों पर नजर डालें तो वे अराजकता फैलाने के मूड में नजर आ रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद ने भी कुछ ऐसा ही बयान दिया था। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अब कर्नाटक में सभी कांग्रेस नेता एक जैसी बातें कर रहे हैं।

हताश कांग्रेस पार्टी ऐसे बयान दे रही है। रक्षित शिवराम और इवान डिसूजा दोनों वकील हैं। वे आम लोग नहीं हैं। उन्होंने अपने शब्दों से जनता को विद्रोह के लिए उकसाने का काम किया। उन्होंने कहा कि मेंगलूरु में एक बस पर पथराव से एक आम महिला घायल हो गयी, जो कि सख्ती से निंदनीय है।

फुटबॉल मैच के दौरान हुए विवाद के बाद

छात्रों का अपहरण कर मारपीट करने के आरोप में दो गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर की पुलिस ने मेंगलूरु के नेहरू मैदान फुटबॉल मैदान में फुटबॉल मैच के दौरान हुए विवाद के बाद छात्रों के अपहरण और मारपीट के मामले में दो छात्रों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए छात्रों का नाम दियान और सलमान है। शहर के पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने बताया कि सोमवार को शहर में छात्रों के दो समूहों के बीच अपहरण और मारपीट की घटना की सूचना मिली थी।

14 अगस्त को दो निजी कॉलेजों के बीच फुटबॉल मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच कहासुनी हो गई थी।

बाद में इस विवाद के कारण इस सप्ताह छात्रों के अपहरण और मारपीट की घटना हुई। घटना के बारे में बताते हुए आयुक्त ने कहा कि सोमवार को शाम करीब 6.15 बजे पांडेश्वर के एक मॉल के पास शिकायतकर्ता, जो 17 वर्षीय नाबालिग लड़का है और फुटबॉल मैच जीतने वाले एक निजी कॉलेज का छात्र है, को कथित तौर पर 18-19 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के एक समूह ने उठा लिया, जिनकी पहचान दियान, तस्लीम, सलमान और लगभग 17 वर्ष की आयु के दो अन्य नाबालिगों के रूप में हुई। संदिग्धों ने पीड़ित और उसके दोस्तों, जिनमें दो अन्य नाबालिग छात्र (उसी कॉलेज के छात्र जिसने मैच जीता था) को जबरन कार में बिठाया और बाद में हाथ-पैरों से उन पर हमला किया। पीड़ितों को कथित तौर पर महाकालीपाडपु और महाकाली पाडपु मस्जिद के पास सहित विभिन्न स्थानों पर ले जाया गया, जहाँ उनके साथ और मारपीट की गई।

उन्होंने जाने से पहले मारपीट और पीड़ितों का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। संदिग्धों में से, दियान और एक अन्य नाबालिग की पहचान फुटबॉल मैच हारने वाले कॉलेज के छात्रों के रूप में की गई थी और एक अन्य लड़का कुछ अन्य व्यक्तियों के अलावा एक निजी ट्यूटोरियल से था। पीड़ितों को इलाज के लिए वेनलॉक अस्पताल ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर है। शिकायत के आधार पर, मेंगलूरु दक्षिण पुलिस स्टेशन में विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और बाकी संदिग्धों को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

भाजपा मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगा रही: सिद्धरामैया

राजीव गांधी और देवराज अरसु की जयंती मनाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा मेरे खिलाफ झूठे आरोप लगा रही है क्योंकि हम जनहितैषी हैं। पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अरसु की जयंती पर उनके चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद बोलते हुए, उन्होंने दोनों नेताओं के योगदान को याद किया। भाजपा और जद(एस) पार्टियां गरीबों की विरोधी हैं। हम समानता के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने चिल्लाकर कहा कि वे मेरे खिलाफ साजिश रच रहे हैं क्योंकि हमने गारंटी योजनाएं लागू की हैं। जब राजीव गांधी प्रधान मंत्री थे, तो उन्होंने युवा पुरुषों और महिलाओं को अधिकार दिए जो देश के भविष्य को आकार देंगे। वह सामाजिक न्याय के पक्षधर थे और चाहते थे कि सभी को समान अवसर मिले। उनका सपना है कि हर कोई बिना किसी जाति, धर्म या क्षेत्रीय भेदभाव के भारतीय हो। उन्होंने कहा कि उन्होंने महिलाओं के विकास में बहुत योगदान दिया और संविधान में संशोधन करके स्थानीय निकायों में महिलाओं को राजनीतिक आरक्षण भी दिया। गरीबों, दलितों और अल्पसंख्यकों की पक्षधर भाजपा इन वर्गों की विरोधी है और उसकी सोच है कि शोषित और वंचित यथास्थिति में रहें। भाजपा मौखिक रूप से वंचितों की बात करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस क्रियाशील होकर वंचितों के लिए काम करेगी। आज देश में कनेक्टिविटी क्रांति हो रही है। इसकी वजह हैं राजीव गांधी। उन्होंने कहा कि उन्हें युवा शक्ति पर बहुत भरोसा था। राजीव गांधी केवल पांच साल के लिए प्रधान मंत्री थे। यदि वह लंबे समय तक जीवित रहते और प्रधानमंत्री बने रहते, तो महत्वपूर्ण परिवर्तन होते। उन्हें इस बात का अफसोस है कि बहुत कम उम्र में उनकी हत्या कर दी गई। देवराज अरसु को सामाजिक न्याय के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने पिछड़े वर्ग को आरक्षण दिया। उन्होंने समाज के वंचित वर्ग को शिक्षा का अधिकार दिया। वंचित समुदायों को विधानसभा चुनावों में खड़े होने की अनुमति दी। पूर्व सांसद वीएस उगरप्पा ने कहा कि पिछले दिनों भाजपा ने 2-जी घोटाले को बड़ा बताकर दुष्प्रचार किया था। अब 5-जी की नीलामी से तय राजस्व नहीं मिला है। भाजपा कार्यकाल में कई घोटाले हुए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वह इसे छुपाने के लिए हमारे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पर अनावश्यक आरोप लगा रहे हैं। विधान परिषद सरकार के मुख्य सचेतक सलीम अहमद ने कहा कि राजीव गांधी की तरह राहुल गांधी को भी श्रमिकों के हित की चिंता है। उन्होंने विश्वास जताया कि एक दिन राहुल गांधी इस देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। इस मौके पर मंत्री ईश्वर खंड्रे, केजे जॉर्ज, केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और अन्य उपस्थित थे।

कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा के लिए तीन गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल की अनुमति की निंदा करते हुए लालबाग में एमसीसी कार्यालय के पास कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसके परिणामस्वरूप एक महिला घायल हो गई। नेताओं के भाषण समाप्त होने के बाद, कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस की मौजूदगी में सड़क पर टायरों में आग लगा दी, जिन्होंने तुरंत आग बुझा दी। कुछ कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए, जबकि अन्य ने बस पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया, जिससे एक महिला यात्री घायल हो गई। बस में करीब 10 से 15 यात्री सवार थे। घायल महिला को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। बस चालक और कंडक्टर ने बस के शीशे तोड़ने वाले कार्यकर्ताओं के प्रति अपनी निराशा व्यक्त की। कांग्रेस नेताओं द्वारा स्थिति को शांत करने के प्रयासों के बावजूद, कार्यकर्ताओं ने उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया। एक लेन में विरोध प्रदर्शन जारी रहा, जबकि सड़क के दूसरी तरफ वाहन चलते रहे। स्टेट

बैंक से जोकट्टे जा रही एक बस को कुछ कार्यकर्ताओं ने रोक लिया, जिनमें से एक ने आगे की विंडशील्ड पर पत्थर फेंका। हालाँकि पुलिस ने हस्तक्षेप किया और पत्थर फेंकने वाले को पकड़ लिया, लेकिन अन्य प्रदर्शनकारियों ने उन्हें पुलिस वैन में ले जाने से रोक दिया। घटना का एक वीडियो तब से वायरल हो गया है। पुलिस ने पत्थरबाजी की घटना के सिलसिले में शाहुल हामिद, अनवर और किशोर शेट्टी को गिरफ्तार किया है। इसमें करीब 10 से 15 लोग शामिल थे और बाकी लोगों की पहचान की जा रही है। शहर के पुलिस आयुक्त ने बताया कि घायल महिला को अस्पताल में प्राथमिक उपचार दिया गया और वह घर लौट आई। घटना के समय घटनास्थल पर एएसआरपी पुलिस की टुकड़ियाँ, दो डीएसपी, कई इंस्पेक्टर, एसआई और 200 से ज्यादा पुलिस अधिकारी मौजूद थे। लोगों ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने में विफल रहने के लिए पुलिस की आलोचना की। शहर के पुलिस आयुक्त ने पुलिस की प्रतिक्रिया का बचाव करते हुए कहा कि प्रदर्शनकारी अचानक पाँच टायर लेकर आए थे, जिनमें से तीन को जलाने से पहले ही जब्त कर लिया गया।

बाद में सोमवार रात, भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता और एमएलसी इवान डिसूजा की गिरफ्तारी की माँग करते हुए बार्के पुलिस स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया। एसीपी ने पहुँचकर उनकी शिकायत स्वीकार की। शहर के पुलिस आयुक्त ने कहा कि एमएलसी इवान डिसूजा के खिलाफ कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है, लेकिन आश्वासन दिया कि यदि कोई शिकायत दर्ज की जाती है तो उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, डीके बस मालिक संघ के अध्यक्ष अजीज पार्टिप्पाडी और मुख्य सचिव रामचंद्र पिलर ने बस पर पथराव करने और उसे नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कार सवार परिवार पर हमले का वीडियो वायरल होने के बाद बाइक सवार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सरजापुर रोड पर एक मोटरसाइकिल सवार ने बेंगलूरु में एक जोड़े पर हमला किया। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसमें आरोपी जोड़े को उनकी कार के अंदर परेशान करते और वाहन का फ्रंट ग्लास तोड़ते हुए दिखाई दे रहा है।

सिटिजन मूवमेंट नामक हैंडल द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए वीडियो में मोटरसाइकिल सवार कार को रोकते और ड्राइवर से बाहर निकलने की मांग करते हुए दिखाई दे रहा है।

जब ड्राइवर ने खिड़की खोलने से इनकार कर दिया, तो हमलावर ने वाहन को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। ड्राइवर द्वारा उन्हें जाने देने की विनती करने के बावजूद कि वह अपने परिवार के साथ था और कार के अंदर एक बच्चा भी था, आरोपी ने अपना हमला जारी रखा, आखिरकार वाइपर से कार का फ्रंट ग्लास तोड़ दिया। सुरक्षा गार्डों ने हस्तक्षेप करने की कोशिश की, लेकिन जब आसपास के लोग बीच में आए, तब हमला रुका। वीडियो में कार में बैठी महिला भी मदद के लिए चिल्लाती हुई दिखाई दी।

सिटिजन मूवमेंट ने घटना के बारे में ट्वीट किया, लोगों को सचेत किया और सहायता के लिए आह्वान किया। बाद में, उन्होंने पोस्ट को अपडेट करते हुए बताया कि आरोपी कथित तौर पर नशे में धुत बाइक सवार था, जिसने परिवार की कार को टक्कर मार दी और फिर आक्रामक तरीके से उनसे भिड़ गया, यह पूछते हुए कि उन्होंने ब्रेक क्यों लगाए थे। स्थिति तब और बिगड़ गई जब उसने कार की विंडशील्ड तोड़ दी, जिससे अंदर बैठा 7 महीने का बच्चा घायल हो गया। बेलंदूर पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार कर लिया और उस पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया। पुलिस ने निवासियों को ऐसी आपात स्थितियों में 112 पर कॉल करने की सलाह दी है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

भाजपा ने राजभवन का दुरुपयोग किया राज्यपाल को पार्टी एजेंट बनाया: शिवकुमार

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने विपक्षी भाजपा पर राजभवन का दुरुपयोग करने और राज्यपाल को पार्टी एजेंट बनाने का आरोप लगाया है। यहां मंगलवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा को राज्यपाल को कथित रूप से अपशब्द कहने और अपमानित करने के लिए कांग्रेस पार्टी की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि सामाजिक कार्यकर्ता टीजे अब्राहम की 'तुच्छ और निराधार' शिकायत के आधार पर मुडा साइट आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने का राज्यपाल थावर चंद गहलोत का फैसला शक्तियों का घोर दुरुपयोग और पूरी तरह से असंवैधानिक है।

उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने शिकायत प्राप्त होने के दिन ही मुख्यमंत्री को कारण बताओ नोटिस जारी किया और बाद में बिना कोई कारण बताए और मंत्रिपरिषद द्वारा प्रस्तुत विस्तृत सलाह की पूरी तरह से अवहेलना किए बिना मंजूरी दे दी। इसलिए कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता उचित रूप से परेशान थे और विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।

शिवकुमार ने कहा कि भाजपा ने झारखंड, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों का दुरुपयोग किया है और उन्हें राज्यपाल की ओर से बोलने का कोई अधिकार नहीं है। खनन मामले में केंद्रीय मंत्री और जेडीएस नेता के खिलाफ लोकायुक्त को अनुमति देने से राज्यपाल के इनकार के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा मैं राज्यपाल या लोकायुक्त का प्रवक्ता नहीं हूं और इसलिए इस मुद्दे पर बोलने की स्थिति में नहीं हूं।

उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि राज्यपाल लोकायुक्त मामले के आधार पर केंद्रीय मंत्री एच डी कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने की अनुमति जारी करने के बारे में क्या सोच रहे हैं। शेषाद्रिपुरम में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने वाले शिवकुमार ने कहा पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा थे। हम बीबीएमपी को हर साल राजीव गांधी की जयंती मनाने का निर्देश देंगे। उन्होंने कहा बेंगलूरु विकास मंत्री बनने के बाद मैंने जिस पहली फाइल पर हस्ताक्षर किए, वह राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने से संबंधित थी। हमने स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडूराव के अनुरोध पर शेषाद्रिपुरम में इसे स्थापित किया। इस प्रतिमा का उद्घाटन एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने किया।

उन्होंने कहा राजीव गांधी दूरदर्शी थे और मतदान की आयु 18 वर्ष करने, पंचायत राज विधेयक पारित करने, आईटी और बीटी के विकास और टेलीफोन क्रांति के लिए जिम्मेदार थे। गांधी परिवार ने देश के लिए काम किया है और देश के लिए बलिदान दिया है।

पुलिस ने यौन उत्पीड़न पीड़िता के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में नागालैंड की एक स्नातक छात्रा से जुड़े यौन उत्पीड़न मामले में एक नया मोड़ आया है। ट्रैफिक पुलिस ने उस पर शराब के नशे में गाड़ी चलाने और कई दुर्घटनाएं करने का आरोप लगाया है। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि छात्रा के खिलाफ अदुगोडी ट्रैफिक पुलिस स्टेशन में एक शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता, जो बीसीए स्नातक है, 17 अगस्त को कोरमंगला इलाके में एक पब में पार्टी करने के बाद नशे की हालत में गाड़ी चला रही थी। शराब के नशे में ठीक से गाड़ी नहीं चला पाने के कारण वह मंगला जंक्शन के पास दो ऑटो-रिक्शा और एक मोटरसाइकिल से टकरा गई। वाहनों से टकराने के बाद, वह नहीं रुकी और भाग गई। जिन ऑटो चालकों के वाहन क्षतिग्रस्त हुए थे, उन्होंने उसकी गाड़ी का पीछा किया और आखिरकार उसे रोकने में कामयाब रहे।

इसके बाद पीड़िता की ऑटो चालकों से तीखी बहस हुई। जब पुलिस का गश्ती वाहन घटनास्थल पर पहुंचा, तो उसके पुरुष मित्र ने उसे जटिलताओं से बचने के लिए वहां से भेज दिया। महिला मोटरसाइकिल पर सवार होकर घटनास्थल से भाग निकली और भागने में सफल रही। बाद में उसके दोस्त ने गुस्साए ऑटो चालकों को शांत किया और उसकी तलाश शुरू की। इस बीच, पीड़िता मोटरसाइकिल से उतर गई और दूसरे दोपहिया वाहन पर सवार हो गई। आरोपी स्कूटर सवार, 24 वर्षीय मुखेश्वरन उर्फ मुकेश, जो बेंगलूरु के अदुगोडी का निवासी है, उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसका यौन उत्पीड़न किया। पीड़िता, जो बीसीए अंतिम वर्ष की स्नातक है, वर्तमान में एक अस्पताल में इलाज करा रही है। उसने यौन उत्पीड़न का विरोध किया, जिससे आरोपी के चेहरे पर खरोंचें आ गईं। सदमे की स्थिति में, उसने अपने दोस्त को एक आपातकालीन संदेश भेजा, जिसने फिर दूसरों को सूचित किया और उसका स्थान ट्रैक किया। पीड़िता को ट्रक के पीछे नग्न अवस्था में पाया गया। उसके दोस्तों ने घटनास्थल पर एक अजनबी को देखा, लेकिन जब उन्होंने उससे पूछताछ करने की कोशिश की, तो वह भाग गया। इसके बाद उन्होंने उसे बोम्मासंद्रा के एक अस्पताल में भर्ती कराया। प्रारंभिक जांच में पुष्टि हुई है कि पीड़िता नशे की हालत में थी। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए पांच टीमें बनाई हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि वे पीड़िता से हिट-एंड-रन मामले के बारे में तभी पूछताछ करेंगे, जब वह पूरी तरह से ठीक हो जाएगी। इस बीच, यौन उत्पीड़न मामले की जांच कर रही पुलिस ने संदिग्ध द्वारा युवती को अपराध स्थल तक ले जाने के स्थान से 10 किलोमीटर के क्षेत्र में लगे 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की समीक्षा की। 40 अधिकारियों की एक टीम ने दोनों स्थानों पर सक्रिय 1,000 फोन नंबर एकत्र किए। आरोपी को उसके स्कूटर के रंग की पहचान होने और अपराध स्थल पर उसके मोबाइल नंबर की पुष्टि होने के बाद ट्रैक किया गया।

एंबुलेंस को रास्ता देते समय कार पलटी जिससे कई वाहनों में टक्कर हो गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु के इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी फ्लाईओवर पर कई वाहनों की टक्कर हो गई, जिससे यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ। दुर्घटना में चार वाहन शामिल थे और यह तब हुआ जब एक कार तेज गति से आ रही एंबुलेंस को रास्ता देने की कोशिश में पलट गई। शाम 5.36 बजे हुई यह घटना पास के एक वाहन के रियरव्यू कैमरे में कैद हो गई और सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। एक्स यूजर देबनाथ दास द्वारा शेयर किए गए वीडियो में एंबुलेंस एक सफेद सेडान और दूसरी काली कार के बीच की संकरी जगह से निकलकर कई वाहनों को ओवरटेक करने की कोशिश करती दिख रही है। काली कार के ड्राइवर ने एंबुलेंस के लिए जगह बनाने के लिए बाईं ओर मोड़ लिया, लेकिन एक बाइक से टकरा गई। टक्कर के कारण कार पलट गई, जबकि बाइक सवार गिर गया। सफेद सेडान भी डिवाइडर से टकरा गई और एंबुलेंस को रुकना पड़ा। हालांकि एंबुलेंस किसी वाहन से नहीं टकराई, लेकिन पलटी हुई हुंडई से दो और कारें टकरा गईं। दुर्घटना की गंभीरता के बावजूद, कोई भी गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। एक अन्य एम्बुलेंस तुरंत दुर्घटना स्थल पर पहुंची और घायलों को पास के अस्पताल में ले गई।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश जारी रहने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य भर में हल्की से मध्यम बारिश जारी है, जबकि कुछ स्थानों पर व्यापक बारिश हुई है। तुमकुरु और रायचूर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई है। रायचूर जिले के गनादाना में सबसे अधिक 181 मिमी बारिश दर्ज की गई। राजधानी बेंगलूरु के कोडिगेहल्ली, यलहंका में 30 मिमी बारिश दर्ज हुई। राज्य में वर्षा कम हो गई है और जलाशयों का प्रवाह भी काफी कम हो गया है। जलविद्युत उत्पादन करने वाले लिंगनमक्की, सुपा, वाराही जलाशयों की सीमा में प्रवाह घटकर केवल 12 हजार क्यूसेक रह गया है। 4 जलाशयों में कावेरी घटकर 18 हजार क्यूसेक रह गई है। गैर-कृष्णा कोल्ला जलाशयों में भी प्रवाह काफी कम हो गया है

और कुल प्रवाह केवल 68 हजार है। तुंगभद्रा जलाशय में प्रवाह की मात्रा भी कम हो गई है और मंगलवार को 31 हजार क्यूसेक का प्रवाह रहा, जबकि 10 हजार क्यूसेक का बहिर्वाह है। जलाशय की क्षमता 105.79 टीएमसी है, वर्तमान में 76.91 टीएमसी फीट पानी है, और केवल 73 प्रतिशत संग्रहित है। मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक बुधवार से राज्य में बारिश में कमी आएगी। हालाँकि, कुछ स्थानों पर छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है, राज्य के दक्षिणी भीतरी इलाकों में मध्यम बारिश होगी और तटीय और पहाड़ी जिलों में छिटपुट मध्यम बारिश होगी। कुछ जगहों पर भारी बारिश के भी आसार हैं। उत्तरी जिलों में 24 अगस्त तक मध्यम बारिश जारी रहेगी, जिसके बाद बारिश की तीव्रता कम होने की उम्मीद है। जुलाई में तटीय और पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश के कारण अचानक बाढ़ आने से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। अगस्त में वर्षा की मात्रा दिन-ब-दिन कम होती जा रही है और कर्नाटक के तटीय, पहाड़ी और उत्तरी भागों में सामान्य से कम वर्षा हुई है। हालाँकि दक्षिणी भीतरी इलाकों में नियमित वर्षा होती है, लेकिन कुछ स्थानों पर वर्षा की कमी रही है। जुलाई की तरह अगस्त में भी राज्य में व्यापक बारिश नहीं हुई।

सीएम के समर्थक ने विरोध मार्च के दौरान खुद को लगाई आग

बागलकोट/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के एक कट्टर समर्थक ने सोमवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित विरोध मार्च के दौरान खुद को आग लगाने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति देने के राज्यपाल थावर चंद गहलोत के फैसले की निंदा करने के लिए यह विरोध प्रदर्शन किया गया था। यह घटना जिला प्रशासन भवन के सामने हुई, जहां प्रदर्शनकारियों ने टायरों में आग लगाई और भाजपा के केंद्रीय नेताओं की तस्वीरों पर चप्पलें फेंककर अपना गुस्सा निकाला। इस अफरा-तफरी के बीच सिद्धरामैया के एक समर्थक ने पेट्रोल की कैन लेकर खुद को आग लगाने का प्रयास किया। पास में मौजूद एक अन्य प्रदर्शनकारी गलती से आग की लपटों में फंस गया और उसे मामूली चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों और पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों व्यक्तियों को आग से बचाया। घायलों की पहचान गुलेडागुड्डा के पास नागरल गांव के निवासी दयावप्पा मागी और बिलागी तालुक के गिरिसागरा के हनुमंत के रूप में हुई है। मागी को कई चोटें आईं, जिसमें हाथ, चेहरा, गर्दन, छाती और पीठ पर जलन शामिल है। उसे स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

राज्यपाल का अपमान करने वाले सभी कांग्रेसियों पर मुकदमा दर्ज करें: गोविंदा करजोल

भाजपा नेताओं ने पुलिस महानिदेशक से की शिकायत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा सांसद गोविंद करजोल ने कहा कि इवान डिसूजा को तुरंत गुंडा एक्ट के तहत गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने राज्यपाल का अपमान करने वाले सभी कांग्रेसियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। वह मंगलवार को नृपतुंगा रोड स्थित पुलिस महानिदेशक के कार्यालय का दौरा करने और शिकायत दर्ज कराने के बाद मीडिया से बात कर रहे

थे। उन्होंने कहा कांग्रेस एक सरकार प्रेरित विरोध है।

उन्होंने आपत्ति जताई कि उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है और राज्यपाल का अपमान किया है। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने राज्यपाल की फोटो पर जूते से मारने और अनकहे शब्दों से अपमानित करने की आलोचना की। एमएलसी इवान डिसूजा ने राज्यपाल को धमकी भरी बात कही है। उन्होंने दावा किया है कि कर्नाटक में भी बांग्लादेश वाली स्थिति आएगी। उन्होंने कहा कि इवान डिसूजा की बातों से संदेह हो रहा है कि क्या उसका पाकिस्तानी आतंकियों से कोई संबंध है, जिसने सूचना दी है कि वह राजभवन पर धावा बोल देगा और गवर्नर को भगा देगा। हालांकि जो भी हो लेकिन उनका बयान निंदनीय है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कहा शिकायत में हमने इवान डिसूजा के बयान की ओर ध्यान आकर्षित किया है। हमने जमीर अहमद के बयान का भी जिक्र किया है। इस मौके पर बीजेपी एस.सी. मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सीमेंट मंजूनाथ, विधायक अविनाश जाधव, एसटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंथु, पूर्व सांसद मुनीस्वामी उपस्थित थे।

लोगों की नींद उड़ाने वाले तेंदुए को वन अधिकारियों ने पकड़ लिया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दावणगेरे जिले के होन्नाली तालुक के आसपास पिछले कई महीनों से लोगों को जगाए रखने वाले तेंदुए को आखिरकार पकड़ लिया गया है। सोमवार रात, वन अधिकारी अरकेरे गांव के पास खेत में छिपे तेंदुए को पकड़ने में कामयाब रहे। दो दिन पहले डीएच मंजूनाथ की जमीन में तेंदुए ने हमला कर एक गाय को खा लिया था। इसके चलते इस क्षेत्र के किसान दिन में खेतों में जाने से कतरा रहे थे। गाय को मारने वाला तेंदुआ सोमवार रात फिर उसी खेत में आ गया। इस सुराग को जानकर वनकर्मियों की एक

कुशल टीम ने हड्डी को उसी स्थान पर रख दिया। गाय की तलाश में निकला तेंदुआ आखिरकार हड्डी में समा गया और वन अधिकारियों का ऑपरेशन सफल रहा। अरकेरे, नरसागोंडानहल्ली, एके कॉलोनी समेत आसपास के गांवों में किसान तेंदुए, भालू और सूअर के हमलों से तंग आ चुके हैं। खासकर शाम 5 बजे के बाद ये जंगली जानवर भोजन की तलाश में गांवों में आ जाते थे, जिससे लोगों में चिंता बढ़ जाती थी। पशुओं पर हमला करना, कुत्तों को ले जाना, सूअर खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वे केला, मक्का, बाजरा समेत अन्य फसलों को नष्ट कर रहे थे। इसके चलते किसानों ने कई बार विरोध प्रदर्शन किया और जंगली जानवरों को पकड़ने के लिए वन अधिकारियों से शिकायत की। तेंदुए के बढ़ते आतंक की पृष्ठभूमि में, वन विशेषज्ञों की एक टीम ने बिजली अभियान चलाकर तेंदुए को पकड़ लिया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली है। वनकर्मियों ने पकड़े गए तेंदुए को सुदूर वन क्षेत्र में छोड़ने का फैसला किया है।

शिक्षक की हत्या के आरोप में सात गिरफ्तार

कोलार/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के मुदियानूर में हुई सरकारी स्कूल शिक्षिका की हत्या के सिलसिले में मुलबागल पुलिस ने चार नाबालिगों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। कोलार के पुलिस अधीक्षक निखिल बी के अनुसार, घटना पिछले बुधवार शाम की है, जब मुलबागल टाउन के सुंकू लेआउट में दिव्या श्री (46) के घर में डकैती के प्रयास में अपराधियों ने उनका गला रेत दिया। घटना के समय उनकी बेटी ही घर पर थी और उनके पति शेट्टी बाहर थे। दिव्याश्री की आवाज सुनकर घर की पहली मंजिल पर मौजूद उनकी बेटी निशा बाहर आई और देखा कि उनकी मां खून से लथपथ पड़ी हैं। इसके बाद अपराधियों ने उनकी ओर बढ़ने का प्रयास किया, लेकिन वह किसी तरह भागने

में सफल रहीं और उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया और अपने पिता को फोन किया। इसके बाद बदमाश तुरंत मौके से भाग गए। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान रंजीत कुमार (20) निवासी तिरुमना हाल्ली, युवराज (18) निवासी कोंडानहल्ली और शहीद पाशा (18) निवासी नांगली के रूप में हुई है। सेंट्रल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक लाभू राम ने कहा पुलिस अपराध में शामिल अन्य लोगों की तलाश कर रही है। कोलार के एसपी निखिल बी ने कहा कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और लोकेशन के सेल्युलर कॉल रिकॉर्ड की जांच की, जिसके बाद अपराधियों को पकड़ा गया। जांच के दौरान पता चला कि रंजीत कुमार पीड़ित के घर सहित इलाके में कैन में शुद्ध पानी की आपूर्ति करता था। उसे पीड़ित के परिवार की संपत्ति के बारे में पता चला। निखिल बी ने कहा कि इसके बाद उसने दिव्या श्री की हत्या करने और चोरी की गई नकदी और गहनों में हिस्सा देने का आश्वासन देकर घर में मौजूद कीमती सामान लूटने की योजना बनाई।

भारत–मलेशिया उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत और मलेशिया ने अपनी विस्तारित रणनीतिक साझीदारी को समग्र रणनीतिक साझीदारी का रूप देने और सेमीकंडक्टर, फिनटेक, रक्षा उद्योग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसे उच्च प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का मंगलवार को फैसला किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच आज यहां हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय शिखर बैठक में यह निर्णय लिया गया। दोनों देशों ने कामगारों के रोजगार, पर्यटन, ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, युवा एवं खेल, संचार, डिजिटल तकनीक, वित्तीय क्षेत्र सहित आठ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये तथा भारत मलेशिया सीईओ रिपोर्ट को स्वीकृति प्रदान की।

बैठक के बाद श्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में श्री इब्राहिम का उनके पहले भारत दौरे पर स्वागत किया और कहा, मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे भारत में आपका स्वागत करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा, भारत और मलेशिया के बीच विस्तारित रणनीतिक साझीदारी का एक दशक पूरा हो रहा है, और पिछले दो सालों में, प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के सहयोग से हमारी साझीदारी में एक नयी गति और ऊर्जा आई है। आज हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की है। श्री मोदी ने कहा, भारत और मलेशिया सदियों से एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। मलेशिया में रह रहे लगभग 30 लाख भारतीय प्रवासी हमारे बीच एक जीवंत सेतु हैं। भारतीय संगीत, खान–पान और उत्सव से लेकर मलेशिया में तोरण गेट तक हमारे लोगों ने इस मित्रता को संजोया है।

पीएम मोदी ने कहा, पिछले वर्ष मलेशिया में हुआ पीआईओ दिवस एक बहुत सफल और लोकप्रिय कार्यक्रम था। जब हमारे नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना हुई, तो उस ऐतिहासिक क्षण का जोश मलेशिया में भी देखा गया। आज कामगारों के रोजगार संबंधी समझौते से, भारत से कामगारों की भर्ती के साथ–साथ उनके हितों के संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। लोगों के आवागमन को सरल बनाने के लिए हमने वीजा प्रक्रिया को आसान बनाया है। विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति और सरकारी अधिकारियों के प्रशिक्षण पर बल दिया जा रहा है। अब (आई–टेक) छात्रवृति के अंतर्गत मलेशिया के लिए साइबर सुरक्षा और एआई जैसे अत्याधुनिक कोर्स के लिए 100 सीटें विशेष रूप से आवंटित की जाएगी। मलेशिया की यूनिवर्सिटी तुन्कु अब्दुल रहमान में एक आयुर्वेद अध्ययन पीठ स्थापित की जा रही है। इसके अलावा, मलेया यूनिवर्सिटी में तिरुवल्लुवर अध्ययन पीठ स्थापित करने का निर्णय भी लिया गया है। उन्होंने कहा कि आसियान और हिन्द प्रशांत क्षेत्र में मलेशिया, भारत का अहम साझीदार है। भारत आसियान केन्द्रीयता को प्राथमिकता देता है। हम अंतराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नौवहन एवं उड्डयन की स्वतंत्रता के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी विवादों के शांतिपूर्वक हल का पक्ष रखते हैं।

श्री मोदी ने कहा, हम सहमत हैं कि भारत और आसियान के बीच मुक्त व्यापार समझौते की समीक्षा को समयबद्ध तरीके से पूरा करना चाहिए। आज हम दोनों ने रक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग की नयी संभावनाओं पर भी बात की है। आतंकवाद और अतिवाद के खिलाफ लड़ाई में भी हम एकमत हैं। श्री मोदी ने कहा, आज हमने आपसी सहयोग के सभी क्षेत्रों पर व्यापक रूप से चर्चा की। हमने देखा कि हमारे द्विपक्षीय व्यापार में निरंतर प्रगति हो रही है। अब हमारा व्यापार रुपए और रिंगिट में भी हो रहा है। पिछले वर्षों में मलेशिया द्वारा भारत में पांच अरब डॉलर तक का निवेश किया गया है। आज हमने निर्णय लिया है कि हम अपने सहयोग को समग्र रणनीतिक साझीदारी के स्तर तक बढ़ाएंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमारा मानना है कि आर्थिक सहयोग के मामले में दोनों देशों के लिए अभी भी काफी संभावनाएं मौजूद हैं। सेमीकंडक्टर, फिनटेक, रक्षा उद्योग, एआई और क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसे जिन क्षेत्रों में नई और आधुनिक तकनीक की जरूरत है, हम सहयोग बढ़ाएंगे। डिजिटल तकनीक में सहयोग के लिए भारत के यूपीआई को मलेशिया के पे–नेट से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। हमने भारत और मलेशिया के बीच समग्र आर्थिक सहयोग समझौते (सीका) की समीक्षा में गति लाने पर बल दिया है। डिजिटल टेक्नोलॉजी में सहयोग के लिए डिजिटल काउंसिल की स्थापना करने का, और स्टार्ट अप एलायंस बनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में, मलेशिया की सफल आसियान अध्यक्षता के लिए भारत पूरा समर्थन देगा।

विदेश मंत्रालय में सचिव पूर्व, जयदीप मजूमदार ने संवाददाताओं से कहा, हम मलेशिया के साथ अपनी बढ़ी हुई रणनीतिक साझेदारी के लगभग 10 वर्ष पूरे कर रहे हैं, जिसकी घोषणा तब की गई थी जब प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 2015 में मलेशिया का दौरा किया था। जैसा कि आज दोनों नेताओं के बीच प्रेस वक्तव्य में देखा गया कि दोनों नेताओं के बीच बहुत गर्मजोशी और व्यक्तिगत तालमेल है, जब अनवर इब्राहिम प्रधानमंत्री पद पर नहीं थे, उन्होंने 2019 में रायसीना डायलॉग के लिए भारत का दौरा किया था, जब उन्होंने श्री मोदी से मुलाकात की थी और उनके बीच बहुत करीबी रिश्ता बन गया था। व्यक्तिगत संबंध जो उनके बीच हुई बातचीत और दोनों देशों के लिए उन्होंने जो आगे का रास्ता तैयार किया है उसमें यह स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वास्तव में, उन्होंने निर्णय लिया कि वे भारत और मलेशिया के बीच संबंधों को एक समग्र रणनीतिक साझीदारी तक बढ़ाएंगे।

श्री मजूमदार ने कहा कि मलेशिया में प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम 2022 में पदभार संभालने के बाद हमारे संबंध वास्तव में प्रगाढ़ होते गए हैं। मंत्री या उप मंत्री के स्तर पर 15 से अधिक द्विपक्षीय यात्राएं हुई हैं और यह भारत और मलेशिया के बीच आज की बहुत सारी गतिविधियों और उस चार्ट में परिलक्षित होता है जिसे हमने आगे बढ़ने वाले संबंधों के लिए तैयार किया है। श्री मजूमदार ने कहा, आज, उन्होंने व्यापार और वाणिज्य, रक्षा और सुरक्षा, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, लोगों से लोगों के संबंधों, डिजिटल प्रौद्योगिकियों, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा और सतत विकास जैसे उभरते क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा की। इस दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किये गये। श्रमिकों की भर्ती, रोजगार और स्वदेश वापसी एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यह काफी महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन है क्योंकि यह भारतीय श्रमिकों के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करता है, उनके कल्याण और उनके काम की उचित स्थितियों के साथ–साथ प्रत्यावर्तन को भी सुनिश्चित करता है। इस पर दोनों पक्ष कुछ समय से काम कर रहे हैं और यह आगे बढ़ेगा। हमें न केवल भारतीय श्रमिकों के कल्याण को सुनिश्चित करने में बल्कि मलेशिया में रोजगार के पूरे क्षेत्र को खोलने में भी लंबा रास्ता तय करना है जो विदेशी श्रमिकों के लिए खुला है, साथ ही भारतीय श्रमिकों के लिए भी।

पीएम मोदी के रहते एससी एसटी, ओबीसी के हितों की नहीं हो सकती अनदेखी : सम्राट

पटना, 20 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी ने लेटरल एंट्री के तहत शीर्ष नौकरशाही में बहाली के संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के विज्ञापन वापस लेने पर मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री (पीएम) नरेंद्र मोदी के रहते एससी–एसटी और ओबीसी के हितों की कोई अनदेखी नहीं कर सकता।

श्री चौधरी ने मंगलवार को लेटरल एंट्री के तहत बहाली के लिए यूपीएससी द्वारा निकाले गए विज्ञापन को वापस कराने की पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह एक साहसिक निर्णय है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के रहते अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के हितों की कोई अनदेखी नहीं कर सकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार में लेटरल एंट्री के माध्यम से सीधी बहाली की अवधारणा बनाई गई थी, जिसमें आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। दरअसल कांग्रेस तो शुरू से ही एससी–एसटी और ओबीसी के आरक्षण का विरोधी रही है। प्रधानमंत्री रहते हुए पंडित जवाहर लाल नेहरू ने वर्ष 1961 में और राजीव गांधी ने विपक्ष का नेता रहते हुए लोकसभा में ओबीसी आरक्षण का विरोध किया था। लेटरल एंट्री सभी के लिए खुली है। सभी वर्ग के लोग आवेदन करते हैं। उन्होंने पूछा कि क्या जब कांग्रेस की सरकार लेटरल एंट्री के माध्यम से भर्ती कर रही थी, तो उसमें आरक्षण की व्यवस्था थी।

श्री चौधरी ने कहा कि अचानक कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) समेत अन्य विपक्षी पार्टियों का ओबीसी के प्रति प्रेम उमड़ आया है। वे एससी, एसटी और ओबीसी के छात्रों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष झूठ फैलाकर लोगों में जातीय उन्माद पैदा करने का प्रयास कर रहा है, जिस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पानी फेर दिया है। विपक्ष यूपीएससी जैसी संस्थाओं की छवि खराब करने की भी कोशिश कर रहा है। भाजपा नेता ने सवालिया लहजे में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लेटरल एंट्री के जरिए ही 1976 में फाइनेंस सेक्रेटरी, मोंटेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष और सोनिया गांधी को नेशनल एडवाइजरी काउंसिल का प्रमुख बनाया गया था, तब कांग्रेस को आरक्षण की याद क्यों नहीं आई। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लेटरल एंट्री के जरिए होने वाली सीधी नियुक्ति के हालिया विज्ञापन को वापस करा कर यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके रहते एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता है। संविधान प्रदत्त आरक्षण को सुनिश्चित रखना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

आरएसएस की तीन दिवसीय समन्वय बैठक 31 से केरल में आयोजित होगी

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वार्षिक अखिल भारतीय समन्वय बैठक इस वर्ष केरल के पालक्काड में 31 अगस्त, 01 और 02 सितंबर को आयोजित हो रही है।आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने मंगलवार को यहां एक बयान में यह जानकारी दी। तीन दिवसीय यह अखिल भारतीय बैठक सामान्यतः वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। पिछले वर्ष यह बैठक सितंबर में पुणे में संपन्न हुई थी। इस अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ प्रेरित विविध संगठनों में कार्यरत संगठन के प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होते हैं। यह सभी संगठन समाज के विभिन्न क्षेत्रों के सकारात्मक कार्यों में लोकतांत्रिक पद्धति से सामाजिक परिवर्तन के कार्य में सक्रिय रहते हैं।

RSS राष्ट्रीय स्वयंसेवी संघ

श्री आंबेकर ने कहा कि बैठक में विविध संगठन के कार्यकर्ता अपने कार्य की जानकारी तथा अनुभवों का निवेदन तथा आदान–प्रदान करेंगे। राष्ट्रीय हित के विभिन्न विषयों के संदर्भ में वर्तमान परिदृश्य, हाल में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं तथा सामाजिक परिवर्तन के अन्यान्य आयामों पर योजनाओं के संदर्भ में बैठक में चर्चा होगी। सभी संगठन विविध विषयों पर परस्पर सहयोग तथा समन्वय को और अधिक बढ़ाने हेतु आवश्यक उपायों पर भी चर्चा करेंगे।उन्होंने बताया कि इस बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। इस बैठक में राष्ट्र सेविका समिति, वनवासी कल्याण आश्रम, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय जनता पार्टी, भारतीय किसान संघ, विद्या भारती, भारतीय मजदूर संघ सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री और प्रमुख पदाधिकारी सहभागी होंगे।

बीआरएस नेता के कविता की जमानत पर सुनवाई 27 अगस्त तक टली

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि वह दिल्ली आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के कविता की जमानत अर्जी पर 22 अगस्त तक जवाब दाखिल करेगी। ईडी और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की तरफ से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ को बताया कि मामले में सीबीआई का जवाबी हलफनामा पहले ही दाखिल किया जा चुका है। राजू ने कहा कि ईडी का जवाबी हलफनामा तैयार किया जा रहा है और इसे 22 अगस्त तक दाखिल कर दिया जाएगा।

इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई 27 अगस्त तक के लिए टाल दी।

शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को कविता की उन याचिकाओं पर ईडी और सीबीआई से जवाब मांगा था, जिनमें दोनों मामलों में उन्हें जमानत देने से इनकार करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय ने दोनों मामलों में कविता की जमानत याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि वह प्रथम दृष्टया दिल्ली आबकरी नीति 2021–22 के निर्माण एवं कार्यान्वयन से जुड़ी आपराधिक साजिश की मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक प्रतीत होती हैं। यह नीति बाद में रद्द कर दी गई थी। सीबीआई और ईडी ने आबकारी नीति के निर्माण एवं कार्यान्वयन में कथित भ्रष्टाचार और धन शोधन को लेकर अलग–अलग मामले दर्ज किए हैं। ईडी ने कविता को 15 मार्च को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया था। वहीं, सीबीआई ने भ्रष्टाचार के मामले में उन्हें 11 अप्रैल को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। कविता ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है।

भारत–जापान साझेदारी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण: राजनाथ

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र से भारत और जापान दोनों के हित गहरायी से जुड़े हैं और इनकी साझेदारी क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

श्री सिंह ने विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर के साथ जापान के रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा तथा विदेश मंत्री योको कामिकावा के साथ यहां हुई तीसरी टू प्लस टू वार्ता के बाद कहा कि दोनों देशों का हिन्द प्रशांत को लेकर साझा विजन है और इनकी साझेदारी इस क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, आज हमारी चर्चा के दौरान, हमने परस्पर हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में चर्चा की। हिन्द प्रशांत क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते, भारत और जापान कई मायनों में इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण संरक्षक हैं। इसलिए यह भागीदारी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर तालमेल और साझा नजरिया मजबूत हुआ है। भारत, आसियान और जापान सहित अन्य देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए एडीएमएम प्लस का एक सक्रिय सदस्य है। उन्होंने कहा कि बैठक में दोनों पक्षों ने क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने तथा सार्थक परिणामों पर पहुंचने के लिए एक–दूसरे के प्रयासों का समर्थन करने की अपनी वचनबद्धता को व्यक्त किया है। श्री सिंह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में भी कहा, अपने जापानी समकक्ष किहारा मिनोरू के साथ शानदान बैठक की। हमने भारत जापान संबंधों की विस्तार से समीक्षा की और दोनों देशों के बीच संबंधों को और प्रगाढ बनाने पर सहमति व्यक्त की। हमने परस्पर हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी चर्चा की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह वर्ष भारत और जापान दोनों के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि हम अपनी विशेष वैशिवक सामरिक साझेदारी की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच रक्षा क्षेत्र में सहयोग को लेकर पिछले एक दशक में हुई प्रगति पर भी प्रसन्नत व्यक्त की।

उन्होंने कहा कि बैठकों के परिणाम अपेक्षाओं से भी अधिक रहे हैं। यह दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों के बीच बेहतरीन तालमेल के कारण ही संभव हो पाया है। श्री सिंह ने कहा कि वर्ष 2023 रक्षा संबंधों में एक मील के पत्थर के रूप में साबित हुआ। उन्होंने कहा, हमारे रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी सहयोग के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। 2047 में जब हम स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर रहे होंगे, उसके लिए हमने विकसित भारत का विजन रखा है। आत्मनिर्भर भारत को प्राप्त करने के लिए घरेलू रक्षा क्षमता का निर्माण इस विजन का एक अभिन्न अंग है।

भाजपा ने राज्यसभा की नौ सीटों के लिए की उम्मीदवारों के नामों की घोषणा

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राज्यसभा चुनावों के लिए मंगलवार को विभिन्न राज्यों से नौ उम्मीदवारों की सूची जारी की।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी अरुण कुमार की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक पार्टी ने असम में मिशन रंजन दास, रामेश्वर तेली, बिहार में मनन मिश्र, हरियाणा में किरण चौधरी, मध्य प्रदेश में जॉर्ज कुरियन, महाराष्ट्र में धौर्यशील पाटिल और ओडिशा में ममता मोहंता को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा पार्टी ने राजस्थान में सरदार नवनीत सिंह बिट्टू और त्रिपुरा में राजीब भट्टाचार्जी को उम्मीदवार घोषित किया है।

उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने नौ राज्यों की 12 सीटों के लिए तीन सितंबर को चुनाव कराने की अधिसूचना जारी की है। इन चुनाव में असम, बिहार और महाराष्ट्र से राज्यसभा के लिए क्रमशः दो–दो सीटों, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, त्रिपुरा, तेलंगाना और ओडिशा से क्रमशः एक–एक सीट के लिए चुनाव होने हैं। असम में कामाख्या प्रसाद ताशी और सर्वानंद सोनोवाल, बिहार में मीसा भारती और विवेक ठाकुर, हरियाणा में दीपेंद्र हुड्डा, मध्य प्रदेश में ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाराष्ट्र में छत्रपति उदय राजे भोसले, पीयूष गोयल, राजस्थान में केसी वेणुगोपाल और त्रिपुरा में बिपल्ब कुमार देब के लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के कारण राज्यसभा की सीटें खाली हुई हैं। चुनाव आयोग ने राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 14 अगस्त को जारी की थी और इसके लिए नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त तक है।

B.J.P

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अयोध्या, गोमतीनगर और कन्नौज का नवाब ब्रांड ही सपा की असली पहचानः योगी

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज की घटना ही समाजवादी पार्टी का नवाब-ब्रांड है। कोलकाता की अराजकता पर चिकित्सक और आधी आबादी आंदोलित है, लेकिन सपा मुखिया दुष्कर्मियों और कोलकाता सरकार का बचाव कर रहे हैं। सपा मुखिया का बेशर्मीपूर्ण बयान ही उनकी पार्टी का असली चेहरा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में साजिश हो रही है। इसे समझने की आवश्यकता है। सीएम ने आरोप लगाया कि बहुसंख्यक समाज के विपरीत कथित धर्मनिरपेक्षता की राजनीति करने वाले दलों के स्वर भारत की मूल विचारधारा पर होने वाले हमले में नहीं निकलते।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान-2024 की कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से संवाद किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि हमें बैकफुट पर जाने की आवश्यकता नहीं है, बल्कि विपक्ष के कारनामों की पोल खोलने की जरूरत है। मुख्यमंत्री कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर हमलावर रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं का आह्वान किया कि इस अभियान को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाइए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या, गोमतीनगर व कन्नौज की घटना ही समाजवादी पार्टी का नवाब ब्रांड है। यही इनका असली चेहरा है। कोलकाता की अराजकता पर चिकित्सक व आधी आबादी आंदोलित है, लेकिन सपा मुखिया वहां की सरकार का बचाव कर रहे हैं।

सीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उत्तर प्रदेश में साजिश हो रही है। इसे समझने की आवश्यकता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर घर तक पहुंचिए और परिवार के हर सदस्यों से संवाद बनाइए। उनसे कहिए कि उप-चुनाव में विपक्षी दलों के नेताओं से पूछें कि आखिर एक-एक लाख रुपये के बॉन्ड भरवाए गए थे। वह कहां हैं। सोशल मीडिया से लेकर आमजन के बीच कांग्रेस व सपा के झूठ का पर्दाफाश कीजिए।

सीएम ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता का दृश्य श्रीलंका व बांग्लादेश में दिखा। भारतीय राजनीति में लोकसभा चुनाव के छह माह पहले से इसकी सुगबुगाहट देखने को मिल रही थी। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई जा रही थी। यह भाजपा व हमारी विचारधारा को रोकने के षडयंत्रों की ओर इशारा करती है। यदि देश में सक्षम नेतृत्व न होता तो वे लोग अस्थिरता पैदा करने में सफल हो गए होते। देश में राजनीतिक स्थिरता के लिए भारतीय जनता पार्टी आवश्यक है।

सीएम योगी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी 2014 में पीएम मोदी के मार्गदर्शन में देश ही नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बना। आमजन के मन में जिज्ञासा है कि भाजपा कर्मठ कार्यकर्ताओं व सक्षम नेतृत्व के बल पर सबसे बड़ा राजनीतिक दल नहीं होता तो तय था कि 2024 में जिस प्रकार के अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के षडयंत्र हुए थे, वे सफल होकर भारत को लंबे समय तक अस्थिरता के दौर में ढकेलने का कार्य करते।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा मूल्यों व आदर्शों की राजनीति करने वाला एकमात्र दल है। विरोधी विचारधारा के लोग भी भाजपा के कैडर, अनुशासन, संगठन कार्यपद्धति व कार्यक्रम को मानते हैं। भाजपा के पास कैडर बेस्ड पार्टी का स्ट्रक्चर है। देश में जब भी चुनौती आती है तो यह कैडर काम करता है। दल से बढ़कर देश है, संकट के समय इस भाव के साथ भाजपा का कार्यकर्ता सेवा के लिए तैयार रहता है। कोरोना में पीएम मोदी के आह्वान पर 'सेवा ही संगठन' के संकल्प के साथ भाजपा कार्यकर्ता पीड़ितों के साथ खड़ा रहा। आपदा, त्रासदी, बाढ़, भूकंप आदि के समय भी संगठनात्मक ढांचा समर्पित भाव के साथ सेवा करता दिखता है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर व्यक्ति भाजपा के साथ जुड़ना चाहता है। सीएम ने अपील की कि एक मोबाइल फोन से एक ही सदस्य बनाएं। हर बूथ पर 200 सदस्य बनाना है। इसके लिए कार्यकर्ता गांवों में अलग-अलग तबकों के बीच जाएं और लेखक, साहित्यकार, समाज सुधारक, किसान, युवा, सेवानिवृत्त सैनिक समेत हर वर्ग को जोड़ें, सूची बनाएं। मलिन-दलित बस्तियों में जाकर पहले उनकी सुनिए, फिर अपनी कहिए। केंद्र व राज्य की योजनाओं, रोजगार व कनेक्टिविटी से अवगत कराइए। संवाद सदस्यता अभियान के जरिए जनता से जुड़िए। आधी आबादी भाजपा से जुड़ना चाहती है। सीएम ने कार्यकर्ताओं को मंत्र दिया कि घर-घर जाएं और सिर्फ मुखिया से ही नहीं, बल्कि हर सदस्य से मिलें। महिला मोर्चा की पदाधिकारी महिलाओं तथा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता युवाओं से मिलें।

सीएम ने बताया कि पहली से 25 सितंबर तक पहले चरण का अभियान चलेगा। द्वितीय चरण पहली से 15 अक्टूबर तक चलेगा और 15 से 31 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता का अभियान चलेगा। सक्रिय सदस्य के लिए आवश्यक होगा कि वह 100 सदस्य बनाया हो। सीएम ने कहा कि बूथशः फिजिकल वेरीफिकेशन कर सकें तो कोई अफवाह व षडयंत्र चुनौती नहीं रह पाएगी।

सीएम ने कहा कि चुनाव में सपा व कांग्रेस समाज के बड़े तबके को गुमराह करने में सफल रहे। भाजपा जातिवादी नहीं, बल्कि सर्वसमावेशी पार्टी है। हमें सर्वसमाज के पास जाना है। हमारे लिए देश प्रथम है। भाजपा से समाज व देश को अपेक्षाएं हैं। सीएम ने कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा पर संविधान बदलने, आरक्षण समाप्त करने का आरोप लगाने वालों को जवाब दीजिए। सीएम ने कहा कि सपा कांग्रेस का पिछलग्गू बनकर कार्य कर रही है।

सीएम योगी ने कहा कि 2047 तक भाजपा को मजबूत बनाना है तो भारतीय जनता पार्टी को सशक्त बनाना होगा। आमजन का विश्वास है कि भाजपा सशक्त होगी तो भारत मजबूत होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की प्रगति देख रही है। 2004 में भारत की अर्थव्यवस्था 12वें व 2014 में 10वें नंबर पर थी। अभी पांचवें नंबर पर है। तीन वर्ष के अंदर भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी। सीएम ने कहा कि देश में समाज के हर तबके को बिना भेदभाव शासन की योजना का लाभ मिला। जाति-मजहब नहीं, बल्कि सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ योजनाओं का लाभ दिया गया।

दीपोत्सव में इस बार 25 लाख से ज्यादा दीयों से जगमग होगी अयोध्या

लखनऊ/अयोध्या, 20 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार दीपावली के अवसर पर अयोध्या में होने वाले दीपोत्सव कार्यक्रम में भव्यता के नए प्रतिमान स्थापित करने जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के स्थापित होने के बाद इस पहले दीपोत्सव में 7 मैकेनाइज्ड टैब्ल्यू, कोरियोग्राफ्ड एरियल ग्रीन फायर क्रैकर शो समेत विभिन्न प्रकार के आकर्षणों को शामिल किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष अयोध्या में दीपोत्सव के दौरान राम की पैड़ी समेत 51 घाटों पर कुल मिलाकर 21 लाख से ज्यादा दीए जलाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया गया था। वहीं, इस साल योगी सरकार 25 लाख दीयों से अयोध्या को जगमग करने की तैयारी कर रही है। इतना ही नहीं, अयोध्या के अंदर 500 स्थानों को आकर्षक साइनेज बोर्ड्स के माध्यम से सजाया जाएगा तथा प्रभु श्रीराम से जुड़े 20 आर्टिस्टिक इंस्टॉलेशन को भी स्थापित करने में वरीयता दी जाएगी। इसके लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा एजेंसी निर्धारण व कार्यावंटन की प्रक्रिया शुरू हो गई है और माना जा रहा है कि सितंबर माह से दीपोत्सव के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों की तैयारी शुरू हो जाएगी।

उत्तर प्रदेश सरकार 28 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 के मध्य भव्य दीपोत्सव 2024 कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है। पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, भगवान श्री राम की अयोध्या वापसी की घटनाओं के अनुक्रम के दृश्यों को फिर से बनाने के उद्देश्य से अयोध्या शहर को सुंदर बनाने, सरयू नदी के घाटों पर मिट्टी के दीये जलाने, नदी के तट को सजाने, कार्यक्रम के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक प्रदर्शन और अन्य उत्सव आयोजित करने की कार्ययोजना पर काम कर रही है। इसी क्रम में, पर्यटन विभाग द्वारा एक एजेंसी को नियुक्त किया जाएगा जो राम की पैड़ी अयोध्या के विभिन्न स्थानों पर लगभग 25 लाख से अधिक) दीयों के रिकॉर्ड के लिए क्षेत्र का डिजाइन तैयार करना व मूल्यांकन प्रक्रिया को अंजाम देगी। साथ ही, अयोध्या के 1,100 धर्माचार्यों/स्थानीय प्रसिद्ध हस्तियों/लोगों की उपस्थिति में सरयू नदी पर सबसे बड़े आरती समारोह के रिकॉर्ड के लिए क्षेत्र का डिजाइन तैयार करेगी। इसके अलावा, साइट पर गिनीज रिकॉर्ड के निष्पादन के लिए प्रयास से दो दिन पहले स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित करना, लगभग 7000 से अधिक वॉलंटियर्स (अवध विश्वविद्यालय के छात्र) के साथ पूरे गिनीज विश्व रिकॉर्ड को निष्पादित करने की प्रक्रिया को पूर्ण करेगी।

दीपोत्सव कार्यक्रम में भव्य शोभायात्रा का भी आयोजन होगा जिसमें राम रथ समेत 7 बड़े मैकेनाइज्ड टैब्ल्यू को भी शोकेस किया जाएगा। यह सभी टैब्ल्यू प्रभु श्रीराम के विभिन्न प्रसंगों से संबंधित होंगे और इनके निर्माण में ऑरोरो (बोलीविया), बासेल (स्विट्जरलैंड), साल्वाडोर (ब्राजील), बैरेंक्विला (कोलम्बिया), डसेलडॉर्फ़ (जर्मनी) ग्रेनाडाइन्स से इंस्पायर्ड होंगे। वहीं, कोरियोग्राफ्ड ग्रीन एरियल फायर क्रैकर शो को 10 मिनट से ज्यादा अवधि के लिए संचालित किया जाएगा।

वहीं, अयोध्या के 500 से ज्यादा प्रमुख स्थलों को आकर्षक साइनेज बोर्ड्स से सजाया जाएगा। इसके अतिरिक्त 20 आर्टिस्टिक इंस्टॉलेशन की भी अयोध्या के विभिन्न क्षेत्रों में दीपोत्सव कार्यक्रम के दृष्टिगल स्थापना की जाएगी।

कृषि, खनन, निर्माण, ट्रांसपोर्ट और रियल एस्टेट में यूपी की लंबी छलांग

यूपी की जीडीपी 22.84 लाख करोड़ से बढ़कर 25.48 लाख करोड़ हुई

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने में मिशन मोड में जुटी योगी सरकार ने विभिन्न सेक्टरों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। खासकर कृषि, खनन, निर्माण, ट्रांसपोर्ट और रियल एस्टेट सेक्टर में यूपी में मजबूती दिखाई देने लगी है। इसमें भी ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज एवं कम्युनिकेशन सेक्टर में सर्वाधिक मजबूती देखने को मिली है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जहां 22.84 लाख करोड़ रुपए से अधिक था, वहीं वित्तीय वर्ष 2023-24 यह बढ़कर 25.48 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इन आंकड़ों ने योगी सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश को उद्योग प्रदेश बनाने के संकल्प को मजबूती दी है।

योगी सरकार में प्रदेश के विकास के लिए विभिन्न सेक्टर को लेकर बनाई जा रही रणनीतियों का असर दिखने लगा है। यही वजह है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2023-24 के बीच सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में कई सेक्टर में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इनमें कृषि, फॉरेस्ट्री और फिशिंग 52.97 लाख करोड़ से बढ़कर 59.75 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। वहीं खनन और उत्खनन सेक्टर में 22 हजार करोड़ रुपए से बढ़कर करीब 30 हजार करोड़ हो गई है। इसी प्रकार कंस्ट्रक्शन सेक्टर में 2.63 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2.79 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। ऐसे ही ट्रांसपोर्ट, स्टोरेज एवं कम्युनिकेशन सेक्टर में 1.81 लाख करोड़ से बढ़कर 1.98 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई है।

बात करें रियल स्टेट और व्यावसायिक सेवाओं से संबंधित सेक्टर की तो यहां भी अच्छी खासी वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह 3 लाख करोड़ रुपए थी जो 2023-24 में 3 लाख 29 हजार करोड़ रुपए से अधिक हो गई है। इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, ऊर्जा, ट्रेड, रिपेयरिंग, होटल एवं रेस्टोरेंट, फाइनेंशियल सेवा, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेश, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य सेक्टर में भी सरकार के प्रयासों का असर स्पष्ट दिखाई देने लगा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को लेकर हुए तमाम प्रयासों का असर अब उद्योग-व्यापार की सुदृढ़ता में दिखाई देने लगा है। अर्थव्यवस्था के तीनों सेक्टर, प्राइमरी, सेकेंडरी और टर्शियरी सेक्टर में ग्रोथ दर्ज की गई है। प्राइमरी सेक्टर 2022-23 में जहां 5 लाख 51 हजार करोड़ का था, वह 2023-24 में 6 लाख 27 हजार करोड़ से अधिक का हो चुका है। वहीं सेकेंडरी सेक्टर भी 2022-23 में 5.58 लाख करोड़ से बढ़कर 6.17 लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो गया है। इसी प्रकार टर्शियरी सेक्टर भी 10 लाख करोड़ से बढ़कर 10 लाख 79 हजार करोड़ से अधिक का हो गया है।

रक्षाबंधन पर 16 लाख बहनों ने की निःशुल्क बस यात्रा

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रक्षाबंधन के पर्व पर अपने भाइयों की कलाई को सजाने के लिए घरों से निकली 16 लाख से ज्यादा बहनों को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने यूपी रोडवेज की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई। पिछले वर्ष की ही तरह इस वर्ष भी उत्तर प्रदेश की महिलाओं ने पूरे दिन यानी 18/19 की मध्य रात्रि से 19/20 की मध्य रात्रि तक 24 घंटे परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा का लाभ उठाया। इस दौरान प्रदेश सरकार ने महिलाओं को निःशुल्क यात्रा कराने के लिए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा का व्ययभार उठाया। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार विगत कई वर्षों से रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों को परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा प्रदान कर रही है। इस बार भी योगी सरकार ने 24 घंटे यात्रा की सुविधा प्रदान की, जिसका प्रदेश के प्रत्येक जनपद में महिलाओं ने लाभ उठाया। इस दौरान परिवहन निगम की ओर से महिलाओं की सुगम यात्रा के लिए 2,000 अतिरिक्त बसें भी उपलब्ध कराई गईं।

परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक मासूम अली सरवर ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के क्रम में प्रदेश भर में माताओं-बहनों को परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की व्यवस्था की गई। 18/19 की मध्य रात्रि से 19/20 की मध्य रात्रि तक 24 घंटों में कुल 16,01,649 महिलाओं को निगम द्वारा निःशुल्क यात्रा कराई गई। इस सुविधा का पूरा व्ययभार निगम द्वारा वहन किया गया, जो कि 16,25,95,910 रुपए रहा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जी के इस उपहार की प्रदेश भर में भूरि भूरि प्रशंसा की गई और जिन महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिला, उन्होंने इसे आगे भी जारी रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि निःशुल्क बस सेवा की इस सुविधा ने महिलाओं के लिए रक्षाबंधन को खास बना दिया। सभी जनपदों में शांतिपूर्ण ढंग से पूरे उत्साह के साथ महिलाओं ने इसका लाभ उठाया। कहीं से भी किसी तरह के विवाद की कोई सूचना नहीं है।

एमडी मासूम अली सरवर ने बताया कि रक्षाबंधन के पर्व को देखते हुए परिवहन निगम की तरफ से अनेक व्यवस्थाएं की गई थीं। इस दौरान चालकों और परिचालकों को प्रोत्साहित करने के लिए 3 हजार रुपए तक का इंसेंटिव प्रदान किया गया, जबकि वर्कशॉप में काम करने वालों को भी 1200 रुपए का इंसेंटिव प्रदान किया गया। सारे ड्राइवर कंडक्टर वर्दी में रहे। कहीं कोई दुर्घटना नहीं हुई। ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में कोई ड्राइवर नशे में नहीं पाया गया। महिलाओं के साथ कहीं कोई अभद्रता की सूचना नहीं मिली है। हमारे बस स्टेशनों पर महिलाओं के साथ ही समस्त यात्रियों के बैठने की, पीने के पानी की व्यवस्था की गई। सभी कर्मचारी पूरी तरह मुस्तैद रहे। महिलाओं को कहीं किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। परिवहन निगम के सभी कर्मचारी पूरे 24 घंटे मुस्तैदी से काम करते रहे।

योगी सरकार ने 2017 में प्रदेश की सत्ता संभालते ही महिलाओं के हितों को देखते हुए इस सेवा की शुरुआत कर दी थी। 2017 में पहली बार इस सेवा के माध्यम से 11 लाख 16 हजार 332 महिलाओं ने निःशुल्क यात्रा की थी। तब प्रदेश सरकार पर 6 करोड़ 8 लाख 13 हजार 105 रुपए का व्यय भार आया था। इसी तरह, 2018 में 11 लाख 69 हजार 226 महिलाओं को निःशुल्क यात्रा कराने में सरकार ने 7 करोड़ 41 लाख 17 हजार 987 रुपए का खर्च वहन किया। 2019 में 12 लाख 4 हजार 85 महिलाओं ने निःशुल्क यात्रा की, जबकि सरकार पर 7 करोड़ 68 लाख 37 हजार 8335 रुपए व्यय भार वहन किया। 2020 में 7 लाख 36 हजार 605 महिलाओं ने निःशुल्क यात्रा की, जिस पर सरकार ने 4 करोड़ 82 लाख 48 हजार 521 रुपए का खर्च किया। 2021 में 9 लाख 63 हजार 466 महिलाओं के निःशुल्क यात्रा पर सरकार पर 8 करोड़ 90 लाख 98 हजार रुपए का व्यय भार आया। इसी तरह 2022 में 22 लाख 32 हजार 322 महिलाओं की यात्रा के लिए सरकार को 18 करोड़ 98 लाख 34 हजार 421 रुपए का खर्च वहन करना पड़ा। 2023 में 29 लाख 29 हजार 474 महिलाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया और सरकार ने इस पर 27 करोड़ 65 लाख 66 हजार 615 रुपए का व्यय भार आया।

परिवहन निगम के साथ ही सीएम योगी के निर्देश पर नगरीय परिवहन की बसों में भी रक्षाबंधन पर करीब 1.5 लाख महिलाओं को निःशुल्क यात्रा सुविधा का लाभ मिला। इस पर सरकार ने करीब 50 लाख रुपए का व्यवहार वहन किया। नगर विकास विभाग के तहत संचालित नगरीय परिवहन द्वारा उपलब्ध कराए गए डेटा के अनुसार, 18 अगस्त की मध्य रात्रि से 19 अगस्त की मध्यरात्रि तक 24 घंटे में कुल 1,44,634 महिलाओं ने सुविधा का लाभ उठाया। उन्हें जीरो मूल्यांकन टिकट उपलब्ध कराया गया, जिसके एवज में सरकार ने 47,92,796 रुपए का खर्च वहन किया। योगी सरकार के निर्देश पर 15 शहरों में महिलाओं को निःशुल्क यात्रा की सुविधा दी गई थी। इसके अंतर्गत झांसी में 2217, प्रयागराज में 7700, कानपुर में 22,600, मेरठ में 15,189, गाजियाबाद में 5890, मुरादाबाद में 3393, बरेली में 2700, शाहजहांपुर में 5009, आगरा में 21,424, मथुरा में 6059, अलीगढ़ में 1991, लखनऊ में 24,924, गोरखपुर में 5390, वाराणसी में 17,828 और अयोध्या में 2300 महिलाओं को निःशुल्क यात्रा कराई गई।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में दिखेगी खादी की चमक

25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होगा आयोजन

लखनऊ, 20 अगस्त (एजेंसियां)। योगी सरकार के मार्गदर्शन में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण का आयोजन किया गया है। इसमें अतिथि एक तरफ यूपी की समृद्धि सांस्कृतिक विरासत का दीदार करेंगे तो वहीं दुनिया यहां खादी की चमक भी देखेगी। भारतीय संस्कृति पर आधारित खादी के बने परिधानों को पहनकर फैशन शो भी आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश समेत देश के कई नामचीन मॉडल भी हिस्सा लेंगे। यह फैशन शो 28 सितंबर (शनिवार) को आयोजित किया जाएगा। यही नहीं, यहां वियतनाम की सांस्कृतिक मंडली अपने देश की संस्कृति से मेजबान व मेहमानों को रूबरू कराएगी। सांस्कृतिक गतिविधियों के सफल संचालन के लिए अधिकारियों की समिति भी गठित की गई है।

दो अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिवस मनाया जाएगा। इसके पूर्व 25 से 29 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत 28 सितंबर को खादी फैशन शो आयोजित किया जाएगा। हॉल नंबर दो में शनिवार को पूरे दिन यह आयोजन चलेगा। इसमें उत्तर प्रदेश के कलाकार जातीय परिधान (चिकनकारी, जीआई व अन्य) आदि से जुड़े फैशन शो में हिस्सा लेंगे।

उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण में वियतनाम की एक साथी देश की तरह हिस्सेदारी होगी। इसमें एक तरफ वियतनाम के उच्चकोटि उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे तो वहीं वियतनाम की संस्कृति से भी अवगत होने का मौका मिलेगा। यहां वियतनाम की मंडली की तरफ से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा वियतनाम के पारंपरिक व्यंजन का भारतीय व्यंजन के साथ विनिमय कार्यक्रम भी होगा। इसके अतिरिक्त दोनों देशों के मध्य बिजनेस फोरम आदि का भी आयोजन होगा।

पांच दिवसीय आयोजन में उत्तर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से भी आगंतुक व अतिथि अवगत होंगे। यहां उत्तर प्रदेश के रंग लोक के संग दिखेंगे। प्रदेश की गौरवशाली संस्कृति की झांकी की प्रस्तुति होगी। इसमें ब्रज, पूर्वांचल, अवध, पश्चिमांचल, रुहेलखंड, बुंदेलखंड की संस्कृति से अवगत होंगे। अनुनाद संगीत बैंड की भी प्रस्तुति होगी। श्रीराधा मदहब बैले रामगान भी होगा तो वहीं कलाकार रामायण पर आधारित कथक नृत्य नाटक समेत अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुति देंगे।

संपादकीय

आरक्षण की छद्म राजनीति

आरक्षण पर फर्जी, छद्म, झूठी, अतार्किक कहानियां गढ़ी जा रही हैं। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आरक्षण और उसके आधार संविधान के जरिए मोदी-विरोध की राजनीति कर रही हैं। लोकसभा चुनाव में उनका यह 'हथियार', कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को 'ब्रह्मसत्य' मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें 'विशेषज्ञ अर्थशास्त्री' के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था। फिर 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। 1991 में जब वह केंद्रीय वित्त मंत्री बने, तो वित्त सचिव के पद पर उन्होंने मोंटेक सिंह आहलूवालिया को मांगा था। मोंटेक आईएएस नहीं थे, फिर भी देश के वित्त सचिव बनाए गए। बाद में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में उन्हें 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इसी सूची में रघुराम राजन, विमल जालान, नंदन नीलेकणि, सैम पित्रोदा, एनटीपीसी के चेयरमैन रहे पी. कपूर आदि सैकड़ों नाम दर्ज हैं, जिन्हें सरकार ने सीधे ही नौकरशाही के वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया था। ऐसी नौकरियां 1968 से दी जा रही हैं और अधिकतर कांग्रेस सरकारों के दौरान ही दी गई हैं। तब संविधान को खत्म करने और आरक्षण को छीनने के मुद्दे नहीं उठाए गए। अब भी सीधी भर्ती वाले 57 शीर्ष अधिकारी भारत सरकार में कार्यरत हैं। इन भर्तियों से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस आदि के युवा दावेदार कहीं भी प्रभावित नहीं होंगे। यह मुद्दा राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। भारत सरकार में जो अधिकारी आज सचिव के पद पर हैं, वे 1990 के दशक में आईएएस बने होंगे। आरक्षण तब लागू हुआ होगा, नतीजतन 3-4 सचिव आज अनुसूचित जाति और जनजाति के भी हैं। इस व्यवस्था में प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर सकता। संघ लोक सेवा आयोग की अपनी स्वायत्तता है। लोकतंत्र में जनादेश ही अधिकार देता है। जनादेश से जिसकी सत्ता बनी है और प्रधानमंत्री, कैबिनेट आदि तय हुए हैं, तो संविधान उन्हें कुछ विशेषाधिकार भी देता है। पहले तो प्रधानमंत्री ही तमाम संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करते थे। अब कमोबेश नेता प्रतिपक्ष भी चयन समिति के सदस्य हैं। लिहाजा सीधी भर्तियां भी सरकार कर सकती है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। यदि विपक्ष को कुछ गलत लगता है, तो वह सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है। सचिव की बात छोड़ भी दें, तो संयुक्त सचिव पद के लिए भी कमोबेश 15 साल का अनुभव अनिवार्य है। निदेशक/उपसचिव के लिए भी 10 साल का अनुभव जरूरी है। जो युवा आज आईएएस बन रहे हैं अथवा बनना चाहते हैं, उन्हें शुरुआती दौर में एसडीएम या सहायक कलेक्टर आदि पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। सरकार अपेक्षाकृत वरिष्ठ पदों पर विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाना चाहती है।

> लोकसभा चुनाव में उनका यह 'हथियार', कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को 'ब्रह्मसत्य' मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है।

यूरोप में हिटलर को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं

इतिहास के उन ओझल पन्नों की याद

> कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं।

अगस्त का महीना हमारी आजादी के इतिहास को ही समेटे नहीं है, बल्कि इस महीने के साथ कई क्रांतियों का गौरवमयी इतिहास भी समाहित है। तारीख में उन घटनाओं को तवज्जो तो मिली है, लेकिन भावी इतिहास के संदर्भ में उनके असर को अहमियत नहीं दी गई है। बलिया, तामलुक और सतारा की क्रांतियों और वहां स्वाधीन भारत से पहले ही सुराजी या स्थानीय सरकार की स्थापनाओं ने भावी इतिहास पर कितना असर डाला, इस नजरिए से उन्हें नहीं देखा-समझा गया। नौ अगस्त 1942 की सुबह मुंबई में कांग्रेस के पूरे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं। जैसे-जैसे ये जानकारी पहुंची, इलाकों में अंग्रेज सरकार के खिलाफ बढ़ता चला गया।

यूरोपीय देशों की सभ्यता की इतिहासकार जब भी चर्चा करते हैं, ब्रिटिश और फ्रेंच समाज को सबसे ज्यादा सुसंस्कृत माना जाता है। लेकिन ब्रिटिश समाज कितना सभ्य था, इसे भारत में किए उसके दमन से समझा जा सकता है। दिलचस्प यह है कि बयालिस की क्रांति के दौरान ही दूसरा विश्व युद्ध जारी था। यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं। तब जर्मन शासक हिटलर यूरोप की नजर में असभ्य था। हिटलर को असभ्य और अमानवीय बताने वाली ब्रिटिश सरकार भारत में उन्हीं दिनों हिटलर जैसा ही कहर ढा रही थी। इतिहास में बयालिस की क्रांति और अंग्रेजों के दमन को इस नजरिए से भी कभी व्याख्यायित नहीं किया गया।

बयालिस के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों का दमनचक्र हर

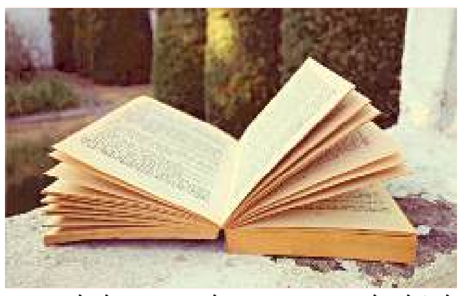

उस इलाके में पूरी क्रूरता के साथ चला, जहां के लोगों ने सुराज के लिए आवाज बुलंद की। बलिया को कुछ ज्यादा ही दमनचक्र से गुजरना पड़ा। इसकी वजह यह रही कि बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया। 18 अगस्त को बैरिया, रसड़ा, सुखपुरा आदि जगहों पर हुई अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें नौजवानों और छात्रों के बलिदान से बलिया का खून खौल उठा। तकरीबन करीब दस लाख की आबादी सड़कों पर उतर आई। रेलवे लाइनें उखाड़ डाली गईं, थाने और तहसील लूट लिए गए। दिलचस्प यह है कि तब बलिया के कलेक्टर कोई अंग्रेज नहीं, भारतीय जगदीश्वर चंद्र निगम थे। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ा कि निगम को हारकर बलिया जेल में बंद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चित्तू पांडेय को छोड़ना पड़ा। 19 अगस्त के दिन बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया और चित्तू पांडेय उस सरकार के मुखिया बने, जबकि क्रांतिकारी महानंद मिश्र पुलिस प्रमुख। इस आजादी के बाद जिस व्यवस्था ने पांच-छह दिनों तक व्यवस्था चलाई, उसे 'सुराजी सरकार' नाम दिया गया था। बलिया के साथ मिदिनापुर के तामलुक और महाराष्ट्र के सतारा में भी ऐसी ही देसी सरकारें बनीं। तीनों जगह पांच से लेकर हफ्तेभर में अंग्रेजी हुकूमत ने कब्जा कर लिया और उसके बाद जो दमन चक्र चला, सिहरन के साथ उसे याद करने वाली पीढ़ी भी अपनी उम्र पूरी करके दुनिया को विदा कह चुकी है। इसके बावजूद वह दमन बलिया के लोगों के रगों में आज भी दौड़ रहा है।

ब्रिटिश 23 अगस्त की रात में संयुक्त प्रांत के ब्रिटिश गवर्नर हैलेट ने बनारस के कमिश्नर नेदर सोल को बलिया का प्रभारी जिलाधिकारी बना कर बलूच फौज के साथ भेजा..इसी दिन दोपहर में बक्सर की ओर से जलमार्ग से मार्क स्मिथ और 24 अगस्त की सुबह आजमगढ की ओर से कैप्टन मूर के नेतृत्व में ब्रिटिश फौज बलिया पहुंची और फिर वह बलिया में हिटलर की नाजी सेना बन गई। दमन के आगे निहत्थी जनता कितने दिन तक टिकती। बलिया का सत्ताहस्तांतरण खारिज करके उस पर ब्रिटेन का कब्जा कर लिया गया। हैलट ने ब्रिटिश भारत के सचिव को अगस्त 42 के आखिर में बलिया पर कब्जे का टेलीग्राम भेजा और बीबीसी ने इस पर खबर प्रसारित की।

बलिया की आजादी और हिंसा को लेकर सवाल भी उठाए गए। जाहिर है कि सवाल उठाने वाले ब्रिटिश सभ्यता पोषक ही थे। लेकिन अहिंसा के पुजारी गांधी ने उन सवालों को खारिज कर दिया था। उन्होंने बलिया की घटनाओं के लिए ब्रिटिश सरकार के दमन और अत्याचार को ही जिम्मेदार बताया था। अहमदनगर जेल से छूटते ही बलिया को लेकर जवाहर लाल नेहरू ने जो कहा था, वह भी अहम है। उन्होंने कहा था कि उस हालात में वे भी ऐसा ही करते, जैसा बलिया वालों ने किया।

इस घटना के दो दशक पहले असहयोग आंदोलन के दौरान भी बलिया पर ब्रिटिश सरकार के अत्याचार झेलने पड़े थे। गांधी जी को इसकी रिपोर्ट उनके सबसे छोटे बेटे देवदास गांधी ने भेजी थी, जिसके आधार पर गुजराती नवजीवन में गांधी जी ने बलिया पर लेख लिखा था। पूरी दुनिया बलिया को अक्खड़ बताती है, लेकिन इस लेख में गांधी जी बलिया वालों को सज्जन बताते हैं। 1925 में बलिया पहुंचे जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि वे बलिया की सरजमीं को चूम लेना चाहते हैं।

इतिहास को बदलने में इन घटनाओं की अहम भूमिका रही है। इनके चलते आंदोलनकारी इलाकों ने इतिहास ही नहीं, बाद के दौर में भी कीमत चुकाई है। यह कीमत कभी पिछड़ापन के रूप में दिखती है तो कभी मूल्यांकन की कमी के रूप में। इतिहास की खासियत है कि वह नए संदर्भों में फिर से नए सिरे से उठ खड़ा होता है। यह इतिहास उठ रहा है और अपना हक मांग रहा है।

दृष्टि कोण

माहौल बनाओ, छात्रों का प्लायन रोको

आज स्कूलों में शिक्षा मुफ्त है, वर्दी मुफ्त है, भोजन मुफ्त है, दवाइयां मुफ्त है, स्कॉलरशिप है, परंतु हालात-ए-हाजिर बताते हैं कि प्रदेश के सरकारी स्कूल घटती हुई छात्र संख्या की समस्या से दो-चार है। सोचा क्या था और हो क्या गया, ये परेशानी का सबब है। निस्संदेह कोई भी नीति बेहतरी के लिए ही बनाई जाती है, परंतु परिणाम सफलता-असफलता तो जमीनी कार्यान्वयन व प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। शिक्षा नीति कोई भी हो, अमलीजामा तो उसे स्कूल में कार्यरत अध्यापक ने पहनाना है। ग्राउंड जीरो पर तैनात वह क्या करता है, यही शिक्षा की दशा को निर्धारित करता है। सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या का एक बहुत बड़ा तत्त्व है स्कूलों की साख, जो माहौल और वर्क कल्चर पर निर्भर करती है। यदि माइक्रो लैवल पर हर एक स्कूल छोटी-छोटी बातों पर खुद का ध्यान केंद्रित करे, तो निस्संदेह स्थिति सुधरने की संभावना है क्योंकि छोटे-छोटे सुधार ही बड़े-बड़े सुधारों के आधार बनते हैं। वो ऐसा है कि किसी स्कूल में सवेरे छात्रों के प्रवेश से ले कर उनके गृह प्रस्थान तक जो-जो भी घटता और चलता है, उसकी खबर हर शाम उतने घरों तक पहुंचती है, जितने घरों के बच्चे वहां पढने आते हैं। इस तरह समाज में उस स्कूल की एक छवि बन जाती है। ये बात हर अध्यापक को गांठ बांध लेनी चाहिए कि अन्य विभागों के दफ्तरी समय की तरह स्कूलों का कार्य शुरू नहीं होता, बल्कि पहली घंटी बजने के साथ हो जाता है। उससे भी पहले कहा जाए तो गलत नहीं होगा। उदाहरणतः यदि स्कूल का समय दस बजे का है, तो बहुत से छात्र साढ़े नौ बजे के आसपास ही स्कूल पहुंच जाते हैं क्योंकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों से बसों में आते हैं जिनका समय अलग-अलग होता है। इस बीच स्कूल में अगर कोई देखरेख करने वाला अध्यापक मौजूद नहीं है, तो जाहिर है अव्यवस्था का माहौल होगा। बच्चे तो बच्चे होते हैं, बचकानी हरकतें कर सकते हैं। यही वह समय होता है, जब छात्र अवांछित गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं, जिनमें लड़ाई-झगड़ा, नशे का सेवन, छात्राओं से छेड़ख़ानी की घटनाएं शामिल हैं। ऐसे में अच्छे छात्रों की भी इन गतिविधियों में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती हैं और चमकते हुए चांद टूटे हुए सितारे बन जाते हैं, क्योंकि सभी छात्र इतने परिपक्व तो नहीं होते कि रहीम जी के चंदन के वृक्ष बन जाए, जिन पर भुजंगों का असर नहीं होता। बहुत से सेब की तरह भी होते हैं, जो एक सड़े हुए सेब की सोहबत में सड़ जाते हैं। अतः विद्यालय प्रमुख को चाहिए कि दैनिक आधार पर बारी-बारी से अध्यापकों को सवेरे छात्रों की निगरानी के लिए तैनात करे। प्रातःकालीन सभा किसी भी स्कूल का आईना होती है। जितनी बेहतर यह सभा होगी, उतनी बेहतर उस स्कूल की छवि समाज में बनती है। इस समय छात्रों का टर्नआऊट व क्रियाकलाप कैसा है, इस बात का ध्यान रखना अध्यापकों का दायित्व बन जाता है। यह समय अध्यापकों के लिए छात्रों से संवाद करने का सबसे बढिया मौका होता है। कक्षा में ही नहीं, कक्षा के बाहर आध्यापकों का छात्रों से संवाद का लहजा कैसा है, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। प्रातः कालीन सभा पर स्कूल के आसपास रहने वाले लोगों की नजर रहती है। यह स्कूल के हर अध्यापक का कत्र्तव्य है कि वह छात्रों से संवाद करे व उनके सर्वांगीण विकास में मदद करें। प्रातःकालीन सभा के क्रियाकलाप जैसे समाचार वाचन, भाषण, प्रार्थना, राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत यदि बेहतरीन हो जाए, तो स्कूल की छवि में चार चांद लग जाते हैं। इससे पूरे क्षेत्र में स्कूल के बारे में सकारात्मक संदेश जाता है। इसी तरह छुट्टी का समय भी महत्त्वपूर्ण है। इस समय अध्यापकों का छात्रों से पहले कक्षा से बाहर आना अखरता है और यह भी एक अराजक स्थिति पैदा करता है। सुनिश्चित किया जाए कि छात्रों के स्कूल से बाहर निकलने से पहले अध्यापक स्कूल न छोड़ें। यह सुनिश्चित हो कि छात्र तरतीब से बाहर निकले अर्थात कक्षावार बाहर निकलें न कि एक साथ। इन बातों पर विद्यालय प्रमुख की निगरानी नित्तांत आवश्यक है। अध्यापक के छुट्टी पर होने से खाली कक्षाओं का समायोजन नियमित रूप से होना चाहिए। जब कोई वैकल्पिक विषय का पीरियड होता है, तो अकसर छात्र कमरे बदलते हैं। उस समय भी अध्यापक सुनिश्चित करें कि छात्रों की आवाजाही के बाद ही कक्षा से बाहर आएं अन्यथा रोज अफरा तफरी का माहौल बना रहेगा। ये बात भी जरूरी है कि स्कूलों में छात्रों के बहुआयामी विकास के लिए गतिविधियां होती रहें। जहां संख्या माकूल है, वहां छात्रों को विभिन्न सदनों में बांटा जाए और अंतर सदन प्रतियोगिताओं के आयोजन में अध्यापक निरंतर रुचि दिखाएं। कम संख्या वाले स्कूलों में अंतर कक्षा स्पर्धाएं करवाई जा सकती हैं। विभिन्न अंतर विद्यालय खेल, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में स्कूल का क्या प्रदर्शन रहता है, इस बात से भी स्कूल की छवि बनती है। विद्यालय में चल रही एनएसएस, स्काउट एंड गाइड, एन सी सी, इको क्लब इत्यादि इकाइयों का निरंतर क्रियाशील होना भी आवश्यक है। कहीं फोटो खींच कर ही इतिश्री करने का काम तो नहीं हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी अध्यापक डिमोटिवेटिड सा हो गया है। अतः जिला व राज्य स्तर पर समय-समय पर अध्यापकों के लिए मोटिवेशनल कार्यशाला या सेमिनार का आयोजन किया जाए।

कुछ अलग

कुरसी पर बंदर...

उत्तर प्रदेश की पुलिस अकसर चर्चाओं में बनी रहती है। कभी लाठी के ऊपर घुड़सवारी की प्रेक्टिस के कारण तो तो कभी मुंह से गोलियां चला कर। कभी उदंड कांवडियों पर हेलिकाप्टर से फूल बरसा कर तो कभी फजऱ्ी एनकाऊंटर में लोगों को गोली का निशाना बना कर। उसे नेताओं की तरह किसी न किसी बहाने चर्चा में बने रहने का पुराना अभ्यास और अनुभव जो है। लेकिन फिलहाल चर्चा है अयोध्या राम जन्मभूमि थाने के कोतवाल द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अपनी कुरसी पर बंदर को बिठा कर सलामी देने की। कोतवाल बाकायदा बावर्दी अपने नंग-धडंग पूर्वज को सलाम ठोक रहे हैं। फोटो अखबारों में छपे हैं और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। खैर! पुलिस को अपने सीनियर को सलाम ठोकने के अलावा नेताओं को सैल्यूट मारने होते हैं। अपने सीनियर को पुलिस वाले उनकी वरिष्ठता के हिसाब से सलाम ठोकते हैं। लेकिन नेताओं को पुलिस अपना पूर्वज समझ कर सलाम ठोकती है या फिर उनका रुतबा देख कर। पहले आम आदमी को यह समझने में थोड़ी दिक्कत हो सकती थी। पर आज़ादी के अमृत काल में सत्ताधीशों ने अपनी हरकतों से जिस तरह आदमी और बंदर के बीच की खाई को सफलता से पाटा है, उससे तो यही लगता है कि राम जन्मभूमि थाना के कोतवाल साहिब की बंदर को दी गई सलामी बेकार नहीं गई। हो सकता है उनकी इस सफलता को देखते हुए जल्द ही उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी साहिब या मुख्य मंत्री स्वयं पहल करते हुए राष्ट्रपति पदक के लिए कोतवाल साहिब के नाम की अनुशंसा कर दें। इस बात की भी पूरी संभावना है कि हनुमान को आदिवासी बताने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी कोतवाल साहिब की इस हनुमान भक्ति को देखते हुए उन्हें यूपीएसी की लेट्रल एंट्री की तरह पिछले दरवाजे से राज्य के डीजीपी के पद पर बिठा दें। संभावनाएं अपार हैं। हो सकता है कि उनकी इस हनुमान भक्ति को देखते हुए केंद्र सरकार उन्हें किसी प्रदेश का राज्यपाल बना दे या केंद्रीय विश्वविद्यालय का वीसी बना दे। अगर किस्मत ज्यादा मेहरबान हुई तो उप राष्ट्रपति का पद भी मिल सकता है। राष्ट्रपति होने की काबिलीयत थोड़ी अलग है। मुश्ताक अहमद यूसुफ़ी ने बंदर की प्रशंसा में लिखा है कि बंदर में हमें इसके इलावा और कोई ऐब नजऱ नहीं आता कि वो इनसान का जद्द-ए-आला (पूर्वज) है। शायद इसी बात को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी ने तीन बंदरों को प्रतीक बना कर बुरा न सुनने, बुरा न बोलने और बुरा न कहने के सिद्धांत को समाज के सामने रखा था। लेकिन भारतीयों ने बापू की अन्य बातों की तरह उनके इन तीन सिद्धांतों को भी हवा में उड़ा दिया। बस याद रखा तो उनके बंदरों को और उन्हें इज़्ज़त देते हुए कुरसियों पर बिठा दिया। चाल्र्स डार्विन ने थ्येरी ऑफ इवोल्यूशन में बताया है कि हम कैसे बंदर से इंसान बने। उनका मानना था कि हम सभी के पूर्वज एक हैं। उनमें आए बदलाव उनके आगे की पीढ़ी में दिखने लगे। पर मेरा मानना है कि आदमी के अंदर का बंदर अभी भी ज़िंदा है और मौका देख कर बाहर आ जाता है। फिर चाहे वह झोंपड़ी में रहे या राष्ट्रपति भवन में। ट्रंप की हरकतों से कभी नहीं लगा कि उनके भीतर का बंदर वाशिंगटन छोड़ कर गया है। सदन की कार्यवाही का लाईव प्रसारण देख कर शहर में होने का भ्रम समाप्त हो जाता है। अपनी इस हीन ग्रंथि से छुटकारा पाने के लिए नेताओं ने एनसीईआरटी की नौवीं और दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से चाल्र्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को हटवा दिया ताकि हमें याद न रहे कि कभी हमारे पूर्वज बंदर थे। लेकिन सवाल है कि आदमी उन हरकतों से कैसे छुटकारा पा सकता है जो आज भी उसके बंदर होने का प्रमाण देती हैं। इतिहास में अपने अनुकूल बदलाव किए जा सकते हैं।

देश दुनिया से

समय की सबसे बड़ी मांग अक्षय ऊर्जा

> ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं।

पूरी दुनिया में पारंपरिक ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को 'श्योर, प्योर और सिक्योर' बताते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट रेखांकित कर चुके हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है कि भारत दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। देश में अक्षय ऊर्जा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। प्रदूषणकारी और सीमित मात्रा में उपलब्ध पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा से ही ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अब देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से उत्पादित होने वाली बिजली के कारण वातावरण में प्रतिवर्ष लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में यह संतोषजनक स्थिति ही है कि भारत इस मामले में दुनिया का चौथा देश है और नई-नई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। कर्नाटक के पावगाड़ा में दो हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सोलर पार्क सहित देश में रीवा से भी ज्यादा सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे कुछ और सोलर पार्क भी देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बहरहाल, अक्षय ऊर्जा को लेकर यह जानना बहुत जरूरी है कि अक्षय ऊर्जा आखिर है क्या और इसके स्रोत कौन से हैं? अक्षय ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो असीमित और प्रदूषणरहित है या जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वारभाटा, भूताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के रूप में सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्रोत है, जिसकी रोशनी स्वतः ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है। यदि हम सूर्य की इस रोशनी को सौर ऊर्जा में परिवर्तित नहीं भी करते हैं, तब भी यह रोशनी तो पृथ्वी पर आती ही रहेगी लेकिन क्योंकि सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीमित ऊर्जा के उपयोग से न तो यह ऊर्जा घटती है और न ही इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, इसीलिए सूर्य से प्राप्त होने वाली इस ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा कहा जाता है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत ही आज अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी मांग है। दरअसल पूरी दुनिया इस समय पृथ्वी के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित है, इसीलिए कोयला, गैस, पेट्रोलियम पदार्थों जैसे ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। भारत सहित कई प्रमुख देशों में अब थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल को कम करते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जाने लगा है। दरअसल आज स्वच्छ वातावरण के लिए कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की पूरी दुनिया को जरूरत है और इन्हीं जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री 'वन वल्र्ड, वन सन, वन ग्रिड' की बात करते हुए इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ चुकी है। इसके अलावा करीब साढ़े तीन दशक पूर्व पवन ऊर्जा से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की शुरू की गई पहल के बाद से देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता भी काफी बढ़ चुकी है। चीन, अमरीका और जर्मनी के बाद भारत अब पवन ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी चौथे स्थान पर है। फिलहाल जिस प्रकार देश में शुद्ध, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अगले कुछ दशकों में देश की कोयला, गैस इत्यादि प्रदूषण पैदा करने वाले स्रोतों से ऊर्जा पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक भारत की अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता को 500 गीगावॉट तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है और 2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करने, दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है।

आप का नजरिया

डॉक्टरों की हड़ताल

निश्चित रूप से कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज के अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की दुराचार के बाद की गई हत्या ने पूरे देश को झकझोरा है। यह हमारे लिये शर्मनाक घटना है कि देर रात मरीजों को नया जीवन बांटने में लगी जूनियर डॉक्टर की अस्मिता व जीवन की रक्षा हम नहीं कर पाये। इस घटना के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने हड़ताल का आह्वान किया था। जो हमारी स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के भीतर व्याप्त गंभीर संकट को ही उजागर कर गई। निस्संदेह, डॉक्टरों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है, उनकी न्याय की मांग भी उचित है, लेकिन गंभीर रोगों से जूझ रहे मरीजों खासकर गरीब मरीजों पर इस हड़ताल का असर बेहद चिंताजनक है। पहले ही देश में स्वास्थ्य व्यवस्था अपर्याप्त सुविधाओं और अत्यधिक बोझ से ग्रस्त है। ऐसे में कमजोर वर्ग के मरीजों को इस विरोध का खमियाजा भुगतने को मजबूर करना न तो उचित ही है और न ही मानवीय है। इसमें दो राय नहीं कि चिकित्सा वर्ग की सुरक्षा व संरक्षा की मांग तार्किक है, जिसे नजरअंदाज नहीं ही किया जाना चाहिए। रात-दिन मुश्किल हालात में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले डॉक्टरों को जिन संकटों से गुजरना पड़ता है, उसको लेकर चिंता होना वाजिब ही है। उचित होता यदि रोगियों की देखभाल की अनदेखी किये बिना संतुलित तरीके से समस्या का समाधान निकाला जाता। काले बैज पहनकर क्रमिक हड़ताल करना इसका एक प्रभावी विकल्प हो सकता था। कहने का अभिप्राय है कि डॉक्टरों को अपनी चिंताओं को भी अभिव्यक्त करना चाहिए लेकिन आवश्यक चिकित्सा सेवाएं भी बाधित नहीं होनी चाहिए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पहले भी हड़तालों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध रूप से चलाया जाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। साथ ही चिकित्सकों के रोगियों के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी निभाने पर भी बल दिया गया था। सरकार को इस दिशा में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार को चिकित्सा व्यवस्था के बुनियादी ढांचे में बदलाव करके पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। जिससे डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही उनके असंतोष के मूल कारणों को भी संबोधित किया जा सके। उदाहरणतः रात की पाली में काम करने वाले डॉक्टरों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराये जाने चाहिए। ऐसे वक्त में जब गरीब व कमजोर वर्ग के मरीजों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अपने आप में एक चुनौती है, अक्रोशित डॉक्टरों की हड़ताल उनकी पीड़ा को ही बढ़ाती है। यह एक हकीकत है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते देश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। जिसकी कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। इस संकट के समाधान के लिये केंद्र सरकार को तेजी से काम करना चाहिए। सरकार की कोशिश हो कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग को नुकसान पहुंचाए बिना तत्काल न्याय दिया जाए। मरीजों की सेहत देखभाल के मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ डॉक्टरों की वाजिब चिंताओं को दूर करना सरकार का अनिवार्य नैतिक दायित्व है।

संतरा डायबिटीज फ्रेंडली डाइट का हो सकता है हिस्सा, पौष्टिक तत्वों का है खजाना

लंदने, 20 अगस्त (एजेंसियां)। वास्तव में संतरा डायबिटीज फ्रेंडली डाइट का हिस्सा हो सकता है। हालांकि आपको अपनी डाइट को सीमित करना पड़ सकता है। संतरा फाइबर, विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पौष्टिक तत्वों का खजाना है। जब इसे कम मात्रा में खाया जाता है, तो यह सिट्रस फ्रूट डायबिटीज वाले लोगों के लिए एकदम परफेक्ट होता है। आइए इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं।

संतरा में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। इससे पेट की हेल्थ ठीक रहती है। फाइबर रिच फूड ब्लड शुगर लेवल मैनेज करता है। एक मीडियम साइज के संतरे में लगभग 4 ग्राम फाइबर की मात्रा होती है। हालांकि इसका सेवन एक निश्चित मात्रा में किया जाना चाहिए। अत्यधिक मात्रा नुकसानदायक हो सकती है। जानकारी के मुताबिक खाना कितनी जल्दी आपकी बॉडी में जाकर ब्लड शुगर को प्रभावित करता है, यह ग्लाइसेमिक इंडेक्स मापता है। कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाले खाद्य पदार्थों के सेवन करने से ब्लड शुगर में सुधार हो सकता है। उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स खाद्य पदार्थ जो ब्लड शुगर लेवल में तेजी से बढ़ा सकते हैं, उनमें सूखे मेवे, ब्रेकफास्ट सीरियल्स और ब्रेड शामिल हैं। संतरे में ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। यह आपके ब्लड शुगर लेवल में धीमे ट्रिगर करता है। संतरे का सेवन डायबिटीज में सुरक्षित है।

संतरा एंटीऑक्सीडेंट्स से भी भरपूर होता है। यह डायबिटीज के मरीजों को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस, इंसुलिन रेजिस्टेंस और इन्फ्लेमेशन से बचाता है। संतरे को फ्लेवोनॉयड एंटीऑक्सीडेंट का रिच सोर्स माना जाता है। संतरे में कई विटामिन और मिनरल्स होते हैं जो डायबिटीज वाले लोगों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद हो सकते हैं। एक मीडियम साइज के संतरे में भी दैनिक जरूरत का लगभग 91प्रतिशत विटामिन सी होता है। यह आपके शरीर में एक एंटीऑक्सिडेंट स्ट्रेस से मुकाबला करते हैं। बता दें कि डायबिटीज के मरीजों को अपना शुगर लेवल सामान्य रखने के लिए सावधानी बरतनी होती है। शुगर लेवल सही आहार, व्यायाम और दवाओं के जरिए नियंत्रण में रखा जाता है। लोगों में एक गलत धारणा है कि संतरा खाना डायबिटीज वाले लोगों के लिए खतरनाक है।

न्यूज ब्रीफ

बीएनपी नेता के घर पर हमले के मामले में बांग्लादेश की पूर्व विदेश मंत्री दीपू मोनि गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व विदेश एवं समाज कल्याण मंत्री दीपू मोनी को एक वरिष्ठ बीएनपी नेता के घर पर हमला करने के आरोप में सोमवार को गिरफ्तार किया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। ज्ञात रहे कि की दीपू मोनी अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अगुवाई वाली अवामी लीग पार्टी की नेता और पूर्व विदेशमंत्री थे। जानकारी के अनुसार ढाका मेट्रोपोलिटन पुलिस की जासूसी शाखा के संयुक्त आयुक्त (उत्तर) मोहम्मद रबीउल हुसैन भुइयां ने ढाका से मोनि (58) की गिरफ्तारी की पुष्टि की। जासूसी शाखा के एक और अधिकारी के हवाले से मीडिया ने कहा, ''अब हम उन्हें मिंटो रोड पर डीबी दफ्तर ले जा रहे हैं। उनके खिलाफ चांदपुर में एक मामला है। उन्हें मामले में गिरफ्तार दर्शाया जा सकता है। गत 15 अगस्त को पूर्व मंत्री और उनके भाई जेआर वदूद टीपू के खिलाफ चांदपुर में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के जिला अध्यक्ष शेख फरीद अहमद मानिक के आवास पर हमला करने का मामला दर्ज किया गया था।

तूफान के टकराने से सागर में डूबी सुपरयॉट, ब्रिटेन का टेक माइक लिंच लापता, पत्नी को बचाया गया

लंदन। दक्षिणी इटली के तट पर आए तेज तूफान के बाद एक सुपरयॉट के डूबने के बाद से ब्रिटेन के

व्यवसायी माइक लिंच लापता हैं। हाल ही में लिंच को अमेरिका में 11 बिलियन डॉलर की धोखाधड़ी मामले में बरी किया गया था। यह जानकारी इटली की सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी ने साझा की। अचानक तूफान आने से द बायेसियन पलेर्मो के पूर्व में पोटिंसेलो के पास खड़ी 56 मीटर लंबी लग्जरी सुपरयॉट पोर्टिसेलो के पास खड़ी थी। जो सागर में डूब गई। सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी के साल्वो कोकिना के अनुसार सिसिली तट पर तूफान और बारिश के बीच लग्जरी यॉट के डूबने के बाद बचाए गए 15 लोगों में लिंच की पत्नी भी शामिल हैं जबकि छह अन्य लापता हैं। इतालवी अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। 59 वर्षीय लिंच को जून की शुरुआत में सैन फ्रांसिस्को की एक अदालत ने बरी किया था। उन पर अपनी सॉफ्टवेयर फर्म ऑटोनॉमी को हेवलेट-पैकार्ड को बेचने से जुड़े बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। लिंच ने 1996 में कैम्ब्रिज में ऑटोनॉमी की सह-स्थापना की। आपराधिक आरोपों पर मुकदमा चलाने के लिए उन्हें ब्रिटेन से अमेरिका प्रत्यर्पित किया गया था। लिंच को दो दशक तक जेल में भी रहना पड़ा था। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई की। लिंच एक प्रसिद्ध प्रौद्योगिकी क्षेत्र के उद्यमी और निवेशक हैं जिन्हें कभी-कभी बिल गेट्स के लिए यूके का जवाब कहा जाता है, उन्होंने ब्रिटेन और उसके बाहर कई पुरस्कार और प्रशंसाएं जीती थीं। बताया जा रहा है कि लिंच कंपनी के सहकर्मियों के साथ नाव पर सवार थे। तभी विध्वंसकारी तूफान आ गया।

ट्रंप के ऐलान के बाद नई पारी शुरु कर सकते हैं एलन मस्क

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने चुनाव जीतने पर एलन मस्क को

कैबिनेट पद देने या व्हाइट हाउस में सलाहकार बनाने की पेशकश कर दी है। इधर, मस्क भी नई भूमिका के लिए तैयार नजर आ रहे हैं। अमेरिका में नवंबर में चुनाव होने हैं। ट्रंप का मुख्य मुकाबला डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस से है। मस्क ने विभाग के संकेत भी दे दिए हैं। मंगलवार को उन्होंने पोस्ट किया, मैं सेवाएं देने के लिए तैयार हूं। उन्होंने एक फोटो भी पोस्ट किया, जिसमें लिखा है, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशीएंसी।ट्रंप से पूछा गया कि क्या वह मस्क के लिए एडवाइजर की भूमिका या कैबिनेट पोस्ट पर विचार करेंगे। इसपर उन्होंने कहा, वह बहुत ही स्मार्ट हैं। अगर वह ऐसा करेंगे, तो मैं निश्चित रूप से यह काम करूंगा। वह बहुत ही समझदार व्यक्ति हैं। इसके अलावा ट्रंप ने इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर 7500 डॉलर टैक्स क्रेडिट को भी खत्म करने पर विचार करने की बात कही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इसपर वह अंतिम फैसला नहीं ले रहे हैं। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस डेमोक्रेटिक पार्टी में उत्साह और अमेरिकियों के बीच अपनी लोकप्रियता में वृद्धि के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगी। हाल में हुए एक नए सर्वेक्षण के मुताबिक, अमेरिका के लगभग आधे वयस्क (48 प्रतिशत) हैरिस के बारे में बहुत या कुछ हद तक अनुकूल दृष्टिकोण रखते हैं।

रूस और यूक्रेन के हमले एक-दूसरे पर जारी

पूर्वी यूक्रेन के एक और शहर पर रूस का कब्जा 53 हजार लोगों को क्षेत्र खाली करने के आदेश

मॉस्को, 20 अगस्त (एजेंसियां)। रूस पर यूक्रेन के ताजा हमलों के बीच रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के एक और शहर पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र में जालिजने टाउन पर कब्जा कर लिया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसके सुरक्षाबलों ने पूर्वी यूक्रेन के डोनेस्क क्षेत्र में जालिजने टाउन पर कब्जा कर लिया है। इसके साथ ही रूस डोनेस्क क्षेत्र के ही टोरेस्क और पोकरोवस्क की ओर आगे बढ़ रहा है। वहीं यूक्रेन ने कुर्स्क में सोमवार को सियाम नदी पर बने तीसरे पुल को नष्ट कर दिया है।

दूसरी ओर, रूस के कुर्स्क क्षेत्र के बड़े हिस्से पर नियंत्रण कर चुकी यूक्रेनी सेना भी स्थिति मजबूत करने में लगी है। उसने सोमवार को यहां एक और पुल को नष्ट कर दिया है। रूस जालिजने को सोवियत काल के एर्टियोमोवो नाम से पुकारता है। इसे माइनिंग टाउन के रूप में जाना जाता है।

यह डोनबास क्षेत्र में लंबे समय से यूक्रेनी बलों के अभियान का आधार बना हुआ था। जंग से पहले जालिजने की आबादी पांच हजार थी, जबकि टोरेस्क में 30 हजार लोग निवास करते हैं। वहीं, यूक्रेन के स्थानीय प्राधिकारियों ने सोमवार को पोकरोवस्क शहर के नागरिकों को क्षेत्र को खाली करने का आदेश जारी किया है। यहां 53 हजार लोग रहते हैं। आशंका जाहिर की है कि रूसी सेना यहां बहुत जल्द पहुंच सकती है।

दूसरी ओर, जर्मनी द्वारा यूक्रेन को अपनी बजट मजबूरियों को हवाला देकर सहायता रोकने से सोमवार को यूरोपीय स्टॉक गिर गया। मीडिया के हवाले से शनिवार को कहा गया था कि जर्मनी के वित्त मंत्रालय ने यूक्रेन को सैन्य सहायता को मंजूरी नहीं दी है। रूस ने जांचकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि यूक्रेन ने कुर्स्क में सोमवार को सियाम नदी पर बने तीसरे पुल को नष्ट कर दिया है। इस क्षेत्र में यूक्रेनी बलों ने दो सप्ताह पहले घुसपैठ की थी। एक दिन पहले भी एक पुल को नष्ट किया था। वहीं, रूस ने कहा है कि कुर्स्क में यूक्रेन के हमले का मतलब है कि वह केवल शांति प्रस्तावों को रख रहा है, उसका इरादा शांति वार्ता का नहीं है।

रूस में 92 ठिकानों पर है यूक्रेन का नियंत्रण : जेलेंस्की

कीव। राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा है कि यूक्रेनी सेना ने पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 92 बस्तियों पर नियंत्रण कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर कहा कि यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी

यूक्रेनी सैनिकों ने 1,250 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा रूसी क्षेत्र पर कर लिया है कब्ज़ा

क्षेत्र पर कब्ज़ा कर लिया है। ज़ेलेंस्की ने कहा कि हमारे देश के सुमी क्षेत्र के ठीक सामने रूसी सीमा क्षेत्र को रूस की सेना से लगभग पूरी तरह से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेनी सेना कुर्स्क क्षेत्र में कई जगहों पर अपना सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। पिछले हफ़्ते यूक्रेनी राष्ट्रपति के सलाहकार मायखाइलो पोडोल्याक ने कहा था कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेन का अभियान दोनों देशों के बीच संभावित शांति वार्ता से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन रूसी क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने में दिलचस्पी नहीं रखता। हालांकि, इसके जवाब में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि रूस की सीमा पर यूक्रेन के हमलों का उचित जवाब दिया जाएगा। रूसी सेना का पहला काम कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को हटाना है। यूक्रेन ने 6 अगस्त को कुर्स्क क्षेत्र में सैन्य अभियान शुरू किया था। 15 अगस्त को यूक्रेनी सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ अलेक्सांद्र सिरस्की ने कहा कि उनकी सेना ने इस क्षेत्र में 82 बस्तियों पर कब्जा कर लिया है। उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस के सीमावर्ती कुर्स्क क्षेत्र पर हमले के बाद यूक्रेन के साथ बातचीत संभव नहीं है। स्थानीय मीडिया के साथ एक साक्षात्कार में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि राष्ट्रपति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कुर्स्क क्षेत्र पर हमलों के बाद बातचीत असंभव है। इस बीच उन्होंने उन आरोपों का खंडन किया कि दोनों देशों ने किसी तीसरे देश से मध्यस्थता के लिए संपर्क किया है और इसे कोरी अफवाह बताया। लावरोव ने यह भी संकेत दिया कि स्विट्ज़रलैंड में यूक्रेन पर सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया रूस के लिए अस्वीकार्य है क्योंकि यह ज़ेलेंस्की के फॉर्मूले को बढ़ावा देने के बारे में है।

नेपाल की विदेशमंत्री राणा ने पीएम से की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नेपाल आने का दिया न्यौता

काठमांडू, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारत दौरे के दौरान नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के तरफ से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को नेपाल की राजकीय यात्रा का निमंत्रण पत्र सौंपा।

नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में हुई इस मुलाकात के दौरान नेपाल-भारत संबंधों पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के बारे में भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा है कि उन्हें नेपाल के विदेश मंत्री राणा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। भारत और नेपाल के बीच घनिष्ठ सभ्यतागत संबंध एक प्रगतिशील और बहुआयामी साझेदारी है और भारत दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी में निरंतर प्रगति की आशा कर रहा है। दिल्ली में नेपाली दूतावास ने जारी बयान में कहा गया है कि इस मुलाकात के दौरान नेपाल को नए हवाई मार्ग उपलब्ध कराने और पंचेश्वर परियोजना, सीमा सुरक्षा, ऊर्जा और अन्य मुद्दों पर चर्चा हुई। दोनों देशों के बीच विदेश मंत्री स्तरीय वार्ता के दौरान द्विपक्षीय संयंत्र बनाने पर सहमत होने की जानकारी भी प्रधानमंत्री मोदी को दी गई। नेपाली दूतावास के मुताबिक, बैठक में व्यापार और परिवहन, निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। नेपाल के तरफ से अब लगभग 1000 मेगावाट बिजली के निर्यात पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए और इससे नेपाल के आर्थिक रूप से और अधिक समृद्ध होने का विश्वास व्यक्त किया। भारत सरकार ने नेपाल की 12 जलविद्युत परियोजनाओं से 251 मेगावाट बिजली के निर्यात को मंजूरी दे दी थी। इस मुलाकात के दौरान नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. राणा ने नेपाली क्रिकेट के विकास के लिए भारत के निरंतर सहयोग पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए नेपाल की राष्ट्रीय टीम को प्रशिक्षण के लिए बैंगलौर में सुविधा सम्पन्न ट्रेनिंग कैम्प के आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। द्विपक्षीय पहलों और विकास परियोजनाओं में हुई प्रगति की समीक्षा के अलावा, बैठक में पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के मौजूदा और नए क्षेत्रों में आगे सहयोग के अवसरों पर भी चर्चा हुई।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा

इज़राइल संघर्ष विराम के लिएसहमत हमास से भी ऐसा करने का किया आह्वान

तेल अवीव, 20 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध के बीच एक दिन पहले इजराइल पहुंचे अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सोमवार को कहा कि इजराइल ने गाजा में संघर्ष विराम और बंधकों की रिहाई को लेकर गतिरोध दूर करने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही ब्लिंकन ने हमास से भी ऐसा ही करने का आह्वान किया। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या इजराइल ने चरमपंथी समूह द्वारा जताई गई चिंताओं पर ध्यान दिया है या नहीं।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ सोमवार को ढाई घंटे की बैठक के बाद ब्लिंकन का यह बयान आया है और मंगलवार को उनके मिस्र की यात्रा पर जाने की उम्मीद है। ब्लिंकन ने कहा, ''मंगलवार को प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ एक बेहद सकारात्मक बैठक में उन्होंने प्रस्ताव का समर्थन किया।'' उन्होंने कहा कि हमास का भी इस पर सहमत होना महत्वपूर्ण है। अमेरिका, मिस्र और कतर ने समझौता कराने के लिए कई महीने प्रयास किए, लेकिन वार्ता में बार-बार गतिरोध आते रहे। उन्होंने यह नहीं बताया कि इस समझौता प्रस्ताव में गाजा के अंदर दो रणनीतिक गलियारों पर नियंत्रण की इजराइल की मांगों को माना गया है या नहीं। इस बारे में हमास ने कहा कि यह वार्ता शुरू ही नहीं हो पाई है।

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के बनेंगे चांसलर!

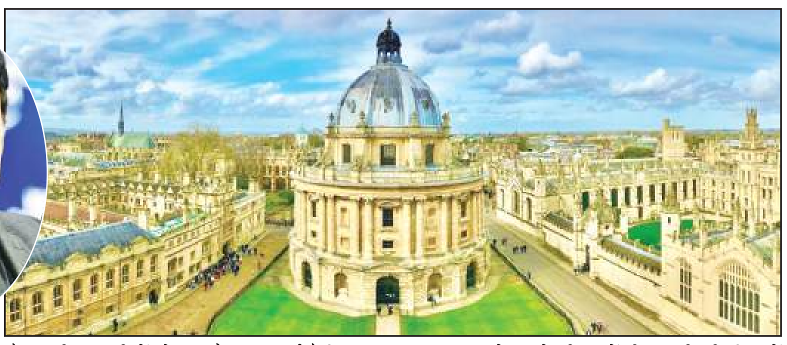

इस्लामाबाद, 20 अगस्त। (एजेंसियां)। जेल में बंद पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान ने ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का अगला चांसलर बनने के लिए आवेदन किया है, उनकी पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी दी। राजनीतिक पार्टी पीटीआई के संस्थापक और अध्यक्ष मशहूर क्रिकेट, इमरान खान ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के छात्र रह चुके हैं। वह जेल में रहते हुए भी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी का चांसलर बनाने चाह हैं। पीटीआई ने एक पोस्ट में कहा कि एक साल से ज्यादा समय तक गैरकानूनी तरीके से जेल में रहने के बावजूद, इमरान अपने सिद्धांतों और उन मुद्दों के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जिनकी वह वकालत करते हैं। जुल्फी बुखारी ने पुष्टि की है कि आवेदन औपचारिक रूप से जमा कर दिया गया है। ऑक्सफोर्ड ने अंतिम लिस्ट जारी नहीं की है लेकिन कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर, थेरेसा और बोरिस जॉनसन भी चुनाव लड़ने वाले हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इमरान खान की पार्टी की घोषणा हांगकांग के अंतिम ब्रिटिश गवर्नर क्रिस पैटन की फरवरी में घोषणा के बाद आई है कि वह ऑक्सफोर्ड चांसलर के रूप में पद छोड़ने वाले हैं। हालाँकि, यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर दस साल की अवधि के लिए उम्मीदवारों की सूची अक्टूबर तक सार्वजनिक नहीं की जाएगी, और मतदान उसी महीने के आखिर में होगा। इमरान खान ने दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र का अध्ययन करने के बाद 1975 में यूनिवर्सिटी से स्नातक की उपाधि हासिल की थी। उन्होंने पाकिस्तान के महानतम क्रिकेट खिलाड़ियों में से एक के रूप में अपना करियर शुरु किया और नियमित रूप से ब्रिटेन की गॉसिप पत्रिकाओं के पन्नों की शोभा बढ़ाते रहे।

इमरान ने अपने जीवन में तीन शादी की, जिसमें ब्रिटिश सोशलाइट और फिल्म निर्माता जेमिमा गोल्डस्मिथ भी शामिल थीं। उन्होंने 2005 से 2014 तक ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय के चांसलर के रूप में भी कार्य किया। खान ने बाद में परोपकार और राजनीति की ओर रुख किया, 2018 से 2022 तक पाकिस्तान के पीएम रहे। खान को 2022 में पीएम पद से हटा दिया गया जब वह विश्वास मत हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने पाकिस्तान की सेना पर हमला करते हुए एक मजबूत वापसी अभियान शुरू किया, जिसके प्रमुख जनरलों ने एक बार उनका समर्थन किया और देश की सड़कों पर भारी भीड़ जमा कर दी।

तालिबानी सरकार को मान्यता नहीं मिलने से फंड किए जा रहे निरस्त

अफगानिस्तान में 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी में गुजार रहे दिन

काबुल, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार बनने के बाद से वहां की स्थिति दिन ब दिन बिड़ती जा रही है। वहां 90 फीसदी से ज्यादा लोग गरीबी की मार झेल रहे हैं। तालिबान के डर से महिलाएं घरों पर रहने को मजबूर हैं। तालिबान सरकार भी परेशानी में है। चरमपंथ की वजह से उसे कोई भी देश तालिनानी सरकार को मान्यता देने को तैयार नहीं है। पश्तो में छात्रों को तालिबान कहते हैं। 90 के दशक में जब रूस, अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी कर रहा था, तब ये संगठन उभरा। इसकी शुरुआत धार्मिक संस्थानों में हुई। 1996 में इस संगठन ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्जा कर लिया। यहां से देश पर चमरपंथी ताकतें राज करने लगीं। वे महिलाओं को पर्दे में रहने और पुरुषों के बगैर घर से न निकलने का आदेश देती थीं। इस्लामिक कानून इतनी कट्टरता से लागू किया कि संगीत पर भी बैन लगा दिया गया।

कट्टरता के चलते तालिबान को आतंकी संगठन का दर्जा दिया जाने लगा क्योंकि वे दूसरे देशों की सीमाओं तक भी अपनी कट्टरता पहुंचा रहे थे। अफगानिस्तान पर तालिबानी राज के दौर में केवल तीन देशों ने उसे मान्यता दी थी। सऊदी अरब, यूएई और पाकिस्तान। ये तीनों ही मुस्लिम बहुल देश हैं। अक्टूबर 2001 से लेकर दिसंबर के बीच अमेरिकी सेनाओं ने तालिबान को करीब करीब

खत्म कर दिया था, लेकिन अंदर ही अंदर चिंगारी सुलगती रही। नतीजा बीस साल बाद इस गुट ने फिर काबुल में वापसी की। इस बार उसने अफगानिस्तान में चुनी हुई सरकार को गिरा दिया। इस माह तालिबानी राज को तीन साल हो चुके लेकिन कई देश इस संगठन को राजनैतिक मान्यता देने को राजी नहीं हैं। मानवाधिकार, खासकर महिलाओं और बच्चियों पर हिंसा के बढ़ते मामलों के बीच दुनिया भर के देशों ने अफगानिस्तान में अपने दूतावास बंद दिए साथ ही तालिबान को देश के नेचुरल रूलर के तौर पर मान्यता देने से भी मना कर दिया। तालिबान को मान्यता न मिलने का खामियाजा उसे ही नहीं, बल्कि पूरे देश को भुगतना पड़ रहा है। उसे वर्ल्ड बैंक और इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड से तब तक कोई मदद नहीं मिलेगी, जब तक कि आधिकारिक दर्जा नहीं मिल जाता। आईएमएफ ने अफगानिस्ता के लिए सारे फंड निरस्त कर दिए हैं। अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश अफगानिस्तान को सबसे ज्यादा लोन दे रहे थे। उसपर भी रोक लगा दी गई है। तालिबानी के चरमपंथ के बावजूद कई देश काबुल से अपने डिप्लोमेटिक रिश्ते बना रहे हैं। इस साल अप्रैल में रूस ने मॉस्को स्थित अफगान एंबेसी तालिबानियों को सौंप दी। इसके अगले ही माह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तालिबान को आतंकी समूहों की लिस्ट से हटाने की बात करते हुए कहा कि मॉस्को को तालिबान से अच्छे संबंध रखने चाहिए। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने तालिबानी अधिकारी को अफगान के राजदूत के तौर पर मान्यता दे दी। हालांकि बीजिंग ने अब तक तालिबान को अफगानिस्तान की वैध सरकार नहीं कहा है, लेकिन ये जरूर कह कि तालिबान को इंटरनेशनल कम्युनिटी से काटा नहीं जाना चाहिए।

समोआ के बल्लेबाज डेरियस विज़सर ने युवराज का तोड़ा रिकॉर्ड, एक ही ओवर में बनाए 39 रन

नई दिल्ली, 20अगस्त (एजेंसियां)। समोआ के बल्लेबाज डेरियस विज़सर ने मंगलवार को दिग्गज भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टी20 विश्व कप क्वालीफायर में विज़सर ने एक ही ओवर में 39 रन बनाकर खेल के टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया।

विज़सर ने युवराज (2007), किरोन पोलार्ड (2021), दीपेंद्र सिंह ऐरी (2024) और निकोलस पूरन (2024) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, इन सभी ने टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे।

इस प्रक्रिया में, विज़सर खेल के टी20ई प्रारूप में शतक बनाने वाले पहले समोआ क्रिकेटर भी बन गए। विज़सर की 62 गेंदों में 132 रन की पारी की मदद से समोआ ने मंगलवार को 2026 विश्व कप क्षेत्रीय क्वालीफायर में वानुअतु पर 10 रन से जीत दर्ज की।

62 गेंदों में 132 रन बनाने वाले विज़सर 46 रन पर थे, जब वानुअतु के नलिन निपिको 15वां ओवर फेंकने के लिए आए, जिसमें समोआ के बल्लेबाज ने छह गेंदों पर 6 छक्के लगाए, इस दौरान निपिको ने तीन नो बॉल भी फेंकी। निपिको ने ओवर की पांचवीं गेंद डॉट बॉल फेंकी, लेकिन इसके बाद दो नो बॉल आईं, जिसमें 28 वर्षीय बल्लेबाज ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया।

विज़सर ने 14 छक्कों और पांच चौकों के साथ अपनी पारी का समापन किया।

युवराज ने 2007 टी20 विश्व कप मैच में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए, पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के अकिला धनंजय के साथ भी यही व्यवहार किया, ऐरी अप्रैल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज बने।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक ओवर में 6 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा के नाम है।

न्यूज ब्रीफ

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका में जुड़ सकते हैं जहीर खान

नई दिल्ली। जहीर खान लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका के लिए बातचीत कर रहे हैं। अगर चल रही बातचीत सफल होती है, तो वह उत्तरी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी में दो प्रमुख हस्तियों की जगह ले सकते हैं। गौतम गंभीर के 2023 में कोलकाता चले जाने के बाद से सुपर जायंट्स में कोई मेंटर नहीं है और मोर्ने मोर्कल के जाने से नई जगह खाली हो गई है। गंभीर और मोर्कल संयोग से या तो पहले ही भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल हो चुके हैं या शामिल होने वाले हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर को गंभीर की भूमिका के लिए चुना जा रहा है और वह लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों को अपनी विशेषज्ञता भी दे सकते हैं। वह खिलाड़ियों और फ्रेंचाइज़ के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ भी होंगे। जहीर को पहले टीम इंडिया में गंभीर की नई व्यवस्था के तहत एक संभावित बॉलिंग कोच के रूप में देखा गया था, विशेष रूप से टीम में और उसके आसपास के युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों को मेंटर करने के लिए – एक ऐसी भूमिका जिसके लिए उन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है। अपने खेल के दिनों में भी, जहीर भारतीय टीम में युवा तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन और मेंटरिंग करने के लिए जाने जाते थे। भारतीय टीम के साथ जहीर खान की संभावित भूमिका साकार नहीं हो पाई, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गंभीर की सिफारिश पर मोर्कल को प्राथमिकता दी। लेकिन पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को आईपीएल में कोचिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने पहले मुंबई इंडियंस के साथ काम किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स सेटअप में, जहीर मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और कोचों की एक मजबूत टीम के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एडम वोजेस, लांस क्लूजनर और जोंटी रोड्स शामिल हैं। संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली फ्रैंचाइज़ी में एक और प्रमुख कोच के शामिल होने की भी चर्चा है, जिसका विवरण अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम व मोहम्मद शोएब का चयन

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि जनपद के दो युवा क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम व मोहम्मद शोएब का यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी नोएडा सुपर किंग्स टीम की ओर से खेलेगें। एमपीएस क्रिकेट एकेडमी मुरादाबाद के संचालक मिर्जा दानिश आलम काफी समय से क्रिकेट एकेडमी का संचालन कर रहे हैं। वह 30 साल की उम्र के बाद भी वह क्रिकेट में जगह बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वहीं, कुंदरकी के बांहपुर निवासी मोहम्मद शोएब डीपीजीएस एकेडमी में अभ्यास करते हैं। यूपीसीए की ओर से आयोजित इस लीग में शोएब का चयन होने पर डीपीजीएस के डायरेक्टर मंसूर सिद्दीकी, प्रधानाचार्य मुनीरा सिद्दीकी व कोच अनवर ने बधाई दी है।

बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन : पहले दौर में हारकर बाहर हुईं अश्मिता चालिहा, मालविका बंसोड़

योकोहामा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा और मालविका बंसोड़ मंगलवार को यहां जापान ओपन के महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हो गईं। अश्मिता को चीनी ताइपे की शीर्ष वरीयता प्राप्त ताई त्ज़ु यिंग के हाथों 16–21, 12–21 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि मालविका को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा ने 21–23, 19–21 से हराया। बाद में, आकर्षि कश्यप बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट के अपने शुरुआती दौर के मैच में कोरिया की किम गा यून से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में, सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ की भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की जोड़ी के खिलाफ करेगी। हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले कोई भी भारतीय शटलर इस इवेंट में नहीं खेल रहे हैं।

टी-20 विश्वकप में न्यूयॉर्क और तरौबा की पिच अच्छे स्तर की नहीं थी : आईसीसी

दुबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि टी–20 विश्वकप 2024 में न्यूयॉर्क और तरौबा की पिच अच्छे स्तर की नहीं थी।

टी–20 विश्वकप समाप्त होने के दो महीने के बाद आईसीसी ने यह स्वीकार किया कि न्यूयॉर्क और तरौबा की पिच अच्छे स्तर की नहीं थी। उन्होंने न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी स्टेडियम में खेले गए पहले दो मैचों और तरौबा के ब्रायन लारा अकादमी में हुए अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेमीफाइनल के लिए तैयार किए गए पिचों को असंतोषजनक रेटिंग दी है।

इसी मैदान पर भारत और पाकिस्तान के बीच जो मैच हुआ था, उसे संतोषजनक बताया गया है। भारत और इंग्लैंड के बीच जो सेमीफाइनल वाली पिच को संतोषजनक बताया गया। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए फाइनल की पिच बहुत अच्छा बताया गया। भारत और आयरलैंड के बीच खेले गए मैच में कई खिलाड़ियों को चोट भी लगी थी। पिच के दोहरे उछाल से रोहित शर्मा भी चोटिल हुए और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। इसके अलावा उस मैच में हैरी ट्रैक्टर और ऋषभ पंत को भी चोट लगी थी। टूर्नामेंट के दौरान एंडी फ्लावर ने उस पिच को खतरनाक होने के बेहद करीब बताया था। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा था कि पिच को चौंकाने वाली है।

न्यूयॉर्क का मैदान मात्र पांच महीने में तैयार किया गया था। विश्वकप के दौरान वहां के पिचों की बेहद आलोचना हुई थी। इसके बाद आईसीसी ने भी स्वीकार किया कि वहां की पिचों का स्तर बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। टूर्नामेंट के कुल आठ मैच न्यूयॉर्क में खेले गए थे। एक बात यह भी थी कि वहां कम छोटे अंतराल पर मैच कराये जा रहे थे।

बल्लेबाजी बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय रही हैः हथुरूसिंघे

रावलपिंडी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश के मुख्य कोच चंदिका हथुरूसिंघे ने सोमवार को स्वीकार किया कि उनके टीम की बल्लेबाजी चिंता तका विषय है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच जेसन गिलेस्पी के लिए पाकिस्तान के टेस्ट कोच के तौर पर पहला काम होगा। दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर तक कराची में खेला जाएगा।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए हथुरूसिंघे ने कहा कि बांग्लादेश की पिचें परिणाम देने वाली विकेट हैं, जबकि पाकिस्तान की पिचें बल्लेबाजी के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा, बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय रही है, लेकिन एक कारण से नहीं। हम अपने देश में परिणाम देने वाली विकेटों पर खेलते हैं। कभी–कभी ऐसी पिचों पर 250 रन जीत का स्कोर होता है। जाहिर है जब आप ऐसी पिचों पर खेलते हैं, तो बल्लेबाजों को मुश्किल होती है। मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान की पिचें आम तौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होंगी। बल्ले और गेंद के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा होती है। हम इन पिचों पर बेहतर परिणाम दिखाएंगे।

मुख्य कोच ने अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की तारीफ की और कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, तेज गेंदबाजों ने टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां उन्हें अनुकूल परिस्थितियां मिलीं। यह रातों–रात नहीं हुआ। यह पिछले दो वर्षों में विकसित हुआ है। उन्होंने कुल मिलाकर 20 टेस्ट नहीं खेले हैं, इसलिए वे पाकिस्तान के आक्रमण की तुलना में युवा तेज गेंदबाज हैं।

मंधाना आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरी पायदान पर

दुबई, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम की धाकड़ बल्लेबाज और उपकप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी महिलाओं की ताजा आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे स्थान पर जगह बना ली है।मंधाना एक स्थान के सुधार के साथ शीर्ष तीन में पहुंच गई हैं। मंधाना के नाम 738 रेटिंग अंक है और वह वनडे प्रारूप में भारत की शीर्ष रैंकिंग वाली बल्लेबाज हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इस सूची में अपना नौवां स्थान बरकरार रखा है।मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपने चौथे स्थान का बचाव करने में सफल रही।समरविक्रमा और आयरलैंड की सलामी बल्लेबाज गैबी लुईस करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल करने में सफल रहे। श्रीलंका और आयरलैंड के बीच खेले गये दूसरे टी20 मैच में 44 गेंद में 65 रन बनाने वाली समरविक्रमा तीन स्थान के सुधार के साथ 13वें तो वहीं 75 गेंद में 119 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाली लुईस चार स्थान के सुधार के साथ 21 स्थान पर पहुंच गयी। लुईस इससे पहले जुलाई 2022 में इस रैंकिंग पर पहुंची थी।गौरतलब है कि भारतीय टीम ने हाल ही में संपन्न हुये महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन किया था हालांकि टीम फाइनल में मेजबान श्रीलंका से हार गयी थी। अब टीम को तीन अक्टूबर से यूएई में महिला टी20 वर्ल्ड कप में खेलना है। भारत का पहला मुकाबला चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड से होगा।

नेशनल सब जूनियर फुटबाल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल्स 24 से

मुरादाबाद। जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नासिर कमाल ने मंगलवार को बताया कि बालक वर्ग की नेशनल सब जूनियर फुटबाल चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की सब जूनियर टीम के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल्स के द्वारा किया जाएगा। यह ट्रायल्स 24, 25 व 26 अगस्त को सुबह 7 बजे से आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के फुटबाल मैदान पर आयोजित होंगे।

बीबीएलः डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ 2, स्मिथ ने सिक्सर्स के साथ 3 वर्ष का किया करार

सिडनी, 20 अगस्त (एजेंसियां)। डेविड वार्नर ने बिग बैश लीग (बीबीएल) टीम सिडनी थंडर के साथ दो और स्टीवन स्मिथ ने सिडनी सिक्सर्स के साथ तीन साल का अनुबंध किया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रोमांच को समाप्त करने के बाद, वार्नर अपने शानदार करियर में पहली बार पूरे बीबीएल सत्र के लिए उपलब्ध होंगे। पिछले दो वर्षों में, वार्नर ने थंडर के लिए आठ मैच खेले हैं, जिसमें वह मैच भी शामिल है जिसमें वे पिछले साल सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे।

थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने फ्रैंचाइज़ी द्वारा जारी एक बयान में कहा, डेवी जहाँ भी खेलते हैं, दुनिया भर में, विशेष रूप से भारत में, लोकप्रिय हैं और मुझे पता है कि सिडनी के पश्चिम में दक्षिण एशियाई समुदाय थंडर में उनका समर्थन करेंगे। डेवी में, हमें लगभग 20 वर्षों के टी20 अनुभव के साथ एक विश्व स्तरीय प्रतिभा मिलती है, और अब जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सेवानिवृत्त हो गए हैं, तो हम फाइनल सहित पूरे टूर्नामेंट के लिए उनके पूर्ण ध्यान और प्रतिबद्धता पर भरोसा कर सकते हैं। स्मिथ सिक्सर्स की टीम से जुड़े थे और उन्होंने 2012 में बीबीएल का पहला संस्करण जीता था। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में, फ्रैंचाइज़ी के लिए उनकी उपस्थिति छिटपुट रही है। इस अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के नाम शतक बनाने वाले पहले पुरुष सिक्सर्स खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड भी है। स्मिथ इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाने से चूक गए थे।

इस बीच, बीबीएल के 14वें संस्करण से पहले, स्मिथ के साथी मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी ने क्रमशः ब्रिस्बेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ फिर से अनुबंध किया है। ब्रिस्बेन हीट के कोच जोहान बोथा ने लाबुशेन के बारे में कहा, उनकी खेल समझ असाधारण है और यह मैदान के अंदर और बाहर हमारे लिए बहुत बड़ी संपत्ति है।

कैरी ने स्ट्राइकर्स के साथ चार साल का करार किया है। दक्षिणपंथी बल्लेबाज ने बीबीएल में अपने आठ साल के करियर के दौरान सभी 56 बीबीएल मैच स्ट्राइकर्स के लिए खेले हैं।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी विश्व कप क्वालीफायर से बाहर

ब्यूनस आयर्स, 20 अगस्त (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी चोट के कारण अगले महीने चिली और कोलंबिया के खिलाफ़ होने वाले विश्व कप क्वालीफ़ायर में नहीं खेल पाएंगे। 37 वर्षीय मेसी को सोमवार को अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इससे पहले जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर अर्जेंटीना की जीत के दौरान टखने की चोट से उबरने के लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था। रिवर प्लेट के अनुभवी गोलकीपर फ्रैंको अरमानी और रोमा फ़ॉरवर्ड पाउलो डायबाला को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। मिडफ़ील्डर एज़ेक्विएल फ़र्नांडीज़ और स्ट्राइकर वैलेंटिन कैस्टेलानोस को पहली बार टीम में शामिल किया गया, जबकि युवा प्रतिभाओं एलेजांद्रो गार्नाचो, वैलेंटिन कार्बोनी, वैलेंटिन बार्को और मटियास सोले को भी टीम में शामिल किया गया। अर्जेंटीना 5 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में चिली से और पांच दिन बाद बैरेंक्विला में कोलंबिया से भिड़ेगा। अर्जेंटीना वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जिसके पास अब तक छह मैचों में 15 अंक हैं।

अर्जेंटीना की टीम

गोलकीपर : वाल्टर बेनिटेज़, गेरोनिमो रूली, जुआन मुसो, एमिलियानो मार्टिनेज।

डिफेंडरः गोंजालो मोंटिएल, नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालर्डी, निकोलस ओटामेंडी, लिसेंड्रो मार्टिनेज, निकोलस टैगलियाफिको, वैलेंटिन बार्को।

मिडफील्डरः गुइडो रोड्रिगेज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडीज, जियोवानी लो सेल्सो, एजेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पॉल, निकोलस गोंजालेज, लिएंड्रो पेरेडेस।

फॉरवर्डः एलेजांद्रो गार्नाचो, मटियास सोले, गिउलिआनो शिमोन, वैलेंटिन कार्बोनी, जूलियन अल्वारेज़, लुटारो मार्टिनेज, वैलेन्टिन कैस्टेलानोस।

जर्मनी के कप्तान गुंडोगन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

बर्लिन। घरेलू धरती पर यूरो 2024 में जर्मनी की कप्तानी करने वाले इल्के गुंडोगन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। अनुभवी मिडफील्डर ने 33 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी से हटने का फैसला किया। अपने देश के लिए 82 मैचों में 19 गोल करने वाले गुंडोगन ने कहा, कुछ हफ़्तों के चिंतन के बाद, मैंने फैसला किया है कि अब अपने राष्ट्रीय टीम करियर को समाप्त करने का समय आ गया है। मुझे अपने देश के लिए 82 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर गर्व है, एक ऐसी संख्या जिसके बारे में मैंने 2011 में अपने सीनियर पदार्पण के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था। निस्संदेह, पिछली गर्मियों में हमारे घरेलू यूरोपीय चैंपियनशिप में टीम की कप्तानी करने का बड़ा सम्मान मेरा मुख्य आकर्षण था। गुंडोगन की सेवानिवृत्ति थॉमस मुलर और टोनी क्रूस की अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद हुई है, जिन्होंने यूरो 2024 में स्पेन से जर्मनी की 2–1 क्वार्टर फाइनल हार के बाद संन्यास ले लिया था। अक्टूबर 2011 में बेल्जियम के खिलाफ़ गुंडोगन ने जर्मनी के लिए पदार्पण किया। चोट के कारण वे 2014 विश्व कप और 2016 यूरोपीय चैम्पियनशिप से चूक गए।

जलाल ने बीसीबी निदेशक पद से दिया इस्तीफा, कहा-खेल राजनीति मुक्त हो

नई दिल्ली, 20 अगस्त (एजेंसियां)। जलाल यूनुस ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जलाल का इस्तीफा तब आया है जब बांग्लादेश के 41 विभिन्न खेल निकायों के नियंत्रण प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल परिषद ने उनसे पद छोड़ने को कहा।

1980 के दशक में पेशेवर रूप से खेलने वाले पूर्व तेज गेंदबाज जलाल 1990 के दशक के उत्तरार्ध से खेल आयोजक रहे हैं। वह 2009 से लगातार बीसीबी में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रहे हैं और दिसंबर 2021 में क्रिकेट संचालन प्रमुख बने। जलाल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, मैंने क्रिकेट के व्यापक हित के लिए इस्तीफा दे दिया है। मैं क्रिकेट को सही तरीके से चलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। संविधान के अनुसार मुझे बदलने के उनके इरादे से मैं सहमत हूं। मैं क्रिकेट की प्रगति में बाधा नहीं बनना चाहता। इस बीच, बीसीबी में एनएससी द्वारा नामित दूसरे निदेशक अहमद सज्जादुल आलम ने उसी दिन पद छोड़ने के बोर्ड के अनुरोध को ठुकरा दिया।

उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, मैंने उनसे कहा कि चूंकि उन्होंने मुझे एनएससी काउंसलर के रूप में नामित किया था और फिर मैं निदेशक बन गया, इसलिए उन्हें ऐसा करना होगा। वे मेरे बारे में अपना निर्णय मुझे बता सकते हैं। आलम एक अनुभवी खेल आयोजक भी हैं, जो वर्तमान में बीसीबी की टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष हैं। एनएससी का यह कदम नए खेल सलाहकार आसिफ महमूद द्वारा बीसीबी सहित बांग्लादेश के सभी खेल महासंघों में सुधार की मांग के बाद उठाया गया है।

उन्होंने कहा है कि वह राजनीति मुक्त खेल क्षेत्र देखना चाहते हैं। बांग्लादेश के सबसे लोकप्रिय खेल के संरक्षक बीसीबी का निर्माण पिछले 15 वर्षों में राजनीतिक प्रभाव के आधार पर हुआ है।

बीसीबी प्रमुख नजमुल हसन देश के खेल मंत्री थे, जबकि बीसीबी के निदेशक मंडल में एक सांसद, एक पूर्व सांसद, एक पूर्व मेयर और देश के प्रधानमंत्री के दो चचेरे भाई शामिल थे। यहां तक कि बांग्लादेश के दो शीर्ष क्रिकेटर भी संसद के सदस्य थे।

एनएससी अब इस्तीफा देने वाले जलाल की जगह बीसीबी में अपने निदेशक के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को नामित कर सकता है। कथित तौर पर, 58 वर्षीय बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दो बार के मुख्य चयनकर्ता फारूक अहमद एनएससी द्वारा नामित निदेशक होने की संभावना है।

न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान टेस्ट को मुफ्त में देख सकेंगे प्रशंसक

ग्रेटर नोएडा में अगले माह नौ से 13 सितंबर तक न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच को प्रशंसक मुफ्त में देख सकेंगे। ऐसे में अब तक टिकट का इंतजार कर रहे प्रशंसकों को राहत मिली है। इस स्टेडियम की क्षमता 12 हजार दर्शकों की है और अब जबकि टिकट नहीं लग रहा है स्टेडियम पूरी तरह भरा रहेगा। इसी माह 23 अगस्त को अफगानिस्तान की टीम यहां पहुंच जाएगी। टीम 23 को यहां आराम करेगी। इसके बाद 24 और 25 अगस्त को टीम अभ्यास करेगी। वहीं 31 अगस्त से दो सितंबर तक टीम रणजी टीम के साथ एक अभ्यास मैच खेलेगी जबकि पांच सितंबर को न्यूजीलैंड टीम पहुंचेगी। छह से आठ तक न्यूजीलैंड की टीम अभ्यास करेगी। मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचने वाले दर्शकों को शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहुंचने वाले दर्शकों को गेट नंबर 3 और 4 से निशुल्क प्रवेश मिलेगा।

सेबी के लिए चुनौती बना 76 हजार 293 करोड़ बकाया वसूलना, पिछले साल की तुलना में 4 फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली,20 अगस्त (एजेंसियां)। देश के शेयर बाजार पर नजर रखने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बकाया वसूलने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 76,000 करोड़ से भी अधिक की बकाया राशि ऐसी हैं, जिन्हें वसूलना सेबी के लिए चुनौती बन गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है।

ये पैसे दरअसल उन निवेशकों के हैं, जिन्होंने पीएसीएल और सहारा इंडिया जैसी कंपनियों में निवेश किया था लेकिन ये कंपनियां लोगों के पैसे लेकर रफू चक्कर हो गईं। अब सेबी को इन पैसों को निवेशकों को वापस दिलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सेबी को कहना पड़ा है कि इन्हें वापस पाना लगभग असंभव सा लग रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी को मार्च 2024 तक 76,293 करोड़ रुपये की ऐसी रकम मिली है, जिसे वसूलना बेहद मुश्किल हो रहा है। ये रकम पिछले साल के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा उन मामलों से जुड़ा है, जिनकी सुनवाई अदालतों में चल रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसे कुल 807 मामले हैं, जिनमें से 36 मामले राज्य स्तरीय अदालतों, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में लंबित हैं। इन मामलों में अटकी हुई राशि लगभग 12,199 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा नियुक्त समितियों के पास हैं, जिनमें करीब 59,970 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

साथ ही लगभग 140 मामले ऐसे हैं, जिनमें संबंधित लोगों का पता ही नहीं चल पा रहा है। इनमें से 131 व्यक्तिगत मामले हैं और 9 कंपनियों से जुड़े हैं। सेबी ने कहा कि अब तक कुल 6,781 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, जिनमें से 3,871 अभी भी लंबित हैं। कुल मिलाकर सेबी को करीब एक लाख करोड़ रुपये वसूल करने हैं। इसमें जुर्माना न भरने वाली कंपनियों के साथ-साथ उन निवेशकों का पैसा भी शामिल है, जिन्हें पैसा वापस मिलना था। पीएसीएल और सहारा इंडिया के मामलों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के विरुद्ध निवेश योजना से जुड़े मामले हैं, जिनमें करीब 63,206 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मलेशियाई कंपनियों को भारत में तेल गैस में निवेश का न्यौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित भारत-मलयेशिया सीईओ फोरम की बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने हाल ही में बैठक में ऐसे कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जहां दोनों देश अधिक गहराई से सहयोग कर सकते हैं, जिससे उनके व्यापार और व्यावसायिक संबंधों का विस्तार हो सकता है। फोरम ने दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं को आपसी अवसरों का पता लगाने और विकास को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए कए मंच प्रदान किया। गोयल ने भारत और मलयेशिया में व्यवसायों के बीच अधिक तालमेल की संभावना पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यटन, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स और स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में, उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए इन क्षेत्रों में दोनों देशों की ओर से संयुक्त प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में घटाई हिस्सेदारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार में हिंदुस्तान कॉपर में 2.09 प्रतिशत हिस्सेदारी 447 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने हिंदुस्तान कॉपर के कुल 2,01,62,682 शेयर यानी 2.085 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये बेची है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों को 221.64 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचा गया। इस तरह सौदे का कुल मूल्य 446.8 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद हिंदुस्तान कॉपर में एलआईसी की हिस्सेदारी 8.17 प्रतिशत से घटकर 6.09 प्रतिशत रह गई है। हिंदुस्तान कॉपर देश में तांबा अयस्क के खनन में लगी इकलौती कंपनी है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे की एकमात्र उत्पादक कंपनी भी है। मंगलवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 320.10 रुपए पर आ गया। एलआईसी का शेयर 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 1076.10 रुपए पर है। सोमवार को हिंदुस्तान कॉपर का शेयर बीएसई पर 3.06 फीसदी तेजी के साथ 323.55 रुपए पर बंद हुआ। इस वैल्यू पर इसका मार्केट प्राइस 31,288.06 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 415.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 135.70 रुपए है। दूसरी ओर एलआईसी का शेयर 1.34 फीसदी तेजी के साथ 1071.95 रुपए पर बंद हुआ।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य फिसलकर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.58 डॉलर यानी 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ 77.08 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.68 डॉलर यानी 0.91 फीसदी लुढ़ककर 73.69 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दूसरी तरफ मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। बिहार में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 107.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 93.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 48 पैसे बढ़कर 104.35 रुपये प्रति लीटर और डीजल 45 पैसे बढ़कर 90.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा गोवा, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना में भी पेट्रोल-डीजल के भाव में हल्की बढ़ोतरी हुई है। देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि चेन्नई में पेट्रोल 10 पैसे और डीजल 9 पैसे महंगा हुआ है।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिवस मार्केट का हाल

खरीदारी के सपोर्ट से बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली,20 अगस्त (एजेंसियां)।

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को खरीदारी का जोर बना रहा। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली के कारण शेयर बाजार की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन खरीदारों द्वारा थोड़ी देर में ही एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर देने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को कारोबार के दौरान एफएमसीजी को छोड़ कर बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। बैंकिंग, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 456.57 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,036 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,394 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,544 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 98 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,375 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,494 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 881 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 297.86 अंक की तेजी के साथ 80,722.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 200 अंक टूट कर 80,517.95 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के कारण सेंसेक्स 518.28 अंक की मजबूती के साथ 80,942 96 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद -बिक्री के बाद इस सूचकांक ने 378.18 अंक की बढ़त के साथ 80,802.86 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 76.25 अंक की तेजी के साथ 24,648.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक को ओपनिंग लेवल से 40 अंक से अधिक फिसल कर 24,607.20 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 161.65 अंक की मजबूती के साथ 24,734.30 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 126.20 अंक की तेजी के साथ 24,698.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फिनसर्व 3.25 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 2.29 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.12 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.57 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारतीय एयरटेल 1.30 प्रतिशत, आईटीसी 0.48 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 0.35 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.21 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कंपनी के ऐलान के बाद ही सीडीएसएल शेयर तूफानी रफ्तार से दौड़ा, छह फीसदी का उछाल

नई दिल्ली,20 अगस्त (एजेंसियां)।

शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिला और मार्केट क्लोज होने पर सेनसेक्स लाल निशान पर, निफ्टी-50 हरे निशान पर बंद हुआ। इस बीच सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड का शेयर तूफानी तेजी के साथ भागा और कारोबार के दौरान छह फीसदी तक उछल गया। स्टॉक में आई तेजी के पीछे कंपनी की ओर से किया गया ऐलान है।

सीडीएसएल शेयर सोमवार को हरे निशान पर खुला था और 2855 रुपए के स्तर से कारोबार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर में ये छह फीसदी तक उछलकर 2955 रुपए के हाई लेवल पर पहुंच गया। ये शुरुआती तेजी मार्केट में कारोबार खत्म होते-होते कम हो गई। बाजार बंद होने पर सीडीएसएल का शेयर 3.40 फीसदी की बढ़त लेते हुए 2883 रुपए पर क्लोज हुआ।

कंपनी के शेयर में आई जोरदार तेजी के चलते सीडीएसएल का मार्केट कैप भी बढ़कर 30130 करोड़ रुपए हो गया है। इस स्टॉक में अचानक ये जोरदार तेजी कंपनी की ओर से आई एक खबर के बाद देखने को मिली है। बोर्ड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी शेयर की कि

दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए

निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस में दिया जाएगा। इसे अप्रूवल मिलने के साथ ही बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड 24 अगस्त तय की गई है। इस खबर का असर कंपनी के शेयर पर तेजी के रूप में दिखाई दिया। सीडीएसएल के शेयर की बीते एक साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो ये अपने निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। बीते जुलाई 2024 में सीडीएसएल के बोर्ड ने बैठक में कंपनी ने पहली बार एक शेयर पर एक बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अब इसकी रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दी गई है।

बता दें, कंपनियां अपने फ्री रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए बोनस शेयर जारी करती हैं और इससे प्रति शेयर आय यानी ईपीएस के साथ-साथ पेड-अप कैपिटल बढ़ता है। सीडीएसएल कंपनी की स्थापना साल 1999 में की गई थी, जो सिक्योरिटीज को इलेक्ट्रिक फॉर्म में अपने पास डिपॉजिट करती है। ये पहली ऐसी कंपनी है, जिसने दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

एससी ने...

बेंच ने कहा कि आखिर ऐसे हालात में डॉक्टर कैसे काम करेंगे। हमने देखा है कि उनके लिए कई जगहों पर रेस्ट रूम तक नहीं होते। आज महिलाएं तेजी से वर्कप्लेस में शामिल हो रही हैं। इनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और बदलाव लाने के लिए एक और बलात्कार का इंतजार नहीं कर सकते। चिकित्सा पेशे में हिंसा की आशंका बढ़ गई है। पुरुष प्रधान सोच के कारण महिला डॉक्टरों को ज्यादा निशाना बनाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर महिलाएं काम पर नहीं जा पा रही हैं और काम करने की स्थितियां सुरक्षित नहीं हैं तो हम उन्हें समानता से वंचित कर रहे हैं। ज्यादातर युवा चिकित्सक 36 घंटे काम करते हैं, हमें काम करने की सुरक्षित स्थितियां सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल बनाने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम सभी स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा से संबंधित मामले पर विचार कर रहा है, इसलिए हम देशभर में विरोध-प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से अनुरोध करते हैं कि वे काम पर लौट आएं, क्योंकि इससे मरीजों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं मिलने में दिक्कत आ रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट की तरफ से पीड़िता की पहचान उजागर करने को लेकर भी नाराजगी जाहिर की गई। कोर्ट ने कहा कि यह घटना दुखद है। सुप्रीम कोर्ट ने ऐलान किया कि इस घटना के बाद डॉक्टरों की स्थिति को लेकर नेशनल टास्क फोर्स बनाने जा रहे हैं। यह यह टास्क फोर्स कोर्ट की निगरानी में काम करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सीबीआई से 22 अगस्त तक स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की। साथ ही सीबीआई को तीन महीने के अंदर जांच पूरी कर रिपोर्ट सौंपने का भी आदेश दिया। कोर्ट ने तीन हफ्ते के अंदर टास्क फोर्स से रिपोर्ट मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में पुलिस की कार्रवाई और पीड़िता के परिवार को अंधेरे में रखने से जुड़े आरोपों को लेकर भी सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि ये एक अपराध का मामला नहीं है। इस मामले में एफआईआर दर्ज करने में भी देर हुई। यह अस्पताल की जिम्मेदारी थी कि वह एफआईआर दर्ज कराए। लेकिन देर रात एफआईआर दर्ज कराई गई। अस्पताल प्रबंधन इस मामले में आखिर कर क्या रहा था? अभिभावकों को भी पीड़िता का शव काफी देर बाद सौंपा गया। एफआईआर दर्ज करने में बेवजह देरी हो रही है। राज्य को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तोड़फोड़ करने वालों को पकड़ा जाए। हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि राज्य सरकार अस्पताल में हुई तोड़फोड़ के मामले को कैसे नहीं संभाल पाई।

कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य संदीप घोष को लेकर भी कई सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि यह बेहद डरावनी घटना है। प्रिंसिपल ने इस मामले को पहले सुसाइड बताने की कोशिश की। आखिर प्रिंसिपल कर क्या रहे थे। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर इस मामले के बाद प्रिंसिपल की नियुक्ति दूसरी जगह कैसे कर दी गई?

कलकत्ता हाईकोर्ट ...

फैसला कैसे लिखना चाहिए, इसे लेकर भी हम निर्देश जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के कमेंट को आपत्तिजनक बताया था। कलकत्ता हाईकोर्ट के जस्टिस चितरंजन दास और जस्टिस पार्थ सारथी सेन की बेंच ने 18 अक्टूबर 2023 को रेप केस की सुनवाई की थी। बेंच ने लड़के को नाबालिग गर्लफ्रेंड के यौन उत्पीड़न मामले में बरी कर दिया था। दोनों टीनएजर्स के बीच अफेयर था और उन्होंने सहमति से संबंध बनाए थे। डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने लड़के को पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराते हुए 20 साल जेल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ वह हाईकोर्ट पहुंचा था। हाईकोर्ट ने लड़के को नसीहत दी थी- किशोरों को युवतियों, महिलाओं की गरिमा और शारीरिक स्वायत्तता का सम्मान करना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 8 दिसंबर को कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले की आलोचना की थी। शीर्ष अदालत ने हाईकोर्ट की टिप्पणियों को घोर आपत्तिजनक और पूरी तरह से गलत करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को टीनएजर्स के आर्टिकल 21 के अधिकारों का उल्लंघन बताया था। बेंच ने ये भी कहा था कि जज से उम्मीद नहीं की जाती कि वे फैसला सुनाते वक्त अपने विचार व्यक्त करें। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने पूछा था कि अगर फैसले के खिलाफ कोई अपील फाइल हुई हो तो हमें बताएं। बंगाल सरकार ने भी सुप्रीम कोर्ट में हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी।

आक्रोशित लोग...

हालांकि, इस घटना के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़क गया। सैकड़ों की संख्या में जुटे लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बताया गया है कि लोगों ने सुबह 8 बजे ही लोकल ट्रेनों की आवाजाही को रोक दिया और हंगामा किया। इसके बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने एसआईटी जांच का आदेश दिया। वहीं मंत्री दीपक केसरकर ने घटना में पुलिस की सतर्कता को लेकर बयान दिया। फडणवीस ने इस मामले में वरिष्ठ आईपीएस आईजी आरती सिंह के नेतृत्व में एसआईटी के गठन का एलान किया। आरोपी को सख्त सजा दिलाने के लिए ठाणे पुलिस कमिश्नर को भी इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाने के लिए प्रस्ताव देने को कहा गया है।गौरतलब है कि 17 अगस्त को पुलिस ने इस मामले में स्कूल के अटेंडेंट को गिरफ्तार किया था। शख्स पर किंडरगार्टन में पढ़ रहीं तीन और चार साल की दो बच्चियों से उत्पीड़न का आरोप था। बच्चियों के परिजनों की तरफ से दी गई शिकायत के मुताबिक, अटेंडेंट ने लड़कियों का स्कूल के टॉयलेट में ही उत्पीड़न किया था। लड़कियों ने इस घटना के बारे में अपने माता-पिता को बताया था। इसके बाद मामले में शिकायत दर्ज हुई और आरोपी के खिलाफ पॉक्सो कानून की धाराओं में केस दर्ज हुआ। उसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। इस घटना पर स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार को बयान जारी किया और कहा कि उसने प्रिंसिपल के साथ, एक क्लास टीचर और महिला अटेंडेंट को भी निलंबित कर दिया है। घटना को लेकर स्कूल की तरफ से माफी भी मांगी गई है।

अजमेर ब्लैकमेल...

पूरे राजस्थान के साथ देश शर्मसार हुआ था। मामले में लड़कियों की अश्लील फोटो खींचकर उनको ब्लैकमेल कर दुष्कर्म करने के इस केस ने तत्कालीन सरकार में हड़कंप मचा दिया था। अपनी बदनामी के डर से कई लड़कियों ने आत्महत्या करके मौत को गले लगा लिया था। इस केस के चार अभियुक्तों को पूर्व में सजा हो चुकी है, लेकिन बाद में हाईकोर्ट ने उनको बरी कर दिया था। आज बचे हुए छह अन्य आरोपियों को लेकर आजीवन कारावास की सजा का फैसला सुनाया गया। इसके साथ ही न्यायालय ने प्रत्येक आरोपियों पर पांच लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।अजमेर ब्लैकमेल कांड की पॉक्सो कोर्ट संख्या-2 में सुनवाई चल रही थी। इस केस के आरोपी नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी और सैयद जमीर हुसैन का ट्रायल पूरा हो गया था। पॉक्सो कोर्ट-2 के न्यायाधीश रंजन सिंह ने इन आरोपियों को दोषी मानते हुए अपना फैसला सुनाया। इस मामले में पूर्व में नौ आरोपियों को सजा सुनाई जा चुकी है। एक ने सुसाइड कर लिया था। मामले में आरोपी ईशरत अली, अनवर चिश्ती, मोइजुल्हा उर्फ पूतन इलाहाबाद, शमसू उर्फ मरदाना को 10 साल की भुगती सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने 2003 में छोड़ दिया था। वहीं, साल 2001 में हाईकोर्ट ने चार आरोपी महेश लुधानी, परवेज, हरीश, कैलाश सोनी को बरी कर दिया था। इन चारों को साल 1998 में सेशन कोर्ट ने उम्रकैद सुनाई थी, केस में कुल 18 आरोपी थे।सहायक निदेशक अभियोजन वीरेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि मामले में 18 आरोपी थे, जिनमें हरीश दोलानी (लैब मैनेजर), फारुख चिश्ती (तत्कालीन यूथ कांग्रेस अध्यक्ष), नफीस चिश्ती (तत्कालीन यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष), अनवर चिश्ती (तत्कालीन यूथ कांग्रेस जॉइंट सेक्रेट्री), पुरुषोत्तम उर्फ बबली (लैब डेवलपर), इकबाल भाटी, कैलाश सोनी, सलीम चिश्ती, सोहैल गनी, जमीर हुसैन, अलमास महाराज, इशरत अली, मोइजुल्लाह उर्फ पूतन इलाहाबादी, परवेज अंसारी, नसीम उर्फ टारजन, महेश लोदानी (कलर लैब का मालिक), शम्सू उर्फ माराडोना (ड्राइवर), जऊर चिश्ती (लोकल पॉलिटिशियन) के नाम शामिल थे। इस केस का एक आरोपी अलमाश महाराज अभी भी फरार है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो रखा है। वहीं, एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। शेष छह आरोपी की 2002 के बाद गिरफ्तारी हुई थी। उनकी कोर्ट में सुनवाई चल रही थी और आज उन्हें सजा सुनाई गई।

सीरम इंस्टीट्यूट ने...

डब्ल्यूएचओ इसलिए भी चिंतित है क्योंकि मंकीपॉक्स के अलग-अलग प्रकोप में मृत्यु दर अलग-अलग देखी गई है। कई बार तो यह 10% से भी अधिक रही है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, मंकीपॉक्स की शुरुआत अफ्रीकी देश कांगो से हुई थी। इसके बाद ये तेजी से पड़ोसी देशों में फैली। अफ्रीका के 10 देश इसकी गंभीर चपेट में हैं। कोरोना की तरह यह ट्रैवलिंग से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल रही है।

केंद्र सरकार ने...

अनुसार होनी चाहिये। कार्मिक विभाग के मंत्री ने आयोग से कहा है कि चूंकि उच्च पदों के लिये लैटरल नियुक्ति के लिये 17 अगस्त 2024 को जारी विज्ञापन में जिन पदों के लिये रिक्तियों की भर्ती की जानी थी, उन्हें विशेषज्ञता वाली और एकल कैडर के पद माना गया था इसलिये उन पर नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान नहीं किया गया था।

डॉ. सिंह ने नियुक्तियों में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने पर श्री मोदी के स्पष्ट मत के संबंध में आयोग के अध्यक्ष से शनिवार को विज्ञापित लैटरल भर्ती की प्रक्रिया को रद्द करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा है कि इससे सामाजिक न्याय और सशक्तीकरण के प्रयासों को और बल मिलेगा।

जम्मू-कश्मीर में ...

चुनाव के पहले चरण में मतदान होंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 27 अगस्त है। नामांकन पत्रों की जांच 28 अगस्त को होगी और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अगस्त है। मतदान सुबह 07:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक होगा। जम्मू-कश्मीर में शेष 66 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए मतदान दूसरे और तीसरे चरण में 25 सितंबर और 01 अक्टूबर को होगा।

दिल्ली में ...

इससे पहले दिल्ली एनसीआर के 200 से अधिक स्कूलों को बम से उड़ने की धमकी दी गई थी। मामले की जांच अभी भी जारी थी। अब मंगलवार को इसी तरह दोबारा धमकी दे दी गई।

विकसित राष्ट्र के...

उन्होंने युवाओं से भू-पर्यटन और भू-विरासत स्थलों के महत्व को समझने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि भू-पर्यटन लोगों को भू-विज्ञान के क्षेत्र में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने का माध्यम हो सकता है। राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार की स्थापना खान मंत्रालय द्वारा भूविज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियों और उत्कृष्ट योगदान के लिए व्यक्तियों तथा टीमों को सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है।

वैवाहिक जीवन के सुख और समृद्धि का पर्व है कजरी तीज

कल मनाई जायेगी सातुड़ी तीज

हरियाली तीज के बाद आने वाली कजरी तीज सुहागिनों के लिए खास होती है। इस दिन विवाहित महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती के साथ चंद्रमा की पूजा करती हैं। इसे सातूड़ी तीज या बड़ी तीज के नाम से भी जानते हैं। कजरी तीज के दिन सुहागिनें पति की लंबी की कामना के लिए व्रत रखती हैं। भाद्रपद मास में कृष्ण पक्ष की तृतीया को कजरी तीज का त्योहार मनाया जाता है। यह त्योहार 22 अगस्त को मनाया जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास ने बताया कि भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि की शुरुआत पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 21 अगस्त 2024 को शाम 05.06 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 22 अगस्त 2024 को दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार कजरी तीज 22 अगस्त को मनाई जाएगी। यह पर्व उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और राजस्थान सहित कई राज्यों में बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कजरी तीज को कजली तीज, बूढ़ी तीज व सातूड़ी तीज भी कहा जाता है। जिस तरह से हरियाली तीज, हरतालिका तीज का पर्व महिलाओं को लिए बहुत मायने रखता है। उसी तरह कजरी तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण त्योहार है।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार प्रत्येक वर्ष भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि यानी रक्षा बंधन के तीन दिन बाद कजरी तीज मनाई जाती है। कजरी तीज को कज्जली तीज भी कहा जाता है। हरियाली और हरितालिका तीज की तरह कजरी तीज भी अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए रखा जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए दिन भर निर्जला व्रत रखती हैं और करवाचौथ की तरह शाम के समय चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण करती हैं। इस दिन शिव जी और माता पार्वती की पूजा की जाती है। मान्यता है कि कजरी तीज के दिन विधि पूर्वक पूजा करने से भगवान शिव और माता पार्वती प्रसन्न होते हैं।

हरियाली तीज, हरतालिका तीज की तरह कजली तीज भी सुहागन महिलाओं के लिए अहम पर्व है। वैवाहिक जीवन की सुख और समृद्धि के लिए यह व्रत किया जाता है। कहा जाता हैं कि इस दिन जप कन्या या सुहागने पूरे श्रद्धा से अगर शिव भगवान और माता पारवती की पूजा की जाए तो उन्हें अच्छा जीवनसाथी सदा सौभाग्यवती होने का वरदान प्राप्त होता है।माना जाता हैं की इस दिन मां पार्वती ने शिव जी को अपनी कठोर तपस्या के बाद प्राप्त किया था। मान्यता है कि कजली तीज के मौके पर विशेष रूप से गौरी की पूजा करें। व्यक्ति की कुंडली में चाहे कितने ही बाधाए क्यों न हों, इस दिन पूजा से नष्ट किए जा सकते हैं। लेकिन इसका फायदा तभी होगा जब कोई अविवाहिता इस उपाय को खुद करे।

कजली तीज के बारे में मान्यता है कि आज के दिन ही मां पार्वती ने भगवान शिव को प्राप्त किया था। इसके लिए उन्हें काफी कठोर तपस्या करनी पड़ी थी। कजरी तीज के दिन सुहागिनों को भगवान शिव और पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। बताया जाता है कि इससे उन कन्याओं को अच्छे वर की प्राप्ति होती है, जिनकी शादी नहीं हुई है। पति के साथ और अच्छे रिश्ते बनाने के लिए कुछ ऐसे काम होते हैं, जिन्हें न तो सुहागिनों को करना चाहिए और न ही पति को। ये काम हैं पति या पत्नी से छल, गलत व्यवहार, परनिंदा आदि। पांचवे माह भादों के कृष्ण पक्ष की तीज को कजली तीज के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन शादीशुदा महिलाएं और कुंवारी लड़कियां व्रत करती हैं जो कि उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। कजलीतीन के दिन सुहागिन व्रत रखती हैं। उन्हें आज के दिन श्रृंगार करना चाहिए। इसमें मेहंदी, चूड़ियां शामिल हैं। वहीं, शाम के समय शिव मंदिर जाकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए उपासना करती हैं। कजली तीज के दिन घर में झूला डाला जाता है और औरतें इसमें झूला झूलती हैं। इस दिन महिलाएं अपनी सहेलियों के साथ इकट्ठा होती हैं पूरा दिन नाच गाना करती हैं। औरतें अपने पति के लिए और कुवारी लड़कियां अच्छा पति पाने के लिए व्रत रखती है।

कजरी तीज तिथि

पंचांग के अनुसार भाद्रपद माह के कृष्ण पक्ष की तृतीया तिथि 21 अगस्त 2024 को शाम 05.06 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 22 अगस्त 2024 को दोपहर 01 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगी। उदया तिथि के अनुसार इस साल कजरी तीज 22 अगस्त को मनाई जाएगी।

पूजा मुहूर्त

कजरी तीज पर पूजा भोर का तारा देखकर की जाती है। पूजा का शुभ मुहूर्त प्रातः 04:26 से प्रातः 05:10 तक रहेगा।

गाय की होती है पूजा

इस दिन गेहूं, चना और चावल को सत्तू में मिलाकर पकवान बनाएं जाते है। व्रत शाम को सूरज ढलने के बाद छोड़ते है। इस दिन विशेष तौर पर गाय की पूजा की जाती है। आटे की रोटियां बनाकर उस पर गुड चना रखकर गाय को खिलाया जाता है। इसके बाद व्रत तोड़ा जाता है।

पूजन विधि

सर्वप्रथम नीमड़ी माता को जल व रोली के छींटे दें और चावल चढ़ाएं। नीमड़ी माता के पीछे दीवार पर मेहंदी, रोली और काजल की 13-13 बिंदिया अंगुली से लगाएं। मेंहदी, रोली की बिंदी अनामिका अंगुली से लगाएं और काजल की बिंदी तर्जनी अंगुली से लगानी चाहिए।

नीमड़ी माता को मोली चढ़ाने के बाद मेहंदी, काजल और वस्त्र चढ़ाएं। दीवार पर लगी बिंदियों के सहारे लच्छा लगा दें। नीमड़ी माता को कोई फल और दक्षिणा चढ़ाएं और पूजा के कलश पर रोली से टीका लगाकर लच्छा बांधें। पूजा स्थल पर बने तालाब के किनारे पर रखे दीपक के उजाले में नींबू, ककड़ी, नीम की डाली, नाक की नथ, साड़ी का पल्ला आदि देखें। इसके बाद चंद्रमा को अर्घ्य दें।

कजली तीज व्रत के नियम

यह व्रत सामान्यत: निर्जला रहकर किया जाता है। हालांकि गर्भवती स्त्री फलाहार कर सकती हैं। यदि चांद उदय होते नहीं दिख पाये तो रात्रि में लगभग 11:30 बजे आसमान की ओर अर्घ्य देकर व्रत खोला जा सकता है। उद्यापन के बाद संपूर्ण उपवास संभव नहीं हो तो फलाहार किया जा सकता है।

व्रत कथा

एक गांव में गरीब ब्राह्मण का परिवार रहता था। ब्राह्मण की पत्नी ने भाद्रपद महीने में आने वाली कजली तीज का व्रत रखा और ब्राह्मण से कहा, हे स्वामी आज मेरा तीज व्रत है। कहीं से मेरे लिए चने का सत्तू ले आइए लेकिन ब्राह्मण ने परेशान होकर कहा कि मैं सत्तू कहां से लेकर आऊं भाग्यवान। इस पर ब्राहमण की पत्नी ने कहा कि मुझे किसी भी कीमत पर चने का सत्तू चाहिए। इतना सुनकर ब्राह्मण रात के समय घर से निकल पड़ा वह सीधे साहूकार की दुकान में गया और चने की दाल, घी, शक्कर आदि मिलाकर सवा किलो सत्तू बना लिया। इतना करने के बाद ब्राह्मण अपनी पोटली बांधकर जाने लगा। तभी खटपट की आवाज सुनकर साहूकार के नौकर जाग गए और वह चोर-चोर आवाज लगाने लगे।

ब्राह्मण को उन्होंने पकड़ लिया साहूकार भी वहां पहुंच गया। ब्राह्मण ने कहा कि मैं बहुत गरीब हूं और मेरी पत्नी ने आज तीज का व्रत रखा है। इसलिए मैंने यहां से सिर्फ सवा किलो का सत्तू बनाकर लिया है। ब्राह्मण की तलाशी ली गई तो सत्तू के अलावा कुछ भी नहीं निकला। उधर चांद निकल आया था और ब्राह्मण की पत्नी इंतजार कर रही थी।

साहूकार ने कहा कि आज तुम्हारी पत्नी को मैं अपनी धर्म बहन मानूंगा। उसने ब्राह्मण को सातु, गहने, रुपये, मेहंदी, लच्छा और बहुत सारा धन देकर अच्छे से विदा किया। सभी ने मिलकर कजली माता की पूजा की। जिस तरह ब्राह्मण के दिन फिरे वैसे सबके दिन फिरे।

माता पार्वती को समर्पित है कजरी तीज

माता पार्वती को यह त्योहार समर्पित है। 108 जन्म लेने के बाद देवी पार्वती, भगवान शिव से विवाह करने में सफल हुईं। इस दिन को निस्वार्थ प्रेम के सम्मान के रूप में मनाया जाता है। कजरी तीज का व्रत रखकर सुहागन महिलाएं अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना करती हैं। माना जाता है कि इस व्रत के प्रभाव से भगवान शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद प्राप्त होता है। घर में सुख-समृद्धि का आगमन होता है। कजरी तीज को कजली तीज, बूढ़ी तीज और सातूड़ी तीज नाम से भी जाना जाता है। यह व्रत निर्जला किया जाता है। व्रत में स्त्रियां अन्न और जल का त्याग करती हैं। यह व्रत दांपत्य जीवन से जुड़ी परेशानियों को दूर करता है। इस दिन गायों की विशेष रूप से पूजा की जाती है। व्रत का पारण चंद्रमा के दर्शन करने और उन्हें अर्घ्य देने के बाद किया जाता है। इस दिन सुहागिन महिलाओं के साथ कन्याएं भी व्रत रखती हैं। सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है तो वहीं कन्याएं अच्छा वर पाने के लिए इस व्रत को करती हैं। माना जाता है कि अगर किसी कन्या के विवाह में कोई बाधा आ रही है तो इस व्रत के प्रभाव से दूर हो जाती है। इस व्रत में माता गौरी को सुहाग की 16 सामग्री अर्पित की जाती हैं, वहीं भगवान शिव को बेल पत्र, गाय का दूध, गंगा जल, धतूरा आदि अर्पित किया जाता है। इस व्रत में शिव-गौरी की कथा का श्रवण विशेष फलदायी है।

कजरी तीज पर सुहागिन स्त्रियां करें खास काम

विवाहित महिलाएं इस दिन दुल्हन की तरह तैयार होकर देवी पार्वती और शंकर जी की पूजा करती हैं तो उन्हें अखंड सौभाग्य का वरदान मिलता है। इस दिन सोलह श्रृंगार कर पूजा करना चाहिए। तीज पर महिलाएं पूजा पाठ के बाद लोकगीत जरूर गाएं। इससे वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा आती है। तीज पर झूला झूलने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वृन्दावन के सप्त देवालयों में अलग तरीके से मनाई जाती है जन्माष्टमी

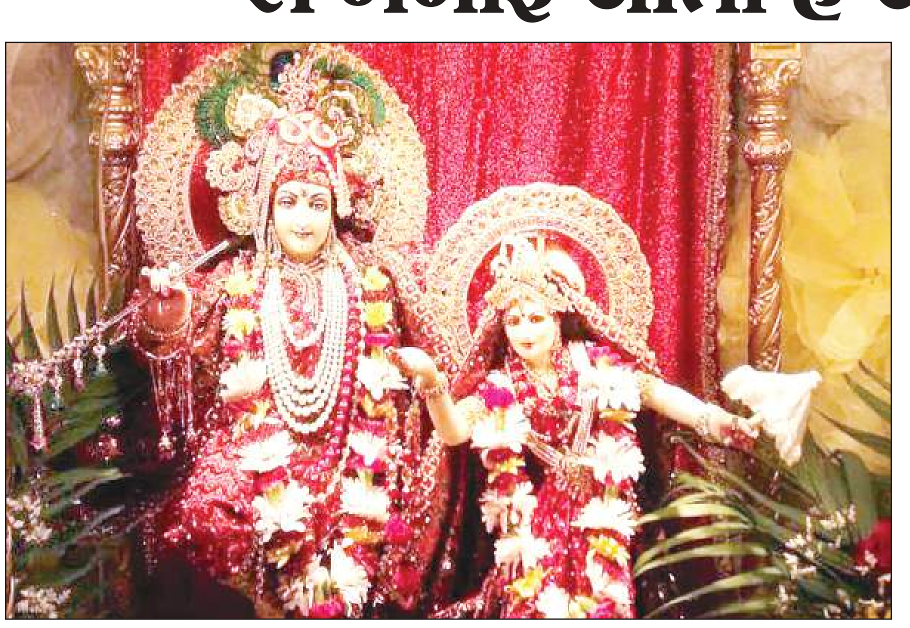

राधारानी की नगरी वृन्दावन के प्राचीन दो सप्त देवालयोंमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अलग अलग तरीके से दिन में मनाई जाती है। राधारमण मन्दिर में जन्माष्टमी पर मन्दिर के सेवायत लाला के दीर्घजीवी होने का आशीर्वाद देते हैं तथा इस मन्दिर से चरणामृत गृहण कर ही वे वृत की शुरूवात करते हैं वही राधा दामोदर मन्दिर में अभिषेक के बाद सेवायत इस पर्व को होली की तरह मनाते है।गोपाल भट्ट गोस्वामी, रूप गोस्वामी, जीव गोस्वामी आदि का विचार था कि लाला को आधी रात जगाकर उनका जन्म दिन मनाना ठीक नही है तथा जन्माष्टमी तो एक प्रकार से वर्षगांठ है इसलिए इन दो मन्दिरों में दिन में जन्माष्टमी मनाई जाती है।

राधारानी की नगरी वृन्दावन के प्राचीन दो सप्त देवालयोंमें श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अलग अलग तरीके से दिन में मनाई जाती है।

राधारमण मन्दिर में जन्माष्टमी पर मन्दिर के सेवायत लाला के दीर्घजीवी होने का आशीर्वाद देते हैं तथा इस मन्दिर से चरणामृत गृहण कर ही वे वृत की शुरूवात करते हैं वही राधा दामोदर मन्दिर में अभिषेक के बाद सेवायत इस पर्व को होली की तरह मनाते है।गोपाल भट्ट गोस्वामी, रूप गोस्वामी, जीव गोस्वामी आदि का विचार था कि लाला को आधी रात जगाकर उनका जन्म दिन मनाना ठीक नही है तथा जन्माष्टमी तो एक प्रकार से वर्षगांठ है इसलिए इन दो मन्दिरों में दिन में जन्माष्टमी मनाई जाती है।

राधारमण मन्दिर में जन्माष्टमी की शुरूवात मुख्य श्रीविग्रह के यमुना स्नान से होती है। इस मन्दिर में मुख्य श्रीविगृह का अभिषेक 27 मन दूध दही आदि मिश्रित पंचामृत से वैदिक मंत्रों के मध्य लगभग तीन घंटे तक किया जाता है। मन्दिर के सेवायत आचार्य दिनेश चन्द्र गोस्वामी ने बताया कि लाला का अभिषेक होने के बाद चरणामृत को वृन्दावनवासियों और तीर्थयात्रियों में प्रसादी वस्त्र के साथ बांटा जाता है। इस चरणामृत को लेने के लिए सैकड़ों लोगों की लाइन लग जाती है।उन्होंने बताया कि चूंकि अभिषेक गाय के दूध दही से होता है इसलिए जन्माष्टमी के एक पखवारे पहले से ही सेवायत गांवों में जाकर गाय के दूध दही के लिए एडवांस में धनराशि दे आते हैं।

अभिषेक हो जाने के बाद लाला का श्रंगार गर्भ गृह के अन्दर ही किया जाता है तथा उन्हे विशेष पोशाक धारण कराई जाती है।श्रंगार के बाद लाला बाहर जगमोहन में आते हैं तथा सिंहासन में विराजमान होते हैं। इसके बाद उन्हें काजल लगाया जाता है तथा नजर न लगे इसलिए मफ्राई लोनफ्फ उतारते हैं। इसके बाद मन्दिर के सेवायत लाला के दीर्घ आयु होने का आशीर्वाद देते हैं। मफ्माई तेरो चिर जीवे गोपालफ्फ

मन्दिर के सेवायत के अनुसार इसके बाद सभी सेवायत ठाकुर से प्रार्थना करते हैं कि मफहे प्रभु आपके श्री चरणों में हमारी सदैव रति मति (मन बुद्धि) बनी रहे।फ्फ ठाकुर जी राजभोग अरागते हैं तथा मन्दिर में मौजूद सभी भक्तों को मफ्किनका प्रसाद मफ दिया जाता है। इस दिन ही उस प्रसादी वस्त्र के दर्शन होते हैं जिसे चैतन्य महाप्रभु ने गोपाल भट्ट गोस्वामी को दिया था।इस मन्दिर में शाम को सामान्य दर्शन होते हैं किंतु रात 12 बजे कोई कार्यक्रम नही होता है।

राधा दामोदर मन्दिर में जन्माष्टमी दिन में निराले तरीके से मनाई जाती है। मन्दिर के सेवायत आचार्य कृष्ण बलराम गोस्वामी ने बताया कि इस मन्दिर में होनेवाले अभिषेक कार्यक्रम में अप्रत्यक्ष रूप से उन भक्तों को भी शामिल किया जाता है जो ठाकुर के अभिषेक के लिये दूध दही या पंचामृत की अन्य सामग्री लाते हैं इस सामग्री को अभिषेक की सामग्री में उनकी उपस्थिति में शामिल कर दिया जाता है।राधा दामोदर, राधा वृन्दावन चन्द्र, राधा माधव एवं राधा छैलचिकन के अभिषेक विगृह को गर्भगृह से बाहर निकालकर जगमोहन में विशेष पात्र में उन्हें विराजमान किया जाता है तथा इनके साथ गिर्राज महराज को गिर्राज शिला के माध्यम से विराजमान किया जाता है।भाव यह है कि जीव गोस्वामी अपने ठाकुर राधा दामोदर का, कृष्णदास कविराज गोस्वामी अपने आराध्य राधा वृन्दावन चन्द का, जैदेव गोस्वामी अपने ठाकुर राधा माधव का , भूगर्भ गोस्वामी अपने आराध्य राधा छैलचिकन का तथा सनातन गोस्वामी अपने आराध्य गिर्राज शिला के माध्यम से गिर्राज जी का पंचामृत अभिषेक करते हैं एवं उनके इस कार्य को मन्दिर के वर्तमान सेवायतगण सम्पन्न कराते हैं।

उन्होंने बताया कि चूंकि इस मन्दिर में पांच विगृहों का अभिषेक किया जाता है इसलिए यहां भी अभिषेक कार्यक्रम वैदिक मंत्रों के मध्य कई घंटे तक चलता है।अभिषेक के बाद जहां चरणामृत को मन्दिर में उपस्थित भक्तों में वितरित कर दिया जाता है वहीं श्रीकृष्ण जन्म की खुशी में सभी सेवायत एक दूसरे पर हल्दी मिश्रित पंचामृत डालते हैं और प्रसन्नता से नाच उठते हैं। इस मन्दिर में भी शाम की सेवा दैनिक सेवा की तरह होती है किंतु मन्दिर में रात 12 बजे किसी कार्यक्रम का आयोजन नही किया जाता है।कुल मिलाकर इन दो मन्दिरों में दिन में जन्माष्टमी मनाने के कारण स्थानीय भक्तों के साथ ही तीर्थयात्रियों काा भारी समूह इन मन्दिरो में दिन में जन्माष्टमी मनाने के लिए आ जाता है तथा वृन्दावन का कोना कोना भक्ति रस से सराबोर हो जाता है।

सिंजारा यानि धमोली आज

पूरे देश में जहां पर भी राजस्थानी निवास करते हैं वहां पर आज सिंजारा यानि धमोली की धमाल की तैयारियां जोरों पर चल रही है। महिलाएं विशेष रूप से घरों में पकवान बनाती है जिस में अधिकतर पूरी, गट्टे की सब्जी,आलू की सब्जी और कबूली (नमकीन चावल) और बाजार से मिठाई नमकीन मंगाई जाती है। कुछ शहरों में धमोली की धमाल मचाने के लिए पकवानों की अस्थायी तौर पर दुकानें लगती है। ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि 22 अगस्त को बड़ी तीज यानी सातुड़ी तीज या कजली तीज हैं।

महिलाओं द्वारा इस दिन पूरे दिन सिर्फ पानी पीकर उपवास किया जाता है। शाम को तलाई पूजा करने के बाद चंद्रदेव के दर्शन के बाद सत्तू, ऋतुफल और फैदड आदि परोसकर व्रत खोलती हैं। 21 अगस्त को दोपहर के बाद से रातभर और अलसुबह सूर्य उदय से पहले धमोली की जाती है। इसमें भोर सुबह में सूर्योदय से पहले भांति- भांति की मिठाई, फल और पकवानों आदि का नाश्ता किया जाता है। अलसुबह इन पकवानों का आनंद लेने के बाद अच्छी तरह से कुल्ला करके एक बार पुनः सोने की परम्परा है। बिल्कुल उसी तरह जैसे करवा चौथ में सरगी की जाती है।

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि फिर तीज के दिन तीजणियां सुबह नहा धोकर मंदिरों में दर्शन के लिए जाती है। महिलाये सोलह बार झूला झूलती है। उसके बाद ही पानी पीती है। जोधपुर शहर से शुरू हुई यह परंपरा आज पूरे देश में धूमधाम से मनाई जा रही है यानी धमोली का धमाल आप जोधपुर के अलावा जयपुर बीकानेर अजमेर दिल्ली मुंबई में भी ले सकते हैं।

सिंजारा का दिन सुहागिन महिलाओं के लिए बेहद खास होता है। सिंजारा में मिठाई और श्रृंगार का सामान दिया जाता है। यदि बेटी ससुराल में है तो ये सिंजारा उसके मायके से भेजा जाता है और अगर बहू मायके में है तो सिंजारा ससुराल से आता है। हालांकि कई जगह पर ससुराल से सिंजारा शादी केवल पहले वर्ष में दिया जाता है।

सिंजारा में आई मेहंदी को महिलाएं अपने हाथों में रचाती हैं और फिर अगले दिन हरियाली तीज का व्रत रखती हैं।

सिंजारा सामग्री लिस्ट

सिंजारा की सुहाग सामग्री में हरी चूड़ी, काजल , मेहंदी , नथ, बिंदी, सिंदुर, गजरा, सोने के आभूषण, मांग टीका, कमरबंद, बिछिया, पायल, झुमके, बाजूबंद, अंगूठी, कंघा आदि चीजें दी जाती हैं। तो वहीं मिठाई में घेवर, रसगुल्ला, मावे की बर्फी भेजी जाती है। इसके अलावा बहू-बेटी के लिए कपड़े भेजे जाते हैं।

ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की ताबड़तोड़ कमाई जारी, 200 करोड़ रुपए की ओर कारोबार

अमर कौशिक के निर्देशन में बनी फिल्म स्त्री 2 दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की यह हॉरर-कॉमेडी फिल्म पहले दिन से बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है।भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 51.8 करोड़ रुपये से ओपनिंग लेने वाली स्त्री 2 ने वीकेंड पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। फिल्म की दैनिक कमाई में बढ़ोतरी हुई है।आइए जानते हैं चौथे दिन फिल्म के खाते में कितने करोड़ रुपये आए।सैकनिल्क के मुताबिक, स्त्री 2 ने रिलीज के चौथे दिन 55 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 190.55 करोड़ रुपये हो गया है। पेड प्रिव्यू के जरिए इस फिल्म ने 8.35 करोड़ रुपये कमाए थे।स्त्री 2 ने 51.8 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 31.4 करोड़ रुपये कमाए।तीसरे दिन यह फिल्म 43.85 करोड़ रुपये का

कारोबार करने में सफल रही।स्त्री 2 के निर्देशन की कमान अमर कौशिक ने संभाली है, दिनेश विजान और ज्योति देशपांडे इसके निर्माता हैं। फिल्म की कहानी निरेन भट्ट ने लिखी है।पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे सितारों ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाया है। इसके अलावा अक्षय कुमार ने इस फिल्म में मेहमान की भूमिका निभाई है।स्त्री 2 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री का सीक्वल है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 180.76 करोड़ रुपये कमाए थे।

बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में की कमाई में मामूली बढ़त, चौथे दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, एमी विर्क, वाणी कपूर और फरदीन खान जैसे सितारों की अदाकारी से सजी फिल्म खेल खेल में से निर्माताओं के साथ-साथ खिलाड़ी कुमार के प्रशंसकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने के लिए संघर्ष कर रही है। अब वीकेंड पर फिल्म की दैनिक कमाई में मामूली इजाफा देखने को मिला है।

आइए जानते हैं चौथे दिन बॉक्स ऑफिस पर खेल खेल में का क्या हाल रहा।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के चौथे दिन यानी रविवार को 3.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 13.95 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में ने 5.05 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर धीमी शुरुआत की थी। दूसरे दिन यह फिल्म 2.05 करोड़ रुपये का कारोबार किया।तीसरे दिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 3.1 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही।खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।आदित्य सील और प्रज्ञा जयसवाल जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद खेल खेल में नेटफ्लिक्स पर दस्तक देगी। फिल्म का प्रीमियर सितंबर के मध्य तक हो सकता है।फिलहाल निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

विक्की कौशल की छावा का टीजर हुआ रिलीज छत्रपति संभाजी महाराज के किरदार में दिखे

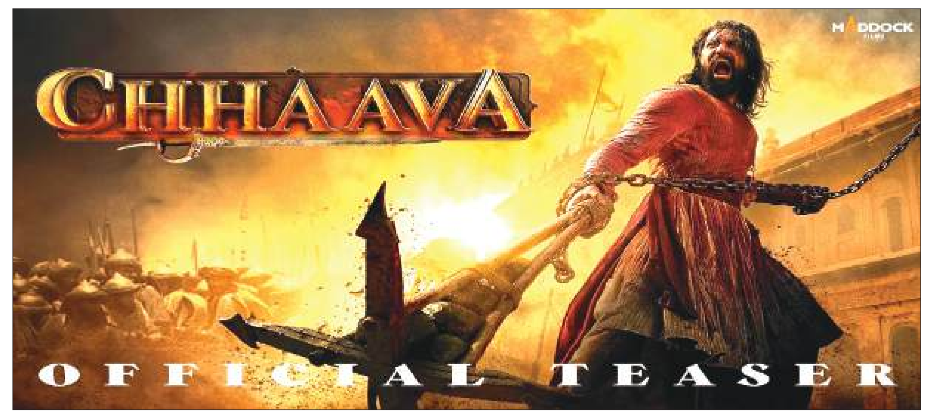

विक्की कौशल की बहादुर छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका वाली फिल्म छावा का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में विक्की कौशल का योद्धा अवतार ने फैंस को दीवाना कर दिया है। यह टीजर स्त्री 2 से पहले दिखाया गया था और इसने फैंस को पहले ही उत्साहित कर दिया है.

विक्की को महान छत्रपति शिवाजी महाराज के दुर्जेय पुत्र के रूप में एक शक्तिशाली परिचय देता है.छावा के मेकर्स ने फिल्म का धांसू टीजर रिलीज किया है. विक्की कौशल ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए लिखा है, स्वराज्य के रक्षक. धर्म के रक्षक. छावा - एक साहसी योद्धा की महाकाव्य गाथा.टीजर आउट. योद्धा 6 दिसंबर 2024 को दहाड़ेगा.

टीजर की शुरुआत एक रणभूमि से होती है. बैक ग्राउंड में एक दमदार डायलॉग के साथ छावा का परिचय देते हुए सुना जा सकता है. इसके बाद छत्रपति संभाजी महाराज के रूप में विक्की कौशल की एंट्री होती है, जो दुश्मनों से युद्ध करते हुए नजर आते हैं.

शेर की दहाड़ के साथ छत्रपति संभाजी महाराज दुश्मनों को संहार करते है. विक्की कौशल के ये अवतार ने फिल्म को लेकर और उत्सुकता बढ़ा दी है.छावा एक ऐतिहासिक ड्रामा है. छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है. फिल्म में विक्की कौशल मराठा साम्राज्य के संस्थापक के सबसे बड़े बेटे छत्रपति संभाजी महाराज का किरदार निभाने वाले हैं. दूसरी ओर, रश्मिका मंदाना फिल्म में येसुबाई भोंसले की भूमिका निभा रही हैं. फिल्म में अक्षय खन्ना, आशुतोष राणा और दिव्या दत्ता भी मुख्य भूमिकाओं में हैं. रिपोर्ट के अनुसार, अभिनेता नील भूपालम को भी फिल्म में मुगल राजकुमार का किरदार निभाने के लिए चुना गया है.

जॉन अब्राहम की वेदा ने चौथे दिन कमाए इतने करोड़ रुपए, जानिए कुल कारोबार

जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ की फिल्म वेदा को स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि, यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।वीकेंड पर भी फिल्म की दैनिक कमाई में खास सुधार देखने को नहीं मिला है।अब वेदा की कमाई के चौथे दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जो बहुत निराशाजनक हैं।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने अपनी रिलीज के चौथे दिन 2.70 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 13.25 करोड़ रुपये हो गया है।वेदा ने बॉक्स ऑफिस पर 6.3 करोड़ रुपये के साथ धीमी शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन यह 1.8 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही। तीसरे दिन इस फिल्म 2.45 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।फिल्म की बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।वेदा का निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया है, वहीं इसकी कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। जॉन ने इस फिल्म का निर्माण उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी के साथ मिलकर किया है।वेदा में जॉन के साथ शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं। उनकी अदाकारी की फिल्म में खूब तारीफ हो रही है।अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। मौनी रॉय ने फिल्म में कैमियो किया है।

घूमर के एक साल पूरे होने पर सैयामी खेर ने इसे अपने जीवन का एक अध्याय बताया

फिल्म घूमर की सफलता से अभिनेत्री सैयामी खेर काफी खुश हैं। उन्होंने अपनी खुशी को एक्स पर पोस्ट कर जाहिर की। फिल्म घूमर एक साल पहले रिलीज हुई थी जिसमें सैयामी खैर और फिल्म स्टार अभिषेक बच्चन मुख्य रोल में नजर आए थे।फिल्म स्पोर्ट्स पर आधारित है।

सैयामी ने कहा मुझे खुशी है कि फिल्म को एक साल के अंदर ही इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। यह फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं है; यह मेरे जीवन का एक अध्याय है। हर फिल्म में बहुत मेहनत लगती है। इस फिल्म में कड़ी मेहनत के साथ नाखून भी टूटे।बता दें कि फिल्म में सैयामी ने अनीना की भूमिका निभाई है। वहीं अभिषेक बच्चन ने कोच के रूप में दमदार अभिनय किया। सैयामी इस फिल्म में पैरा-क्रिकेटर की भूमिका में थी। जिसे अभिषेक बच्चन ने कोचिंग दी। इन दोनों के अलावा अंगद बेदी ने भी फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।इस

फिल्म के लिए उन्होंने निर्देशक आर. बाल्की को धन्यवाद किया और कहा कि इस फिल्म में मुझे एक अभिनेता के रूप में निभाने के लिए बहुत कुछ उन्होंने दिया। मैं इस फिल्म में मेरा साथ देने के लिए बाल्की सर की हमेशा आभारी रहूंगी। मुझे उम्मीद है कि मुझे ऐसी चुनौतीपूर्ण और रोमांचक भूमिकाएं मिलती रहेंगी।घूमरळ हमेशा मेरे दिल में एक खास जगह रखेगा, और मैं भविष्य में ऐसे कई और अनुभवों का इंतजार कर रही हूं।इस फिल्म की कहानी में अनीना जो कि क्रिकेट खिलाड़ी हैं, उनका सपना है कि एक दिन वह भारत के लिए क्रिकेट खेले। लेकिन, एक हादसे में वह अपना दायां हाथ खो देती हैं। इस हादसे के बाद अनीना काफी टूट जाती हैं और अपने अधूरे सपने को लेकर मरना चाहती हैं। इसी बीच अभिषेक बच्चन की एंट्री होती है जो अनीना में विश्वास जगाते हैं कि वह एक हाथ से भी खेल सकती है।

सिल्वर रिवीलिंग साड़ी पहन मौनी रॉय ने शेयर किया ग्लैम लुक

टीवी से बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग के दम पर पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस मौनी रॉय आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ ग्लैमरस फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।मौनी रॉय हमेशा अपने ग्लैमरस लुक्स और स्टाइलिश फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक पर अपना दिल हार जाते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की बेहद खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनकी कातिल अदाओं से फैंस की नजरें

नहीं हट पा रही हैं।मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की साड़ी पहनी हुई है। यह साड़ी काफी रिवीलिंग लुक में दिखाई दे रही हैं।एक्ट्रेस मौनी रॉय का यह लुक फैंस को काफी ज्यादा पसंद आ रहा है। इन तस्-वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती हुई कैमरे के सामने किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं।उनका ये टेम्पटिंग लुक देखकर हर कोई उनकी तारीफ करता हुआ नहीं थक रहा है। बता दें कि लोग उनकी एक्टिंग ही नहीं बल्कि बोल्ड लुक्स के भी दीवाने हैं।बालों को बांधकर, लाइट मेकअप और न्यूड शेड लिप्सटिक लगाकर एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने इस लुक को और भी ज्यादा खूबसूरती के साथ निखारा है।इंडियन हो या फिर वेस्टर्न मौनी रॉय हर अंदाज में कहर ढाती हैं। उनका ग्लैमरस लुक अक्सर फैंस को दीवाना बना देता है।

अक्षय कुमार के खाते में जुड़ी एक और फ्लॉप फिल्म! खेल खेल में ने टेके घुटने

अक्षय कुमार के करियर के सितारे इन दिनों गर्दिश में चल रहे हैं और इस बात से कोई भी इनकार नहीं कर सकता। खिलाड़ी कुमार एक के बाद एक फिल्में लेकर आ रहे हैं लेकिन इसे मनचाही सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसा ही कुछ हाल उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'खेल खेल में' का भी हुआ है। अक्षय के साथ-साथ वाणी कपूर, तापसी पन्नू, एमी विर्क, प्रज्ञा जायसवाल, फरदीन खान और आदित्य सील जैसे सितारों से सजी यह फिल्म दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में असफल नजर आ रही है, जिसका नतीजा इसके बॉक्स ऑफिस कलेक्शन पर साफ दिख रहा है। पांच दिन की कमाई निर-ाशाजनक रही है। वहीं, इसके छठे दिन का आंकड़ा निर्माताओं की चिंता बढ़ाने वाला है।

जबर्दस्त चर्चा और जोशीले साउंडट्रैक के बावजूद 'खेल खेल में' बॉक्स ऑफिस पर हलचल पैदा करने में विफल रही है। फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस के टिकट विंडो पर 5 करोड़ 5

लाख रुपये की ओपनिंग ली। हालांकि, इस बार माना जा रहा था कि शायद अक्षय की यह फिल्म कमाल कर जाए लेकिन उम्मीदों पर फिर से पानी फिर चुका है। मुदस्सर अजीज के निर्देशन में बनी इस फिल्म का टिकट विंडो पर संघर्ष जारी है।

फिल्म खेल खेल में ओपनिंग वीकएंड पर भी कमाल दिखाने में असफल रही है। 5 करोड़ 5 लाख रुपये से बॉक्स ऑफिस पर खाता खोलने वाली इस फिल्म ने रिलीज के दूसरे दिन 2 करोड़ 5 लाख रुपये की कमाई की। इसका तीसरे दिन का कलेक्शन 3.1 करोड़ रुपये रहा। चौथे दिन इसने 3.85 करोड़ रुपये जोड़े। पांचवें दिन कमाई में गिरावट आई और कारोबार महज 2 करोड़ रुपये रहा।

वहीं, फिल्म 'खेल खेल में' की छठे दिन की कमाई निर्माताओं के हाथ-पैर फुलाने वाली है। अक्षय कुमार की इस मूवी का कलेक्शन लाखों में सिमट गया है। फिल्म ने छठे दिन महज 71 लाख रुपये कमाए हैं, जिससे इसका अबतक का कुल कारोबार 16.76 करोड़ रुपये ही हो पाया है। लगभग 100 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म की कमाई इसके साल के बड़े फ्लॉप बनने की ओर इशारा कर रही है।

बता दें, खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की 'स्त्री 2' और जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ अभिनीत 'वेदा' के साथ टकराव देखने को मिल रहा है। जहां 'खेल खेल में' 'वेदा' पर बढ़त बनाए हुए है, वहीं दोनों फिल्मों को बॉक्स ऑफिस पर 'स्त्री 2' ने पछाड़ दिया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। एक बेहतरीन शाम के लिए दोस्त घर आ सकते हैं। आपकी थकी और उदास ज़िन्दगी आपके जीवन-साथी को तनाव दे सकती है। आप क़ामयाबी ज़रूर हासिल करेंगे – बस एक-एक करके महत्वपूर्ण क़दम उठाने की ज़रूरत है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। जीवनसाथी के ख़राब स्वास्थ्य की वजह से आपका कामकाज प्रभावित हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएं। समय और धन की कद्र आप को करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक्त परेशानियों भरा रह सकता है। अपने परिवार के साथ रुखा व्यवहार न करें। यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है। किसी भी ख़र्चीले काम या योजना में हाथ डालने से पहले ठीक तरह से सोच-विचार कर लें। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है। यह आपके पूरे वैवाहिक जीवन के सबसे ज़्यादा स्नेहपूर्ण दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

जिन लोगों ने अपना पैसा सट्टेबाजी में लगा रखा था आज उन्हें नुक्सान होने की संभावना है। सट्टेबाजी से दूर रहने की आपको सलाह दी जाती है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। शाम ढलते-ढलते कोई आकस्मिक घटना आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। भागीदार आपकी योजनाओं और व्यावसायिक ख़यालों के प्रति उत्साही होंगे। तनाव से भरा दिन, जब नज़दीकी लोगों से कई मतभेद उभर सकते हैं। आज के दिन आपके और आपके जीवनसाथी के लिए गहरी आत्मीयतापूर्ण बातें का सही समय है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाक़ात संभव है, जिसके चलते पुरानी ख़ुशनुमा यादें फिर तरोताज़ा होंगी। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है लेकिन बात को आगे बढ़ाने से पहले यह जरुर जान लें कि कहीं वो शख्स किसी के साथ रिश्ते में न हो। आज के दिन कुछ भी करने के लिए अपने साथी पर दबाव न डाले, अन्यथा आपके दिलों में दूरियां आ सकती हैं।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। आप अपनी परेशानियों को भूलकर परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे। अगर आपका साथी अपना वादा न निभाए तो बुरा महसूस न करें- आपको बैठकर बातचीत के ज़रिए मामला सुलझाने की ज़रूरत है। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है जीवनसाथी आपका रिश्ता मज़बूत होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। आज इस राशि के कुछ बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुधरेगी। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। वह आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेगा और आप उसके ज़रिए अपने सपने साकार होते हुए देखेंगे। खाली वक्त में कोई पुस्तक पढ़ सकते हैं। हालांकि आपके घर के बाकी सदस्य आपकी एकाग्रता को भंग कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन से जुड़े मामलों में जितना आप सतर्क रहेंगे उतना ही आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे कार्यक्षेत्र के नज़रिए से आज का दिन आपका है। इसका भरपूर फ़ायदा उठाएं। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं। आपको ज़रूरत है तो जीवनसाथी के साथ आत्मीय बातचीत की।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। अगर आप सोचते हैं कि यार दोस्तों के साथ आवश्यकता से अधिक वक्त बिताना आपके लिए सही है तो आप गलत हैं ऐसा करने से आपको आने वाले वक्त में दिक्क़तों का सामना करना पड़ेगा और कुछ नहीं। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज घर की छोटी-छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपको पता लग सकता है कि आपके बॉस आपसे इतने रूखेपन से क्यों बात करते हैं। वजह जानकर आपको वाक़ई तसल्ली होगी। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत बढ़िया रहेगी। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं. किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। यात्रा आपके लिए आनन्ददायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। अचानक आयी ज़िम्मेदारी आपकी दिन की योजनाओं में बाधा डाल सकती है। आप पाएंगे कि आप दूसरों के लिए ज़्यादा और ख़ुद के लिए कम कर पा रहे। प्रेम-जीवन में आशा की नयी किरण आयेगी। साझेदारी में किए गए काम आख़िरकार फ़ायदेमंद साबित होंगे, लेकिन आपको अपने भागीदारों से काफ़ी विरोध का सामना करना पड़ सकता है। आज आप अपने जीवनसाथी से काफ़ी आत्मीय बातचीत कर सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है। अगर आप अपनी घरेलू ज़िम्मेदारियों को अनदेखा करेंगे, तो कुछ ऐसे लोग नाराज़ हो सकते हैं जो आपके साथ रहते हैं। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। तरोताज़गी और मनोरंजन के लिए बढ़िया दिन, लेकिन अगर आप काम कर रहे हैं तो व्यावसायिक लेन-देन में सावधानी की ज़रूरत है। अगर आप अपने घर से बाहर रहकर अध्ययन या नौकरी करते हैं तो आज के दिन आप खाली समय में अपने घर वालों से बात कर सकते हैं। घर की किसी खबर को सुनकर आप भावुक भी हो सकते हैं। आपका वैवाहिक जीवन आपके परिवार के चलते नकारात्मकर रूप से प्रभावित हो सकता है, लेकिन आप दोनों होशियारी से चीज़ें संभाल सकते हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 21 अगस्त 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 05:09 तक
नक्षत्र : पूर्वाभाद्रपदा रात्रि 12:34 तक
योग : सुकर्मा सायं 05:00 तक
करण : तैतिल प्रात: 06:52 तक
चन्द्र राशि : कुंभ रात्रि 07:13 तक
सूर्योदय : 06:00 , सूर्यास्त 06:37 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:37 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:30 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:28 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष : कज्जली बूढ़ी तीज , भद्रा उत्तर रात्रि 03:26 से , पंचक चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भाजपा ने रवनीत सिंह बिट्टू को बनाया राजस्थान से राज्यसभा उपचुनाव में प्रत्याशी

आज दाखिल करेंगे नामांकन पत्र

जयपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी तीन सितंबर को राजस्थान में राज्यसभा की एक सीट के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए केन्द्रीय रेल राज्य मंत्री सरदार रवनीत सिंह बिट्टू को अपना उम्मीदवार बनाया है। भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति ने मंगलवार को राजस्थान राज्यसभा उपचुनाव के लिए श्री बिट्टू को भाजपा उम्मीदवार बनाये जाने की स्वीकृति प्रदान की। श्री बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के पोते हैं और उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले गत 24 मार्च को ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा था।इसके बाद भाजपा ने तीन बार सांसद रहे श्री बिट्टू को लुधियाना से अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाया था लेकिन वह चुनाव हार गए। इसके बावजूद उन्हें मंत्री बनाया गया। श्री बिट्टू वर्ष 2019 एवं 2014 में लुधियाना तथा 2009 में आनंदपुर साहिब से कांग्रेस उम्मीदवार के रुप में लोकसभा का चुनाव लड़कर तीन बार सांसद बने। उन्होंने पंजाब में वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जलालाबाद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी के रुप में चुनाव लड़ा लेकिन वह चुनाव हार गए। अब उन्हें राज्यसभा में सांसद बनने का मौका मिला हैं।

राजस्थान में भाजपा की सरकार हैं और उसके बहुमत के हिसाब श्री बिट्टू को राज्यसभा चुनाव जीतने में कोई दिक्कत नजर नहीं आ रही हैं। उपचुनाव में अब तक निर्दलीय उम्मीदवार बबीता बाघवानी ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया गत 14 अगस्त से शुरू हुई और 21 अगस्त तक नामांकन पत्र भरे जा सकेंगे। ऐसे में श्री बिट्टू कल अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक खेत से तीन किलो हेरोइन बरामद

श्रीगंगानगर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अनूपगढ़ जिले के समेजा कोठी थाना क्षेत्र में पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट एक खेत से पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराया गया तीन किलो हेरोइन का पैकेट बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका मूल्य 15 करोड़ रुपये है।पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि सुबह चक 44-पी में नरमा की फसल वाले बलवंत सिंह नामक व्यक्ति के खेत में एक पैकेट बड़ा मिला। सूचना मिलने पर पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारी मौके पर पहुंचे। पैकेट को खोला तो उसमें दो पैकेट मिले, जिनमें डेढ- डेढ़ किलो हेरोइन थी। दोनों पैकेट पर टाइगर का मार्क लगा हुआ है।पुलिस ने दावा किया है कि इस क्षेत्र में कल रात संदिग्ध हलचल होने की पहले से ही सूचना थी। एक सिपाही कालूराम की सूचना पर उक्त हेरोइन बरामद हुई। दूसरी ओर अन्य सूत्रों का कहना है कि यह हेरोइन का पैकेट कई दिनों से पड़ा है। संभवत: कई पैकेट गिराये गये, इसमें यह पैकेट तस्करों से छूट गया है।पैकेट मिलने पर बीएसएफ, पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने आसपास के खेतों में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कुछ नहीं मिला। इस संबंध में समेजा कोठी थाना में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित चक 44-पीएस भारत और पाकिस्तान के मादक पदार्थों के तस्करों का गढ़ बन रहा है।

नदी में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

अलवर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के बड़ौदा मेव थाना अंतर्गत समीपवर्ती ग्राम घाट का बास में नदी में बने गहरे गड्ढे में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घाट का बास गांव निवासी दोनो बहनें धोली बाई 15 और संजना जाटव 14 सोमवार को खेत में डाल पर उगे करेले तोड़ने गई थी कि इस दौरान यह हादसा हो गया। नदी में बने एक गहरे गड्ढे में भरे पानी में एक का पैर फिसल गया जिससे वह गड्ढे में गिर गई। दूसरी बहन ने अपनी बहन को बचाने का प्रयास किया और वह भी उसमें गिर गई।

गड्ढे में दलदल होने के कारण दोनों बहनों की पानी में डूबने से मौत हो गई।

दोनों बहनें काफी देर तक घर नहीं पहुंची, तो परिजन उनकी तलाश करने आए। परिजनों को पता चला कि वह गहरे पानी के गड्ढे में डूब गई है और उनके शव तैर रहे हैं।

शवों को ग्रामीणों की सहायता से बाहर निकाला गया। दोनों को अस्पताल लेकर गए तो डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दोनों बहन घाट के सरकारी विद्यालय में 10वीं एवं 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। इनके पिता की बीमारी के कारण करीब दो वर्ष पूर्व मौत हो चुकी थी। मृतकाओं के शवों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

हुड्डा बताएं, बुजुर्गों को पेंशन के लिए किस तरह धक्के खाने पड़ते थे : सैनी

चंडीगढ़/ नारायणगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को अपने गृह नगर नारायणगढ़ में म्हारा हरियाणा नॉन स्टॉप हरियाणा जन आशीर्वाद रैली में कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ललकारते हुए कहा कि उनमें दम है तो हिसाब दें और बताएं कि बुजुर्गों को पांच सौ रुपये पेंशन के लिये किस तरह धक्के खाने पड़ते थे।

श्री सैनी ने कहा कि पांच सौ रुपए पेंशन के लिये सरकारी कार्यालयों में घंटों लाइन में लगना पड़ता था। अब श्री हुड्डा बोल रहे हैं कि पेंशन छह हजार रुपये कर देंगे, वह 10 साल मुख्यमंत्री रहे, जब उन्होंने पेंशन क्यों नहीं बढ़ाई। दरअसल श्री हुड्डा की नीयत खराब है और नीति भी ठीक नहीं।

कांग्रेस का नेतृत्व भी गलत लोगों के हाथों में है, ये कोंग्रेसी तो मंच पर ही जूतमपैजार हो जाते हैं। जिस पोर्टल से घर बैठे तीन लाख 23 हजार बुजुर्गों की पेंशन बनी हैं, ये उसी पोर्टल को खत्म करने की बात करते हैं। जन आशीर्वाद रैली में मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा को किसानों की चिंता है। नारायणगढ़ में किसानों के लिये कोआपरेटिव शुगर मिल बनाया जायेगा, इसके लिये पंचायत ने जमीन भी दे दी है और चार अक्टूबर के बाद भाजपा की सरकार बनते ही काम शुरू हो जायेगा। हमारी सरकार किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए मिशन मोड पर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि समाज का हर वर्ग हरियाणा सरकार द्वारा लिए गए फैसलों का स्वागत कर रहा है। मैं जब भी राज्य के विधानसभा क्षेत्रों का दौरा करता हूं तो पिछले 10 सालों में हमारी सरकार द्वारा राज्य में किए गए कामों को साझा करता हूं। श्री सैनी ने कहा, मैं नारायणगढ़ में पैदा हुआ और यहां की सरदारी को नतमस्तक करता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि नारायणगढ़ में ही नहीं बल्कि अंबाला की सभी चारों विधानसभाओं में आपके आशीर्वाद से कमल खिलेगा। सैनी ने कहा कि जनता के प्यार से तय हो गया है कि हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बन रही है।

हरियाणा राज्यसभा उपचुनाव: भाजपा ने किरण चौधरी को बनाया उम्मीदवार

रास प्रत्याशी चयनित होते ही किरण ने विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

चंडीगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा राज्यसभा उपचुनाव के लिए भाजपा ने किरण चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया है। उम्मीदवार तय करने को लेकर मंगलवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें पार्टी के राज्यसभा उम्मीदवार के लिए किरण चौधरी के नाम पर पर मुहर लगी। कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि विधायक दल की बैठक में किरण चौधरी को उम्मीदवार बनाए जाने पर सभी ने अपनी सहमति जताई, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। वहीं, अब बुधवार को किरण चौधरी राज्यसभा के उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगी। भाजपा के इस निर्णय को देखते हुए हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुईं तोशाम से विधायक किरण चौधरी ने मंगलवार को विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। किरण चौधरी राज्यसभा में हरियाणा से एक रिक्त सीट के उपचुनाव के लिए बुधवार को नामांकन दाखिल करेंगी। बुधवार नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन है। राज्यसभा की यह सीट दो माह पहले लोकसभा चुनाव में दीपेन्द्र हुड्डा के रोहतक से सांसद चुने जाने से रिक्त हुई है।

कांग्रेस पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि वह उपचुनाव में हिस्सा नहीं लेगी क्योंकि उनके पास संख्याबल नहीं है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा था कि यदि कांग्रेस के पास संख्याबल होता तो कांग्रेस पहलवान विनेश फोगाट को राज्यसभा भेजती। राज्यसभा उपचुनाव कार्यक्रम के अनुसार नामांकन 21 अगस्त तक भरे जा सकेंगे। नामांकनों की जांच 22 अगस्त को होगी। नामांकन वापस 27 अगस्त को लिये जा सकेंगे और आवश्यकता हुई तो मतदान तीन सितंबर को हरियाणा विधानसभा सचिवालय में होगा।

बिजली के तार बिछा रहे युवक की करंट लगने से मौत

हनुमानगढ़, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में मंगलवार को गांव पोहड़का में बिजली की नयी लाइन बिछाई जाने के दौरान करंट लगने से लाइन बिछा रहे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गयी।

पुलिस ने बताया कि गुरुसेवक सिंह (35) ने ठेकेदार अमरचंद और लाइनमैन भजनलाल के विरुद्ध मामला दर्ज कराते हुये बताया कि ठेकेदार अमरचंद को पोहड़का के वार्ड नंबर एक में बिजली की लाइन बिछाने का काम मिला है।

वह और गुरुपिंदर सिंह अमरचंद के पास लाइन बिछाने का काम कर रहे थे। सुबह जब वे लाइन खींचने का काम कर रहे थे, तभी बिना कोई सूचना दिये भजनलाल ने इसी लाइन को स्विच से जोड़ दिया, जिससे गुरुपिंदर सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गयी है। शव पोस्टमार्टम करवाने के बाद उसके साथियों को सौंप दिया गया।

बाघिन और उसके शावकों की अठखेलियों से एक घंटे यातायात थमा

भरतपुर, 20 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर में गणेश मंदिर मार्ग पर मंगलवार सुबह तीन शावकों के साथ बाघिन ऐरोहेड के सड़क पर आ जाने से श्रद्धालुओं में हड़कंप मच गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करीब एक घण्टे तक मंदिर मार्ग पर आवागमन बाधित रहने के बाद वन विभाग ने गणेश धाम का द्वार बंद कर दिया। बाघिन एवं उसके शावकों द्वारा एक घण्टे तक सड़क पर अठखेलियां करने के बाद बाघिन ने जंगल की ओर रुख कर लिया। इस पर लोगों ने चैन की सांस ली। वन विभाग ने बाघिन एवं उसके शावकों पर नजर रखने के साथ ही उनकी गतिविधियों की निगरानी शुरु कर दी है। त्रिनेत्र गणेश मन्दिर मार्ग पर जाने वाले श्रद्धालुओं को रास्ते में वाहन रोकने से मना करने के साथ ही चेतावनी जारी की है। बाघिन टी-84 ऐरोहेड का क्षेत्र नम्बर एक में होने से उसका त्रिनेत्र गणेश मन्दिर मार्ग पर आना जाना बना ही रहता है।

भाजपा मुझे टिकट दे तो ठीक वरना अपना देखे : रणजीत चौटाला

सिरसा, 20 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने सिरसा के कालावाली में मंगलवार को कहा कि रानियां से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उन्हें टिकट देती है तो ठीक, वरना भाजपा अपना देखें।

श्री चौटाला ने कहा, मैं रानियां से चुनाव जरूर लड़ूंगा और जीतूंगा भी। मैं चौधरी देवीलाल का बेटा हूं, प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर मेरा अपना जनाधार है। इससे पहले हरियाणा लोक पार्टी (हलोपा) नेता गोपाल कांडा के भाई एवं भाजपा नेता गोविंद कांडा ने सिरसा की रानियां सीट से अपने पुत्र धवल कांडा को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसको लेकर राज्य की भाजपा सरकार में बिजली मंत्री रणजीत चौटाला भडक़ गये। उन्होंने सोमवार को समर्थकों के साथ बैठक की थी, जिसमें भाजपा नेताओं को नहीं बुलाया। इस बैठक में रणजीत चौटाला ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। श्री चौटाला ने गोपाल कांडा को लेकर तीखी बयानबाजी की। श्री चौटाला ने कहा था, यह श्री गोपाल कांडा का काम है। इस बार ये सिरसा भी हारेंगे। श्री चौटाला ने चेतावनी दी कि अगर हलोपा-भाजपा मिलकर चुनाव लड़ेंगे और रानियां सीट पर किसी और को उतारा गया तो वह अपना फैसला लेने के लिये मजबूर होंगे।

गौरतलब है कि रणजीत चौटाला लोकसभा चुनाव 2024 में हिसार से भाजपा प्रत्याशी थे और कांग्रेस के जयप्रकाश से हार गये थे। वहीं, मुख्यमंत्री नायब सैनी पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा भी हलोपा के साथ गठबंधन की घोषणा जल्द कर सकती है। इससे पहले ही श्री चौटाला ने भाजपा पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

मुजफ्फरपुर नाबालिग हत्याकांड: बहुजन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित 16 लोग गिरफ्तार

माहौल बिगाड़ने का आरोप

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में समर्थकों को लेकर पहुंचे बहुजन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डन दास सहित 16 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। गोल्डन दास पर माहौल बिगाड़ने के दर्जनों आरोप हैं। हालांकि इस मामले में गिरफ्तार किए सभी लोगों पर गांव में घुसकर जमकर उत्पात मचाने, लूटपाट करने और लोगों के घर में घुसकर लूट मचाने का आरोप है। बताया जा रहा है कि मौके पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया था, जिसके बाद कार्रवाई कर पकड़ा गया है। पुलिस ने इस मामले में 38 मोटरसाइकिलें और एक लग्जरी कार जब्त की है।

पुलिस ने बताया कि पारू थानाक्षेत्र में रविवार शाम को बहुजन समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डन दास ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर पूरे गांव में जमकर उत्पात मचाया था। इस दौरान पूरे गांव में घुस कर लोगों के साथ मारपीट करके सामानों को लूट लिया गया था। इसके साथ ही ग्रामीणों के साथ विरोध करने पर मारपीट और गाली-गलौज कर

माहौल को खराब करने की कोशिश की गई। उसके बाद ग्रामीणों के द्वारा इसका विरोध कर मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जब उपद्रव कर रहे लोगों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया तो आरोपियों ने और भी उपद्रव करते हुए पुलिस टीम पर भी हमला बोल दिया था, जिसमें कई पुलिसकर्मी जख्मी हो गए।

इसके बाद मामले की जानकारी जिले के वरीय अधिकारियों को दी गई। उसके बाद मौके पर पहुंची कई थानों की टीम ने कार्रवाई कर गोल्डन दास सहित 16 लोगों को हिरासत में ले लिया। फिर मिले साक्ष्य और अन्य जानकारी के बाद सभी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मामले की जानकारी देते हुए एसएसपी राकेश कुमार ने बताया कि कल पारु थानाक्षेत्र में एक नाबालिग लड़की की हुई हत्या के बाद पुलिस कार्रवाई के विरोध में और नाबालिग बच्चों के परिजनों को न्याय दिलाने के नाम पर एक कथित नेता और बहुजन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डन दास को पकड़ा गया है। इस दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उपद्रव मचाने वाले अन्य 16 लोगों को पकड़ा है। सभी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेजे जाने की कवायद की जा रही है।

पुलिस ने अपनी जांच में बताया कि कथित नेता गोल्डन दास द्वारा बीते कई दिनों से एक वाट्सएप ग्रुप बनाकर लोगों से पैसे की उगाही की जा रही थी। यही नहीं बल्कि क्यू आर कोड को अलग-अलग जिलों में भेज कर पारु थानाक्षेत्र में घटित घटना में पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और हर संभव मदद करने की भी बात का प्रचार-प्रसार किया गया था। इसके एवज में 67 हजार रुपये को जमा किया था। इस बात का खुलासा मुजफ्फरपुर पुलिस की टेक्निकल टीम औरडीआईयू ने किया है। उसके बाद इस मामले में आरोपी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है और उपद्रव मचाने और माहौल को खराब करने के लिए जिम्मेदार माना है। अब सभी को जेल भेजा जा रहा है।

एसएसपी राकेश कुमार ने इस मामले में बताया कि गोल्डन दास की पार्टी कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है। इसका भीम आर्मी की पार्टी से कोई लेना-देना नहीं। भीम आर्मी की पार्टी के लोगों ने गोल्डन दास से खुद का किनारा किया है और बताया कि हमारी पार्टी को भी बदनाम करने की कोशिश की गई। इस मामले में मुख्य आरोपी गोल्डन दास सहित सभी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल भेजा जा रहा है।

गया में एक साल के बच्चे ने सांप को मुंह में रख कर चबा डाला

गया (एजेंसियां)।
गया जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक साल के बच्चे ने सांप को अपने मुंह से काट कर मार डाला। इसकी जानकारी मिलते ही परिजन और गांव वाले हैरान रह गए। आनन-फानन में परिजन बच्चे को स्थानीय डॉक्टर के पास इलाज के लिए ले गए। जहां डाक्टरों ने बच्चे को स्वस्थ बताया। उसके बाद माता-पिता ने राहत की सांस ली। यह पूरा मामला शनिवार का है।

जानकारी के मुताबिक, जिले के फतेहपुर थानाक्षेत्र के जमुहार गांव निवासी राकेश कुमार का एक साल का बच्चा रियांश अपनी छत पर खेल रहा था। तभी सांप का एक बच्चा छत पर पहुंच गया, जिसे देख बच्चे ने खिलौना समझकर उसे पकड़ लिया और उसके साथ खेलने लग गया। देखते ही देखते बच्चे ने सांप को अपने मुंह में लेकर चबा-चबाकर मार डाला। जब बच्चे की मां ने देखा तो वह हैरान रह गई। आनन-फानन में उसने बच्चे के मुंह से सांप को बाहर निकाला और उसे फतेहपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। जहां डॉक्टर ने बच्चे का इलाज किया और कहा कि बच्चा पूरी तरह से स्वस्थ है।

इस संबंध में परिजनों को डाक्टरों ने बताया कि यह सांप जहरीला नहीं है। अक्सर बारिश के दिनों में यह सांप मिल जाता है। तब परिजनों ने राहत की सांस ली। दरअसल, यह मामला बीते शनिवार का है और इस घटना का वीडियो भी वायरल हो रहा है।

तेजस्वी यादव ने सरकार पर कसा तंज

डबल इंजन का डबल पावर अब गोली नहीं बम चल रहा

पटना (एजेंसियां)।
वैशाली में रेसिडेंट आवासीय होटल पर बमबाजी को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर सरकार पर हमला किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि बिहार में सत्ता संरक्षित अपराधियों के हौसले इतने बुलंद है कि रंगदारी नहीं देने पर अब सीधा बमबारी करते है। ये डबल इंजन का डबल पॉवर है कि अब गोली नहीं बम चल रहे है। सरकार में अनियंत्रित अपराध पर बोलने को कोई तैयार नहीं हैं।

बीते 17 अगस्त की देर रात में दर्जनों बदमाशों ने हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के दिग्गी अंतर्गत महुआ मोड़ स्थित होटल पर

बमबाजी किया था। बदमाशों ने होटल संचालक से पहले 25 लाख रुपये रंगदारी की मांग की थी। एक महीने के अंदर रंगदारी नहीं देने पर उसकी हत्या करने की भी धमकी दी गई थी। होटल मालिक का कहना है कि रात में कुछ अपराधी आये और खाने-पीने को लेकर होटल कर्मियों से कहा-सुनी हुई थी। इसके बाद 10 से 15 की संख्या में अपराधी दोबारा होटल पहुंचे और दो बम फेंक दिया। बम फटते ही होटल के बाहर धुआं-धुआं हो गया और सभी अपराधी घटनास्थल से फरार हो गए थे।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि होटल मालिक ने अज्ञात अपराधियों के खिलाफ आवेदन दिया है। आवेदन में उन्होंने लिखा है कि वे अपराधी होटल पर 25 लाख की रंगदारी मांगने आये थे। विरोध करने पर उनलोगों ने होटल पर बम फेंक दिया। पुलिस ने इस मामले में अब तक तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। लांकि इस घटना के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि होटल मालिक का एक शख्स से रुपये के लेन-देन का मामला है। इसी वजह से यह घटना हुई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तेजस्वी यादव की तरह चिराग पासवान भी यूपीएससी के विज्ञापन के खिलाफ

पटना (एजेंसियां)।
केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने यूपीएससी लेटरल भर्ती पर एतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि मेरी पार्टी पूरी तरीके से इस तरीके की नियुक्तियों को लेकर अपनी सोच स्पष्ट करती है। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी अगर सरकारी नियुक्तियां होती हैं तो उसमें आरक्षण के प्रावधानों का पालन होना चाहिए. इसमें कहीं कोई दिक्कत की बात नहीं है। प्राइवेट क्षेत्र में इसके प्रावधान नहीं हैं ऐसे में अगर सरकारी क्षेत्र में भी इसे अगर लागू नहीं किया जाएगा, कल जिस तरीके से यह जानकारी सामने आई है, मेरे लिए भी चिंता का विषय है। चिराग पासवान ने कहा कि मैं भी सरकार का हिस्सा हूं, मेरे पास वह प्लेटफार्म है इन बातों को वहां रखने का। चिराग पासवान

ने आगे कहा कि पार्टी के तरफ से अगर बोलूं तो हम लोग कभी इसके पक्ष में नहीं हैं। चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरह से यह नियुक्तियां हुई हैं, जिसमें बिना आरक्षण के प्रावधानों के मद्देनजर रखते हुए यह किया गया है, यह सही नहीं है। मैं भी सरकार के समक्ष इस विषय को रखूंगा। यूपीएससी लेटरल भर्ती यूपीएससी ने अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों में निदेशक, संयुक्त सचिव और उप सचिव के 45 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन निकाला है। यह भर्तियां लेटरल एंट्री के तहत की जाएंगी। यह बनने के लिए अब तक पहले यूपीएससी की परीक्षा पास करनी होती थी, लेकिन अब यूपीएससी लेटरल भर्ती में उम्मीदवारों का चयन सिर्फ इंटरव्यू के आधार पर किया जाएगा। विपक्ष यूपीएससी के इस तरह की भर्ती प्रक्रिया का विरोध कर रही है।

ताजा बहस क्यों ? पिछले पांच वर्षों के दौरान लेटरल एंट्री के माध्यम से इन स्तरों पर अब तक लगभग 63 नियुक्तियां हुई हैं, जिसमें अभी 57 ऐसे अधिकारी तैनात हैं। . अभी 10 संयुक्त सचिव पदों के लिए आ-वेदन आमंत्रित किए गए हैं। सरकार लेटरल एंट्री के जरिये इन खाली पदों को भरना चाहती है। ऐसे में विपक्ष इसका विरोध कर रही है। विपक्ष का तर्क है कि यूपीएससी लेटरल भर्ती कोटा को कमजोर करता है। विपक्ष के बाद अब सत्तारूढ़ दल के सहयोगी दल के प्रमुख केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने इसी मुद्दे पर एतराज जताते हुए सरकार से बात करने की बात कही है।

दो भाइयों की सड़क हादसे में मौत

बहन के घर से राखी बंधवाकर लौट रहे थे

सारण (एजेंसियां)।
गोपालगंज में सड़क दुर्घटना में दो भाईयों की दर्दनाक मौत हो गई है। घटना मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के बहोरवा गांव की है। मृतकों की पहचान छपरा जिले के परसा थाना क्षेत्र अंतर्गत बनकेरवा गांव निवासी बबलु कुमार और चंदन कुमार के रूप में की गई है। बबलू बड़ा भाई था, जबकि चंदन कुमार छोटा भाई। मौत की खबर सुनने के बाद

के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए

भेज दिया है।

घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि दोनों भाई दोनों भाई बहन के घर से राखी बंधवा कर लौट रहे थे। तभी हादसा के शिकार हो गए।

इस घटना में दोनों भाइयों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।परिजनों ने बताया कि रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर दोनों भाई अपनी बहन से राखी बंधवाने गए थे। बहन से राखी बंधवाकर दीर्घायु का आशीर्वाद के साथ लौट रहे थे, तभी रास्ते में दुर्घटना के शिकार हो गए।

बिहार के युवा ने कतर में दिखाया जलवा, गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराया अपना नाम

गया (एजेंसियां)।
बिहार के गया जिले के रहने वाले एक युवक ने कतर में अपनी कामयाबी का झंडा बुलंद किया है। कतर को सबसे तेज गति से पार करके गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। यह खबर मिलते ही गया शहर के लोगों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। यह युवा गया शहर के रामसागर रोड स्थित नादरागंज मोहल्ले के रहने वाले आशुतोष प्रकाश उर्फ बाबू ने वर्ग में कतर को पैदल सबसे तेज गति से पार करने का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम किया है। उन्होंने बताया कि 30 घंटे 31 मिनट 32 सेकेंड में कतर देश के

उत्तर से दक्षिण दिशा तक 191.7 किलोमीटर की दूरी तय कर गिनीज बुक में अपना नाम दर्ज किया है। आशुतोष प्रकाश गया शहर के नादरागंज मोहल्ले की तंग गलियों में रहकर पढ़ाई करते थे। जिला स्कूल से मैट्रिक पास करने के बाद उन्होंने उड़िसा से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने कोलकाता चले गए।

आशुतोष प्रकाश उर्फ बाबू ने बताया कि इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी होने के बाद आशुतोष जेट एयरवेज में टेक्नीशियन के पद पर नौकरी करना शुरू किया। 2011 में राष्ट्रीय एयरलाइन के साथ काम करने कतर चले गए, जहां उन्होंने दौड़ना शुरू किया। कोरोना काल के दौरान आशुतोष ने लंबी दौड़ शुरू किया था। उसी क्रम में आशुतोष ने अपने जीवन में लंबी दौड़ शुरू कर दिया। पहले 10 कलोमीटर दौड़े, फिर 20 किलोमीटर, उसके बाद 25 से 30 किलोमीटर की दौड़ की। वहीं गया के आशुतोष ने एक मार्च 2024 को 30 घंटे 31 मिनट और 32 सेकेंड में अपना टारगेट पूरा कर उपलब्धि हासिल किया। आशुतोष 14 साल से कतर में रह रहे हैं।

इससे पूर्व आशुतोष दुबई से कतर तक 739.5 किलोमीटर की दूरी 11 दिन 17 घंटे में पूरा किया था। रक्षाबंधन के मौके पर गया पहुंचने के बाद डीएम डा. त्याग राजन एसएम सीनियर एसपी आशीष भारती ने आशुतोष प्रकाश को सम्मानित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

आशुतोष प्रकाश उर्फ बाबू तीन भाई और तीन बहनें हैं। बाबू भाई और बहनों में सबसे छोटे हैं। बड़ा भाई ब्रहम अविनाशी प्रकाश सिन्हा उर्फ मुनमुन बिहार पुलिस में दरोगा के पद पर पदस्थापित है, जबकि दूसरे भाई प्राइवेट कंपनी में कार्यरत हैं। बाबू ने बताया कि अगला टारगेट कनाटा के सीमा को पार करना है यानी वह अब सात हजार पांच सौ किलोमीटर पार कर फिर से गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराने की तैयारी में जुटे हैं।

थाने में ड्यूटी पर तैनात वायरलेस ऑपरेटर की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत, परिजनों में कोहराम

बेतिया (एजेंसियां)।
बेतिया में ड्यूटी पर तैनात एक वायरलेस ऑपरेटर की अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मिलने के बाद से परिजनों में चीत्कार मचा हुआ है। यह घटना जिले के योगापट्टी थाना की है। मृतक की पहचान जिले के शिकारपुर थानाक्षेत्र के रोआरी गांव निवासी वर्मा शर्मा के रूप में की गई है। इधर, पुलिस ने शव को जीएमसीएच बेतिया में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। उसके बाद पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई।

थानाध्यक्ष कंचन भास्कर ने बताया कि सोमवार दोपहर थाने में तैनात

वायरलेस ऑपरेटर वर्मा शर्मा की तबीयत अचानक खराब हो गई। उसके बाद वह बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़े। फिर थाने के अन्य पुलिसकर्मी उन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र योगापट्टी ले गए। जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी स्थिति गंभीर देखते हुए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया। उसके बाद पुलिसकर्मी उन्हें जीएमसीएच बेतिया ले गए। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान जिले के शिकारपुर थानाक्षेत्र के रोअ-ारी गांव निवासी वर्मा शर्मा के रूप में हुई है। मामले में परिजनों के आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक के बेटे विवेक कुमार ने बताया कि उसके पिता योगापट्टी थाने में वायरलेस ऑपरेटर पद पर पिछले चार वर्षों से पदस्थापित थे। अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और सोमवार की देर रात उनकी मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है और कागजी प्रक्रिया पूरी करने में लगी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com